राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 114
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 07 नवंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 कांग्रेस एम.सी.डी. बनाऐगी ''मेरी चमकती दिल्ली, मेरी कांग्रेस वाली दिल्ली'', शीला दीक्षित वाली दिल्ली
पेज 5 ए के शर्मा ने कहा संचारी रोगों से बचाव के लिए हर सम्भव कार्य करें निकाय, मंत्री ए के शर्मा ने की नगरीय निकाय के
पेज 7 बोलते-बोलते रो पड़े इमरान के करीबी पाकिस्तानी सीनेटर आजम खान स्वाती

नाबालिग ने की 4 की हत्या

मां, दादी और बहन समेत 4 को उतारा मौत के घाट, कुएं में फेंके शव

अगरतला। त्रिपुरा के धलाई जिले के एक सुदूर गांव में 16 वर्षीय लड़के ने अपनी मां, दादी, 10 साल की बहन और एक पड़ोसी की कथित तौर पर हत्या कर दी और उनके शवों को एक कुएं में फेंक दिया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। आरोपी के बारे में जानकारी हाथ लगी है कि वह नियमित तौर पर ड्रग का सेवन करता था। हत्या के प्रयोजनों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामला त्रिपुरा के धलाई जिले का है। प्रारंभिक

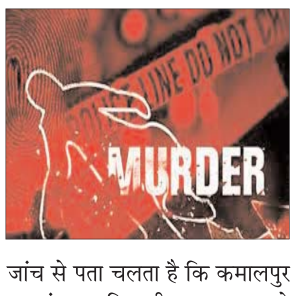

जांच से पता चलता है कि कमालपुर अनुमंडल निवासी लड़का जो नाबालिग है और नियमित रूप से ड्रग्स का सेवन करता था। उसने शनिवार की सुबह अपनी मां, दादा, 10 वर्षीय बहन और एक पड़ोसी की हत्या कर दी। घटना के वक्त उसके पिता घर पर नहीं थे। हत्या के मकसद का अभी पता नहीं लग पाया है।

अधिकारी के अनुसार, लड़के के पिता जब लौटे तो उन्हें घर में खून के छींटे दिखाई दिए। इसके बाद उन्हें शक हुआ। तलाशी लेने पर मालूम हुआ कि परिवार के सदस्यों के शव को घर के बगल स्थित कुएं में फेंक दिया गया था। पिता ने शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की सूचना दी।

ग्रामीणों ने दावा किया कि उन्होंने आरोपी के घर पर सुबह करीब साढ़े नौ बजे बहुत तेज गाने की आवाज सुनी थी। ऐसा अंदेशा है कि मारते वक्त चीख न सुनाई दे इसके लिए आरोपी ने ऐसा किया हो। कुछ ही घंटों बाद उसके पिता को कुएं में चार शव मिले।

पुलिस अधिकारी ने कहा, शरीर पर चोट के निशान थे जो संकेत देते हैं कि हत्यारे ने चार लोगों की हत्या के लिए किसी नुकीली वस्तु का इस्तेमाल किया था। हालांकि, मौत का वास्तविक कारण पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। आरोपी गांव से भागने की कोशिश कर रहा था लेकिन उसे पकड़ लिया गया है।

सतना के पार्षद पुत्र सहित दो मौत

मुंबई-पुणे ओल्ड हाईवे पर बस ने मारी टक्कर, ट्रेनिंग में गए थे भुसावल

एजेंसी

सतना। मुंबई-पुणे ओल्ड हाईवे पर रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में सतना नगर निगम की पार्षद के पुत्र समेत रेलवे के 2 सहायक लोको पायलटों की मौत हो गई।

पश्चिम मध्य रेलवे के सतना रेलवे स्टेशन में पदस्थ सहायक लोको पायलट शत्रुंजय त्रिपाठी (29) सहित रीवा के कुमार गौरव गौतम की मौत हो गई।

सतना में पदस्थ सहायक लोको पायलट शत्रुंजय त्रिपाठी सतना नगर निगम की वार्ड नंबर 9 की पार्षद कपसा तिवारी के पुत्र थे। सड़क हादसे में जवान बेटे की मौत की खबर यहां पहुंचते ही कोहराम मच गया। मां बेसुध हो गई तो पिता भी बेहाल हो गए। सिद्धार्थ नगर स्थित उनके निवास पर लोगों की भीड़ लग गई।

ऑटो से पुणे जाते समय बस ने मारी टक्कर

भुसावल में रेलवे के सहायक लोको पायलटों की ट्रेनिंग चल रही है। इसी ट्रेनिंग में शामिल होने सतना, रीवा और जबलपुर के सहायक लोको पायलटों के साथ शत्रुंजय भी भुसावल गए थे। रविवार का अवकाश होने के कारण शत्रुंजय, कुमार गौरव गौतम, सौरभ पाठक तथा राघवेंद्र ऑटो से पुणे जा रहे थे। मुंबई-पुणे ओल्ड हाईवे के बोरघाट खंडाला में टर्निंग के पास सामने से आ रही मातेश्वरी ट्रेवल्स की बस ने ऑटो को सामने से टक्कर मार दी।

शत्रुंजय और कुमार गौरव की मौके पर मौत

इस हादसे में शत्रुंजय और कुमार गौरव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल राघवेंद्र राठौर और सौरभ पाठक को खोपली सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया।

डबल इंजन का धोखा गुजरात में नहीं चलेगा : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के डबल इंजन सरकार को धोखा बताते हुए कहा है कि इस बार यह धोखा गुजरात में नहीं चलेगा। गांधी ने कहा कि गुजरात के लोग भाजपा के डबल इंजन सरकार की असलियत समझ गए हैं और राज्य के लोग इस धोखे से मुक्त होकर परिवर्तन चाहते हैं। उनका कहना था कि कांग्रेस सत्ता में यदि सरकार बनाएगी तो लोगों से किए सभी वादे पूरे करेगी। गांधी ने ट्वीट किया, कांग्रेस देगी 500 में रसोई गैस सिलेंडर, युवाओं को 10 लाख नौकरियां, किसानों का तीन लाख तक क़र्ज़ा माफ। हम, गुजरात के लोगों से किए सारे वचन निभाएंगे। भाजपा के 'डबल इंजन' के धोखे से बचाएंगे, प्रदेश में परिवर्तन का उत्सव मनाएंगे।

विधानसभा की 7 सीटों पर उपचुनाव, 4 भाजपा जीती

बिहार में आरजेडी, तेलंगाना में टीआरएस और महाराष्ट्र में उद्धव की पार्टी को एक-एक सीट

नई दिल्ली। देश के 6 राज्यों की 7 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव के परिणाम आ गए हैं। इनमें से चार सीट भाजपा ने जीती हैं। उत्तर प्रदेश की गोला गोकर्णनाथ, बिहार की गोपालगंज, ओडिशा की धामनगर और हरियाणा की आदमपुर सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। कुल मिलाकर भाजपा को दो सीटों का फायदा हुआ है।

वहीं, बिहार की मोकामा सीट पर आरजेडी कैंडिडेट और बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी जीत गई हैं। तेलंगाना में टीआरएस और महाराष्ट्र में उद्धव की पार्टी जीती है। सभी सीटों पर 3 नवंबर को वोटिंग हुई थी। जिन सात सीटों पर उपचुनाव हुआ, उनमें 2-2 सीटों पर भाजपा और कांग्रेस का कब्जा था। वहीं, तीन सीटों पर भाजपा, शिवसेना और आरजेडी ने जीत दर्ज की थी।

1. यूपी के गोला गोकर्णनाथ सीट भाजपा ने बचाई

यूपी में लखीमपुर खीरी की गोला गोकर्णनाथ सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी अमन गिरी ने सपा के विनय तिवारी को 34 हजार 298 वोटों से हरा दिया। जीत के अंतर के मामले में उन्होंने अपने पिता अरविंद गिरी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। पिछले चुनाव में अरविंद गिरी ने सपा के विनय तिवारी को 29 हजार 294 वोटों से हराया था।

2. हरियाणा की आदमपुर सीट भाजपा ने कांग्रेस से छिनी

हरियाणा के हिसार जिले में आदमपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई को 16 हजार 606 वोटों से जीत मिली है। भव्य पूर्व ष्टरूभजनलाल परिवार की तीसरी पीढ़ी से हैं, जो चुनाव लड़े। पिछली बार उनके पिता कुलदीप बिश्नोई यहां से जीते थे। हालांकि कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था।

3. बिहार में आरजेडी और भाजपा को 1-1 सीट मिली

बिहार की दो सीटों पर हुए उपचुनाव में महागठबंधन और भाजपा की लड़ाई बराबरी पर रही। मोकामा सीट जहां भाजपा ने जीती, वहीं गोपालगंज सीट भाजपा के खाते में गई। मोकामा में बाहुबली अनंत सिंह की पत्नी नीलम देवी ने आरजेडी की सोनम देवी को 16 हजार 707 वोटों से हराया है। वहीं गोपालगंज में भाजपा की कुसुम देवी ने आरजेडी के मोहन गुप्ता को 2183 वोट से हरा दिया।

4. मुंबई के अंधेरी पूर्व में उद्धव गुट की कैंडिडेट जीतीं

अंधेरी ईस्ट सीट से शिवसेना-उद्धव गुट की ऋतुजा लटके जीत गई हैं। लटके के खिलाफ सिर्फ एक निर्दलीय प्रत्याशी ही मैदान में था। लटके को कांग्रेस और एनसीपी ने अपना समर्थन दिया था।

भाजपा ने बिजनेसमैन मुरजी पटेल को कैंडिडेट बनाया था। नामांकन दाखिल करने के 4 दिन बाद भाजपा ने अपने कैंडिडेट का नामांकन पीछे ले लिया। भाजपा ने कहा कि वो एक विधवा के सामने चुनाव लड़कर महाराष्ट्र की संस्कृति को बदनाम नहीं करना चाहते हैं।

5. तेलंगाना के मुनूगोड़े में टीआरएस ने भाजपा को हराया

तेलंगाना में मुनूगोड़े विधानसभा सीट पर हुए कड़े मुकाबले में टीआरएस ने भाजपा को हरा दिया। टीआरएस के पूर्व विधायक कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी ने कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को यहां करीब 10 हजार से भी ज्यादा वोटों से हरा दिया। कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे, जिसके बाद यहां चुनाव हुए थे। वहीं कांग्रेस से पलवई श्रावंथी मैदान में थे।

6. ओडिशा के धामनगर सीट पर भाजपा जीती

ओडिशा की धामनगर विधानसभा सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। भाजपा विधायक बिष्णु चरण सेठी का निधन होने की वजह से इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। भाजपा ने यहां से दिवंगत विधायक बिष्णु चरण सेठी के बेटे सूर्यवंशी सूरज को अपना कैंडिडेट बनाया। वहीं, भाजपा ने यहां अबंती दास को अपना कैंडिडेट बनाया था।

सबसे ज्यादा 77.55 प्रतिशत वोटिंग तेलंगाना में

सबसे ज्यादा 77.55 प्रतिशत वोटिंग तेलंगाना की मुनूगोड़े विधानसभा सीट पर दर्ज की गई। इसके बाद 75.25 प्रतिशत मतदान हरियाणा की आदमपुर सीट पर हुआ था।

वहीं, महाराष्ट्र की अंधेरी ईस्ट सीट के लिए सबसे कम 31.74 प्रतिशत मतदान हुआ था।

यूपी के शहरों में इस बार बढ़ जाएंगे 3200 पार्षद

एजेंसी

लखनऊ। यूपी के शहरी क्षेत्रों के लिए होने वाले निकाय चुनाव में इस बार करीब 3200 वार्ड बढ़ने जा रहे हैं। इससे साफ है कि इतने शहरी पार्षद बढ़ जाएंगे। इसमें नए 110 निकायों में करीब 2500 वार्ड बताए जा रहे हैं और विस्तार होने वाले 131 क्षेत्रों में 700 के आसपास पार्षद बताए जा रहे हैं। नगर विकास विभाग के पास वार्डों की प्रारंभिक संख्या लगभग 15207 पहुंच गई है। इसमें मामूली अंतर हो सकता है। प्रदेश में मौजूदा समय 763 निकाय हैं। इनमें 17 नगर निगम, 200 पालिका परिषद और 546 नगर पंचायतें हैं। नगर विकास विभाग को मिली रिपोर्ट के मुताबिक कुल निकायों में करीब 15207 वार्ड होने का प्रारंभिक आंकड़ा लगभग पहुंच गया है। कुछ जिलों में अभी परिसीमन का काम चल रहा है, इसकी रिपोर्ट भी आरक्षण के साथ जल्द ही आ जाएगी। इस हिसाब से माना जाए तो इस बार 15207 से अधिक वार्डों के लिए चुनाव होना तय है। पिछली बार 12007 वार्डों के लिए चुनाव हुआ था।

नगर विकास विभाग ने जिलों को 4 नवंबर तक वार्डों का आरक्षण करते हुए प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराने को कहा था, लेकिन अभी तक सभी जिलों का प्रस्ताव उपलब्ध नहीं हो

110 निकायों में बन गए 2500 वार्ड

पाया है। प्रदेश के करीब 48 जिलों से वार्ड आरक्षण का प्रस्ताव शासन को प्राप्त हो गया है। कुछ जिले महिला वार्ड को लेकर शासन से स्पष्टीकरण चाहते थे, वह स्थिति साफ कर दी गई है। बचे हुए जिलों को सोमवार की शाम तक अनिवार्य रूप से वार्डों के आरक्षण का प्रस्ताव देने को कहा गया है।

जिलों से वार्ड आरक्षण का प्रस्ताव मिलने के बाद शासन स्तर पर इसका परीक्षण किया जाएगा। इसके बाद जिलेवार वार्ड आरक्षण की अधिसूचना जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही सीटों के आरक्षण को अंतिम रूप दिया जाएगा। शासन स्तर पर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के अध्यक्षों की सीटों के आरक्षण पर काम चल रहा है। मेयर के लिए उच्च स्तर से अनुमति मिलने के बाद इस पर काम शुरू किया जाएगा।

दिल्ली वालों को राहत, आयोग ने हटाई चौथे चरण की पाबंदियां

स्कूलों को खोलने पर फैसला होगा आज

नई दिल्ली। दिल्ली के वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई में सुधार के रुख को देखते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रेप के तहत लगाई गई चौथे चरण की पाबंदियों को हटा दिया है। रविवार को हुई समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया। केंद्र सरकार के वायु गुणवत्ता आयोग ने वायु प्रदूषण कार्य योजना के अंतिम चरण के तहत तीन दिन पहले दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में इन पाबंदियों को लागू किया था। हालांकि समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली एनसीआर के इलाकों में अभी भी स्मॉग का स्तर बरकरार है।

दिल्ली एनसीआर की वायु गुणवत्ता में सुधार के संकेतों के बीच वायु गुणवत्ता प्रबंध आयोग (सीएक्यूएम, CAQM) की बैठक हुई। आयोग की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया

है कि दिल्ली-एनसीआर में गैर-बीएस 4 इंजन वाले हल्के डीजल वाहनों और राष्ट्रीय राजधानी में ट्रकों के प्रवेश पर लगाई गई पाबंदियों को हटा दिया गया है।

इस बीच एक अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण में सुधार के मद्देनजर प्रतिबंधों को हटाने पर चर्चा के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। इस उच्च स्तरीय बैठक में प्राथमिक विद्यालयों को फिर से खोलने और दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को घर से काम करने संबंधी मुद्दे पर फैसला लिए जाने की संभावना है।

मालूम हो कि बृहस्पतिवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 450 यानी गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया था। इसके बाद वायु गुणवत्ता प्रबंध आयोग (सीएक्यूएम, CAQM) की ओर से तमाम कदम उठाए गए थे। इन कदमों के तहत गैर-बीएस-6 हल्के डीजल वाहनों (कारों आदि) पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आयोग ने ग्रेप-4 के तहत आवश्यक सेवाओं और जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़े ट्रकों और सीएनजी, इलेक्ट्रिक वाहनों को छोड़कर दिल्ली में अन्य ट्रकों के प्रवेश पर रोक लगा दी थी।

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गति बढ़ने और पराली जलने की घटनाओं में कमी आने के चलते रविवार को वायु गुणवत्ता में कुछ सुधार नजर आया।

श्रीलंकाई नौसेना ने 15 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया

रामेश्वरम। श्रीलंका की नौसेना ने अपने क्षेत्रीय जल में अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में 15 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर उनके दो मशीनीकृत मछली पकड़ने वाली नौकाओं को जब्त कर लिया है। तमिलनाडु के मत्स्य पालन अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रामनाथपुरम जिला के रामेश्वरम के रहने वाले मछुआरों को शनिवार की रात उस समय हिरासत में लिया गया, जब वे तलाईमन्नार के उत्तर में समुद्र में मछली पकड़ रहे थे।

सीईटी : साढ़े सात लाख उम्मीदवारों ने दी परीक्षा

चंडीगढ़। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की तरफ से रविवार को संपन्न सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) में सात लाख 53 हजार उम्मीदवारों ने हिस्सा लिया।

आयोग के अध्यक्ष भोपाल सिंह ने शाम को परीक्षा संपन्न होने के बाद बताया कि कुल 11,36,897 लोगों ने पंजीकरण कराया था। इनमें से 10,78,864 आवेदन सही पाये गये।

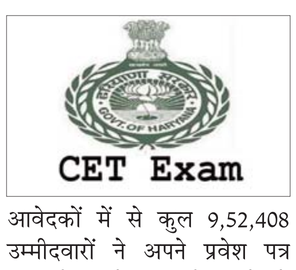

आवेदकों में से कुल 9,52,408 उम्मीदवारों ने अपने प्रवेश पत्र डाउनलोड किये। डाउनलोड किये गये प्रवेश पत्रों के आधार पर कल और आज (शनिवार व रविवार को) परीक्षा चार चरणों में आयोजित की गयी थी। परीक्षा हरियाणा के 17 जिलों और केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ में सम्पन्न कराई गई। सबसे अधिक केन्द्र हिसार में 65 और यमुनानगर में सबसे कम नौ केन्द्र बनाये गये थे। यमुनानगर में वार्षिक कपाल मोचन मेला का आयोजन था, इसलिए यहां कम परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे।

लखनऊ मेट्रो को मिला उत्कृष्ट 'मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी' का पुरस्कार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लखनऊ मेट्रो को केरल के कोच्चि में आयोजित 'अर्बन मोबिलिटी इंडिया कॉन्फ्रेंस 2022' में रविवार को 'मेट्रो रेल विद द बेस्ट मल्टी-मॉडल इंटीग्रेशन' श्रेणी के तहत 'अवॉर्ड ऑफ एक्सिलेंस इन अर्बन ट्रांसपोर्ट' से सम्मानित किया गया।

उप्र मेट्रो रेल प्रबंधन (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री कौशल किशोर ने ट्रॉफी और सर्टिफिकेट प्रदान किया। इस अवसर पर यूपीएमआरसी के महानिदेशक (परिचालन) स्वदेश सिंह भी मौजूद थे।

लखनऊ मेट्रो स्टेशनों को सबसे बेहतर तरीके से शहर के प्रमुख रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड और हवाई अड्डे जैसे अन्य परिवहन टर्मिनलों के साथ जोड़ने के लिये यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अतरिक्त लखनऊ मेट्रो ने प्रमुख फीडर सर्विसेज को भी अपने साथ जोड़ा है। जिससे यात्रियों को 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' का उतकृष्ट अनुभव प्रदान किया जा सके।

यूपीएमआरसी के एमडी सुशील कुमार ने पुरस्कार प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, मैं लखनऊ मेट्रो के लिए यह पुरस्कार प्राप्त कर के सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। हमने अपने यात्रियों को एक सुविधाजनक, आरामदायक और समावेशी विश्व स्तरीय परिवहन अनुभव प्रदान करने के लिए कई कदम उठाए हैं और जब यूएमआई सम्मेलन जैसे सम्मानित मंच पर हमारे प्रयासों को मान्यता दी जाती है तो यह वास्तव में बहुत एक सुखद अहसास है। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार लखनऊ मेट्रो की पूरी टीम के लिए विशेष उपलब्धि है।

गौरतलब है कि 2019 में भी लखनऊ मेट्रो को यूएमआई का सर्वश्रेष्ठ 'मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम' का पुरस्कार मिल चुका है।

तलाशी

एक घंटे तक हिरासत में रखा , फिर जबरन एक्स-रे के लिए एक अस्पताल में ले जाया गया

एयरपोर्ट पर सांसद के बेटे की तलाशी, कपड़े उतरवाए

तिरुवनंतपुरम। केरल एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के संदेह में मुस्लिम लीग के राज्यसभा सदस्य अब्दुल वहाब के बेटे के कपड़े उतारे जाने और एक्स-रे टेस्टिंग का मामला सामना आया है। इस मामले में राज्यसभा सदस्य अब्दुल वहाब ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को चिट्ठी लिखकर शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत में दावा किया है कि उनके बेटे को तिरुवनंतपुर एयरपोर्ट पर करीब एक घंटे तक हिरासत में रखा गया था और फिर जबरन एक्स-रे के लिए एक अस्पताल में ले जाया गया था।

सांसद ने अपनी चिट्ठी में कहा है कि

शुरू में उनके बेटे के शरीर की पूरी जांच की गई और बाद में उनके सामान को भी चेक किया गया। इसके बाद उनके कपड़े उतार दिए गए और फिर उनसे एक्स-रे कराने के लिए जबरन पास के ही एक अस्पताल में ले जाया गया ताकि इस संदेह की जांच की जा सके कि उन्होंने सोने को अपने निजी अंगों में तो नहीं छुपा रखा है या फिर निगल तो नहीं लिया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट पर यह बताने के बाद भी कि वो एक सांसद के बेटे हैं अधिकारी उनकी जांच करते रहे।

शाहरजहां से वापस लौटा बेटा

सांसद ने कहा कि यह घटना एक नवंबर को हुई जब उनका बेटा शारजाह से एयर अरेबिया की फ्लाइट से पहुंचा। हालांकि बाद में उसे छोड़ दिया गया क्योंकि एक्स-रे जांच के बाद सोना नहीं मिला था। हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ फोन पर हुई बातचीत में सांसद ने अपने बेटे के साथ हुई तरह की हरकत को अमानवीय व्यवहार करार दिया है।

उन्होंने मांग करते हुए कहा कि हम सीमा शुल्क अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहते हैं जिन्होंने मानदंडों का उल्लंघन किया और उन्हें हिरासत में लिया। सांसद ने कहा, आमतौर पर ऐसी परिस्थितियों में एक्स-रे जांच के लिए मजिस्ट्रेट की अनुमति जरूरी होती है।

आरोपों पर क्या बोले अधिकारी?

वहीं, मामले को लेकर सीमा शुल्क के एक सीनियर अधिकारी ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया कि यह गलत पहचान का मामला था। विभाग को गुप्त सूचना मिली थी इसी नाम का एक शख्स एयर अरेबिया की उड़ान में बड़ी मात्रा में सोने की तस्करी कर रहा है। उन्होंने कहा कि सीमा शुल्क आयुक्त ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अगर कोई गड़बड़ी मिलती है तो उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शार्ट न्यूज

तमिलनाडु में लोको चालक की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

चेन्नई। तमिलनाडु में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां पर रात डॉ. एमजीआर सेंट्रल-कोयंबटूर चेरन एक्सप्रेस के रवाना होने के बाद डिब्बे के इंजन से अलग हो गये लेकिन सतर्क लोको चालक ने इसे देख लिया तथा ट्रेन को रोक दिया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। दक्षिण रेलवे के सूत्रों ने बताया कि ट्रेन सेंट्रल स्टेशन से निकली और लगभग 30 मिनट बाद जब यह तिरुवल्लूर स्टेशन पर पहुंची, तो एक लोको चालक ने देखा कि एस7 और एस8 को जोड़ने वाला एक डिब्बा इंजन से अलग हो गया। इसके बाद उसने ट्रेन को तुरंत रोक दिया। इसके कारण ट्रेन को रवाना होने में दो घंटे की देरी हुयी। रेलवे के अधिकारियों द्वारा इंजन के साथ कोच को पुन: जोड़ने के बाद ट्रेन कोयंबटूर के लिए रवाना हुई।

पुलिस ने गुजरात ले जायी जा रही अंग्रेजी शराब की खेप की बरामद

सिरसा। हरियाणा के सिरसा जिले में पुलिस ने गुजरात और राजस्थान ले जायी जा रही अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप ट्रक से बरामद की है। पुलिस अधीक्षक डा. अर्पित जैन ने आज यहां बताया कि सूचना मिली थी कि एक ट्रक में शराब छुपाकर ले जायी जा रही है। इसके बाद पुलिस ने नाकेबंदी कर डबवाली-संगरिया स्टेट हाई वे पर डी.ए.वी. स्कूल डबवाली के नज़दीक से अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप ट्रक से बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक शराब को लकड़ी के गुटको के नीचे छुपाकर पंजाब से कम दामों पर लाकर गुजरात, राजस्थान में अक्सर सप्लाई करता है। उन्होंने बताया कि शरब को ट्रक मे लकड़ी के गुटको के निचे लोहे की चादर से पूरे ट्रक के अंदर बक्शा बनाकर छुपाकर रखा गया था। ट्रक से लोहे की सीट काटकर पर कुल 505 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई। उन्होंने बताया कि ट्रक चालक की पहचान किशनाराम के रूप में हुई है। इस संबंध में पकड़े गये आरोपी और इस शराब तस्करी मे शामिल अन्य नामालूम आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग दर्ज कर लिया गया।

नशा मुक्ति को लेकर मैराथन दौड़

औरंगाबाद। नशा मुक्ति अभियान के तहत कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण, जिला प्रशासन एवं मद्य निषेध विभाग के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को मैराथन दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता की शुरूआत पुलिस केंद्र औरंगाबाद से की गई जहां जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारियों ने मैराथन धावकों को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य स्थान के लिए रवाना किया। मैराथन दो श्रेणियों में आयोजित की गई जिसमें पहली श्रेणी में 05 किमी की दौड़ निर्धारित की गई थी जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस आयु के प्रतिभागी पुलिस केंद्र से शहर के एपीजे अब्दुल कलाम पार्क पहुंचे। वहीं दूसरी श्रेणी की दौड़ 10 किलोमीटर निर्धारित की गई जिसमें 16 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह दौड़ पुलिस केंद्र से फेसर स्थित विद्युत सब स्टेशन तक आयोजित की गई। इस अवसर पर डीडीसी अभ्येंद्र मोहन सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन एवं सामाजिक संगठनों के सहयोग से यह नशा मुक्ति अभियान के तहत यह मैराथन दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने नशे के दुष्प्रभाव व विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान किया। कहा नशा मुक्त व्यक्ति ही समाज को नई दिशा व दशा प्रदान कर सकता है। इस मैराथन के सफल प्रतिभागियों को ज़िला प्रशासन की ओर से पुरस्कार व सम्मान स्वरूप प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

शिवराज ने किरण सेठ के साथ किया पौधरोपण

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज यहां स्मार्ट सिटी उद्यान में पद्मश्री डॉ किरन सेठ के साथ करंज, सागौन और पिथोरिया के पौधे लगाए। आधिकारिक जानकारी के अनुसार आईआईटी दिल्ली के 73 वर्षीय सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ किरन सेठ श्रीनगर से कन्याकुमारी तक साइकिल यात्रा कर रहे हैं। यह यात्रा युवाओं में भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की जा रही है। डॉ सेठ के साथ सविता राजे, राजेन्द्र कोठारी, रश्मि सारस्वत, डॉ अनुपमा शर्मा, श्रेयस शुक्ला, मनीष साहू, सुरभि मेहरोत्रा, विक्की लाल स्वामी, एंटोनी घोष और सीमा बजाज पौधरोपण में शामिल हुए। मुख्यमंत्री के साथ मध्यप्रदेश अनुसूचित जनजाति वित्त विकास निगम की अध्यक्ष निर्मला बारेला ने भी पौधे लगाए। नसरूल्लागंज के जितेन्द्र गौड़ ने अपने जन्म-दिवस पर पौधा लगाया। उनके साथ गोपाल तिवारी, अवध पटेल, ओम पटेल, देवी सिंह वेड़ा और अनुराग गौड़ भी पौध-रोपण में शामिल हुए।

दो मोटर साइकिलों की भिड़ंत में दो की मौत

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के धौड़ाई क्षेत्र में दो मोटर साइकिलों की आपस में हुई जबर्दस्त भिड़ंत में दो लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी और एक घायल हो गया है, जिसका इलाज चल रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार विष्णु कोर्राम (32) निवासी मढ़ागढ़ा अपनी मोटर साइकिल से कल शाम धौड़ाई साप्ताहिक बाजार आया हुआ था। बाजार में खरीददारी कर वापस अपने घर लौट रहा था, तभी विपरीत दिशा बारसूर की ओर से दूसरी मोटर साइकिल में सवार होकर मान सिंह (34) निवासी कोहमेटा और रमेश कोर्राम आ रहे थे। जैसे ही दोनों मोटर साइकिलें सुलेगा आश्रम के पास पहुंची, दोनों के बीच जबर्दस्त भिड़ंत हो गई, जिससे मान सिंह और विष्णु कोर्राम की मौके पर ही मौत हो गयी। रमेश घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सीईटी : हांसी स्थित सेंटर को हिसार में दर्शाया, देरी से पहुंचे अभ्यर्थियों को नहीं मिला प्रवेश

हिसार। सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के दूसरे दिन आज कुछ परीक्षार्थियों को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) की ओर से हुई गलती का खामियाजा भुगतना पड़ा, क्योंकि प्रवेश पत्र में परीक्षा केंद्र हिसार में दिखाया गया था, लेकिन परीक्षा केंद्र हांसी में था। सिरसा और नारनौल से आए राजेश, गौतम, मलकीत, अंकित, शर्मिला आदि अभ्यर्थियों ने बताया कि एचएसएससी की गलती से वह समय पर नहीं पहुंच पाए और उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। छात्रों ने बताया कि रोल नंबर स्लिप पर परीक्षा केंद्र (बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल), हिसार दर्शाया हुआ था और परीक्षा केंद्र हांसी शहर में था, जो हिसार से लगभग 30 किलोमीटर दूर है। छात्र हिसार में काफी समय परीक्षा केंद्र ढूंढते रहे और फिर पता चला कि स्कूल हांसी में है। वह किसी तरह से हांसी पहुंचे, लेकिन पहुंचते-पहुंचते 10 बज गए। पांच मिनट की देरी होने के कारण उन्हें परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया गया। छात्रों ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र में मौजूद कर्मचारी को उन्होंने अपनी परेशानी बताई, लेकिन कोई सुनने को राजी नहीं हुआ। दूर- दराज के शहरों से आए छात्रों ने आरोप लगाया कि सरकार की गलती का खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ रहा है और अब एक साल तक वे किसी भी सरकारी नौकरी का फार्म नहीं भर सकते।

गुरु नानक देव के प्रकाश गुरुपर्व मनाने के लिए एसजीपीसी जत्था पाकिस्तान रवाना

अमृतसर। गुरुद्वारा ननकाना साहिब में गुरु नानक देव के प्रकाश गुरुपर्व (जन्मदिन) का जश्न मनाने के लिए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति (एसजीपीसी) का एक जत्था आज पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे का नेतृत्व एसजीपीसी के पूर्व सदस्य मास्टर प्रीत सिंह को सौंपा गया है, जबकि एसजीपीसी के अधिकारी वरिंदर सिंह थारू और हरपाल सिंह को सामान्य प्रबंधन के लिए प्रतिनियुक्त किया गया है। जत्था नेता सिंह ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें गुरु नानक देव के प्रकाश गुरुपर्व समारोह के लिए पाकिस्तान में जत्थे का नेतृत्व करने का अवसर मिला है। वहीं, एसजीपीसी के सदस्य भाई मंजीत सिंह ने कहा कि इस साल एसजीपीसी ने पाकिस्तान उच्चायोग को वीजा जारी करने के लिए 1,496 तीर्थयात्रियों के पासपोर्ट भेजे थे, लेकिन 586 तीर्थयात्रियों के आवेदन खारिज कर दिए गए।

आदमपुर में पहली बार खिला 'कमल'

भव्य बिश्नोई 16,086 मतों से जीते

एजेंसी

आदमपुर (सिरसा)। हरियाणा में आदमपुर विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में पहली बार भारतीय जनता पार्टी का 'कमल' खिला। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी भव्य बिश्नोई ने कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश को 16,086 मतों से परास्त कर जीत हासिल की।

इस सीट पर कुल 22 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे थे कांग्रेस व भाजपा को छोड़ अन्य सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई है।

चुनाव अधिकारी ने भव्य विश्नोई को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। इस मौके पर पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजन लाल की धर्मपत्नी एवं भव्य की दादी जश्मा देवी, पिता कुलदीप बिश्नोई, माता रेणुका विश्नोई, राज्यसभा सांसद कृष्ण पंवार सहित कई वरिष्ठ भाजपा नेता उपस्थित थे। भाजपा प्रत्याशी के जीत की ओर बढ़ने के साथ ही आदमपुर में इनके पारिवारिक प्रतिष्ठान पर आतिशबाजी पटाखे फोड़ने व मिठाइयां बांटनी आरंभ हो गई थी इस दौरान श्री भव्य बिश्नोई के समर्थक ढोल की थाप पर खूब थिरके।

वहीं, चुनाव परिणाम घोषित होने के साथ ही कांग्रेसी प्रत्याशी जयप्रकाश की मतगणना केंद्र के करीब खड़ी गाड़ी पर पथराव कर शीशा तोड़ दिया जिसकी शिकायत पुलिस को प्रत्याशी जयप्रकाश द्वारा दी गई है।

गौरतलब है कि आदमपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 1,71,754 मत थे जिनमें से 1,31,401 मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। कुल मतदान 76.51 फीसदी रहा। भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई को 67,376 मत मिले जबकि प्रतिद्वंदी कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश को 51,662 मत मिले। इंडियन नेशनल लोकदल प्रत्याशी कुरड़ाराम नंबरदार को 5241 जबकि आम आदमी पार्टी प्रत्याशी सतेंदर को 3413 मत मिले। नोटा के निशान पर 237 मत हैं जो कि अन्य 11 प्रत्याशियों को मिले मत से ज्यादा है।

भाजपा प्रत्याशी भव्य बिश्नोई को कुल मतों में से 51. 3 फ़ीसदी जबकि कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश को 39. 3 प्रतिशत मत मिले। मतगणना 13 राउंड में हुई।

राजस्थान : ग्रेप की पाबंदियों से अलवर में उद्योगों पर संकट

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में प्रदूषण को लेकर ग्रेडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रेप) की लगी पाबंदियों से जहां एक और अलवर के उद्योगों पर संकट आ गया है वहीं हजारों मजदूर प्रभावित हो गए हैं।

शहर के विभिन्न उद्योग संघों की और से आज यहां पत्रकार वार्ता कर अलवर को एनसीआर से बाहर करने की मांग की। जिससे उद्योग चलाए जा सके। उद्योगपतियों ने बताया कि जिस तरह ग्रेप की पाबंदियां लगाई गई हैं। ऐसे हालात में उद्योग चलाना संकट भरा काम हो गया है, जो मापदंड तय किए गए हैं उसी मापदंडों के आधार पर अलवर में उद्योग चलाए जा रहे हैं लेकिन पाबंदियां लगातार ज्यादा बढ़ती जा रही हैं जिससे अब अलवर के उद्योग बंद होने के कगार पर हैं।

उन्होंने राज्य सरकार से भी मांग की कि अलवर के औद्योगिक क्षेत्र में इस संबंध में सकारात्मक सोचें और शहर को एनसीआर से बाहर किया जाए। उल्लेखनीय है कि ग्रेप के कारण अलवर में करीब 25000 मजदूर प्रभावित हो गए हैं और इन पाबंदियों का असर अलवर में काफी दिखाई दे रहा है।

अलवर में ईट भट्ठे, क्रेशर, खानों पर पहले ही काम बंद था और अब पूरी तरह बंद हो गए हैं। शहर में ग्रेप के कारण 2500 कंपनिया प्रभावित हुई हैं।

मणिपुर में मध्याह्न भोजन योजना के निजीकरण का विरोध

इंफाल। मणिपुर के मध्याह्न भोजन कर्मियों के एक मजबूत प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार और शनिवार को हैदराबाद में आयोजित मध्याह्न भोजन कार्यकर्ताओं के राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के सभी मध्याह्न भोजन श्रमिकों को बुनियादी अधिकार दिलाने के लिए एकजुट संघर्ष का आह्वान किया। ऑल मणिपुर मिड डे मील वर्कर्स यूनियन की अध्यक्ष मैबम जमुना देवी ने कहा कि मणिपुर के थोई चानू और ए. मंगलेम्बा को भी कार्य समिति के लिए चुना गया है। उन्होंने कहा कि मिड डे मील वर्कर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सम्मेलन ने देश के 26 लाख मिड-डे मील वर्कर्स के बुनियादी अधिकारों के लिए लड़ाई तेज करने का आह्वान किया। एमडीएमडब्ल्यूएफआई अगले 11 दिसंबर को पूरे भारत में न्यूनतम वेतन और उन श्रमिकों के लिए पेंशन के लिए विरोध प्रदर्शन करेगा, जिन्हें अब केवल 1000 रुपये प्रति माह का भुगतान किया जाता है, वह भी दस महीने पर। उन्होंने कहा कि फेडरेशन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा एमडीएम योजना को समाप्त करने के प्रयासों का विरोध करेगा, जिसे अब पीएम पोषण के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इसके बजट में कटौती, कॉर्पोरेट्स और गैर सरकारी संगठनों आदि को शामिल करने का काम किया है। जमुना ने कहा कि राज्य के प्रतिनिधियों ने एमडीएमडब्ल्यूएफआई की अध्यक्ष एस वरलक्ष्मी, सीटू के सचिव श्री ए आर सिंधुके साथ कई मुद्दों पर चर्चा की है।

उन्होंने कहा कि सरकार एक कॉर्पोरेट के रूप में काम कर रही है और बढ़ते कुपोषण और भूखमरी के बावजूद एमडीएम योजना का निजीकरण करने की कोशिश कर रही है।

तिरुपति मंदिर के पास है 2.26 लाख करोड़ की संपत्ति

ट्रस्ट ने कहा- 10.3 टन सोना और 16 हजार करोड़ रुपए बैंकों में जमा

तिरुपति। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने पहली बार मंदिर की कुल संपत्ति की घोषणा की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार को श्वेत पत्र जारी किया गया है, जिसमें बताया गया कि मंदिर का करीब 5,300 करोड़ का 10.3 टन सोना और 15,938 करोड़ नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों में जमा है। मंदिर की कुल संपत्ति 2.26 लाख करोड़ की है।

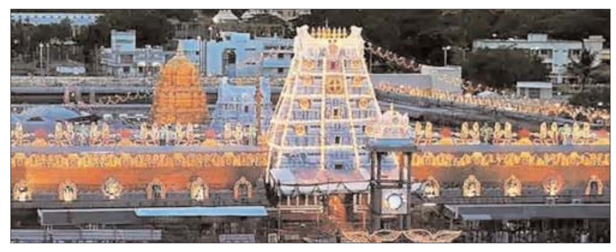

2019 के बाद से सोना और नकद में हुई वृद्धि

ट्रस्ट के कार्यकारी अधिकारी एवी धर्म रेड्डी ने बताया है कि वर्तमान ट्रस्ट बोर्ड ने 2019 से अपने इन्वेस्टमेंट गाइडलाइंस को मजबूत किया है। 2019 में कई बैंकों में 13,025 करोड़ नकद था, जो बढ़कर 15,938 करोड़ हो गया है। पिछले तीन सालों की इन्वेस्टमेंट में 2,900 करोड़ की वृद्धि हुई है। वहीं ट्रस्ट के शेयर किए गए बैंक-वाइस इन्वेस्टमेंट में 2019 में टीटीडी के पास 7339.74 टन सोना जमा था, जो पिछले तीन सालों में 2.9 टन जोड़ा बड़ गया।

7 हजार 123 एकड़ में फैली कुल 960 प्रॉपर्टीज

दान पाने के मामले में दुनिया का सबसे अमीर मंदिर आंध्र प्रदेश का तिरुमला तिरुपति मंदिर है। मंदिर के पास अलग-अलग जगहों पर 7 हजार 123 एकड़ में फैली कुल 960 प्रॉपर्टीज हैं। यहां चांदी से लेकर कीमती पत्थर, सिक्के, कंपनी के शेयर और प्रॉपर्टी जैसी चीजें भी दान की जाती हैं।

भारत का सबसे धनी मंदिर है तिरुपति बालाजी मंदिर

दक्षिण भारत के सभी मंदिर अपनी भव्यता और सुंदरता के लिए मशहूर हैं, लेकिन तिरुपति बालाजी मंदिर सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। तिरुपति बालाजी का मंदिर आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में है। इस मंदिर को भारत का सबसे धनी मंदिर माना जाता है, क्योंकि यहां पर रोज करोड़ों रुपए का दान आता है। इसके अलावा भी बालाजी मंदिर से जुड़ी कई बातें ऐसी हैं, जो सबसे अनोखी है।

यहां बालों का दान किया जाता है

मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दु:ख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं। इसलिए यहां अपनी सभी बुराइयों और पापों के रूप में लोग अपने बाल छोड़ जाते हैं।

भक्तों को नहीं दिया जाता तुलसी पत्र

सभी मंदिरों में भगवान को चढ़ाया गया तुलसी पत्र बाद में प्रसाद के रूप में भक्तों को दिया जाता है। अन्य वैष्णव मंदिरों की तरह यहां पर भी भगवान को रोज तुलसी पत्र चढ़ाया तो जाता है, लेकिन उसे भक्तों को प्रसाद के रूप में नहीं दिया जाता।

पूजा के बाद उस तुलसी पत्र को मंदिर परिसर में मौजूद कुएं में डाल दिया जाता है।

पुंछ-राजौरी को कश्मीर से जोड़ने वाली मुगल रोड बंद

ऊंचाई वाले इलाकों में हो रही बर्फबारी, अगले चार दिनों तक बारिश भी होगी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बर्फबारी हो रही है। इसके चलते रविवार को जम्मू के पुंछ और राजौरी जिलों को दक्षिण कश्मीर से जोड़ने वाली मुगल रोड बंद कर दी गई है। अधिकारियों के मुताबिक यहां शनिवार को अधिकांश इलाकों में रात भर सामान्य से ज्यादा बर्फबारी हुई है।

रविवार सुबह श्रीनगर में 26.1 मिमी, काजीगुंड में 16.0 मिमी, पहलगाम में 14.3 मिमी, कुपवाड़ा में 16.2 मिमी, कुकरनाग में 11.4 मिमी, गुलमर्ग में 16.8 मिमी, जम्मू में 16.2 मिमी, बनिहाल में 24.8 मिमी, बटोत में 17.9 मिमी, कटरा 17.0 मिमी, भद्रवाह 13.2 मिमी और कठुआ 10.2 मिमी बारिश हुई। मौसम विभाग ने कहा है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से जम्मू-कश्मीर में 10 नवंबर तक बारिश और बर्फबारी होगी।

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर तेज हवाओं के साथ बारिश

ट्रैफिक डिपार्टमेंट ने कहा कि जम्मू शहर में शनिवार और रविवार की रात तेज हवाएं चलने के साथ भारी बारिश भी हुई, लेकिन किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

270 किमी लंबा जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे खुला है। दोनों ओर से चलने वाले वाहनों की आवाजाही में किसी तरह की रुकावट की कोई सूचना नहीं है।

केरिपुबल अकादमी में चिकित्सा अधिकारियों को दिलाई गई शपथ

एजेंसी

माउंट आबू। केन्द्रिय रिजर्व पुलिस बल महानिदेशक डॉ. एस. एल. थाउसेन ने कहा कि बल में निष्ठा, तत्परतापूर्वक आदेशों का पालन करते अंतिम सांस तक देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने में कदम कभी पीछे नहीं हटायेंगे।

थाउसेन ने यह बात आज यहां आंतरिक सुरक्षा अकादमी में 53वें बैच के चिकित्सा अधिकारियों के उप कमाडेंट एवं सहायक कमांडेंट के शपथ ग्रहण समारोह में कही। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जवानों का ध्यान रखते हुए उनके कल्याण, व्यवसायिक कुशलता बढ़ाने में प्राथमिकता देनी चाहिए जिससे जवानों में कार्य के प्रति दिलचस्पी बढने के साथ आधा कार्य अपने आप पूर्ण हो जाता है।

अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों से राष्ट्र एवं बल को बहुत उम्मीदें हैं। केरिपुबल वर्तमान में बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण के चरण में हैं।

आधुनिक हथियारों की जानकारी, प्रशिक्षण प्राप्त कर इनका लाभ उठाना चाहिए।

पश्चिमी विक्षोभ से मध्यप्रदेश में नहीं पड़ रही ठंड, पंद्रह नवंबर के बाद पड सकती है ठंड

भोपाल। जम्मू कश्मीर के आसपास बने पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर हवाओं का प्रभाव मध्यप्रदेश में नहीं पड़ने के चलते राजधानी भोपाल सहित प्रदेश भर में ठंड का असर कम है, लेकिन पंद्रह नवंबर के बाद इसमें इजाफा की संभावना जतायी जा रही है। मौसम विज्ञान केन्द्र भोपाल के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ एच एस पांडेय ने आज यहां यूनीवार्ता को बताया कि जम्मू कश्मीर के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है तथा हवाओं का रुख भी बदला हुआ है। इस समय दक्षिण पूर्वी हवाएं चल रही हैं तथा उत्तरी हवाओं का प्रभाव कम है, जिसके कारण ठंड का प्रभाव प्रदेश भर में कम है। उन्होंने बताया कि यह पश्चिमी विक्षोभ अभी कुछ दिन और रहेगा और पंद्रह नवंबर के आसपास मौसम साफ हो सकता है, जिसके बाद प्रदेश में ठंड में इजाफा होने की संभावना है। डॉ पांडेय ने बताया कि पिछले चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश में मौसम आमतौर पर शुष्क रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान में सभी संभागों के जिलों में विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। रीवा, शहड़ोल, उज्जैन और ग्वालियर संभागों के जिलों में सामान्य से अधिक तथा शेष संभागों के जिलों में सामान्य रहा। इस बीच सबसे कम न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस मंडला में रिकार्ड किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ पांडेय ने बताया कि अगले चौबीस घंटों के दौरान प्रदेश में मौसम के शुष्क रहने आसार हैं। वहीं अगले 48 से 72 घंटों के दौरान भी इसमें विशेष परिवर्तन नहीं होगा। राजधानी भोपाल तथा उसके आसपास के क्षेत्र में मौसम पर शुष्क रहा। दिन भर धूप खिली रही। सुबह और शाम में हल्की ठंड रही। अपने चौबीस घंटों के दौरान भी मौसम के शुष्क रहने के आसार हैं।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भिंड। मध्यप्रदेश के भिंड जिले के गोरमी थाना क्षेत्र के सीताराम की लावन में आज एक युवती ने अपने घर के अंदर दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस सूत्रों के अनुसार सीताराम की लावन में रहने वाली 20 वर्षीय मालती ने घर के अंदर दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। युवती ने सुबह के समय घर के अंदर खाना बनाया और सभी को खिलाया। इसके बाद सभी परिजन खेतों पर काम के लिए चले गए। दोपहर के समय जब परिवार के सदस्य खेतों से लौटे तो उन्हें घर की कुंदी बंद मिली। परिवार के सदस्यों ने जब अंदर देखा तो मालती फंदे पर झूलती दिखी। परिवार के सदस्यों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवती के शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के उपरांत शव को परिजनों को सौप दिया।

कांग्रेस की खुद कोई गारंटी नहीं, उनकी गारंटी कौन मानेगा

हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)। केंद्रीय सूचना प्रसारण,खेल एवं युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस की ओर से जनता को दी जा रही गारंटियों को झूठा बताते हुए कहा कि इस पार्टी की खुद कोई गारंटी नहीं है तो उनकी कौन गारंटी मानेगा।

ठाकुर ने शनिवार को चिंतपूर्णी और नादौन विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान कई जनसभाओं को संबोधित किया।

कांग्रेस की आज की दशा पर चुटकी लेने के अंदाज में उन्होंने कहा कि वह कई बार कांग्रेस की हालत पर मन ही मन सोचने को मजबूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा, आज कांग्रेस में 'न नेता है, न नीयत है, न नीतियां' हैं। मुख्यमंत्री के पद की बात करें तो ऐसा लगता है कि एक अनार, सौ बीमार। राज्य के 12 जिलों में 12 अलग-अलग लोग मुख्यमंत्री बनते फिर रहे हैं। हर कोई अपनी सीट इसलिए निकालना चाहता

है कि बस मैं ही अगला मुख्यमंत्री बनूंगा।

उन्होंने कहा, वर्ष 2003 में कांग्रेस ने आपसे फॉर्म भरवाए और कहा कि हर परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी मिलेगी। मिली क्या ? नहीं मिली। वर्ष 2012 में फिर से फॉर्म लेकर आए और कहा कि बेरोजगारी भत्ता मिलेगा। मिला ? नहीं मिला। न रोजगार दिया, न बेरोजगारी भत्ता दिया।

उन्होंने कहा कि यह केवल हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस की कहानी नहीं है बल्कि पंजाब में भी सरकार बनाने से पहले इन्होंने पर्चे भरवाए थे कि किसानों के कर्ज माफ करेंगे लेकिन ऐसा नहीं किया गया और फिर किसानों ने कांग्रेस को माफ नहीं, साफ करने का ही काम किया।।

ठाकुर ने अपनी जनसभाओं में केंद्र में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के मामलों का स्मरण करते हुए कहा, वर्ष 2014 से पहले के कांग्रेस के 10 सालों के शासनकाल में घोटाले पर घोटाले थे। 2जी घोटाला, 3 प्रतिशत घोटाला, कॉमनवेल्थ घोटाला, कोयला घोटाला, अंतरिक्ष घोटाला, सबमरीन घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला।

उन्होंने कहा, हमने 2014 में आपसे वादा किया था कि सत्ता में आएंगे तो भ्रष्टाचार मुक्त शासन देंगे, सुशासन युक्त सरकार देंगे। आज मैं सीना ठोककर, सिर ऊंचा करके और आंखों में आंखें डालकर कह सकता हूं कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन अगर किसी ने दिया है तो नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने दिया है।

सरदारशहर उपचुनाव के लिए चुनावी सरगर्मियां शुरु

जयपुर। राजस्थान में चुरु जिले के सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में आगामी पांच दिसम्बर को उपचुनाव कराने की घोषणा के बाद चुनावी सरगर्मियां शुरु हो गई हैं और अगले वर्ष विधानसभा चुनाव के मद्देनजर यह उपचुनाव काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

उपचुनाव की घोषणा के बाद सत्तारुढ़ कांग्रेस, विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सहित अन्य दल इसे लेकर सक्रिय हो गए हैं। हालांकि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर दोनों प्रमुख दल पहले से ही चुनाव को लेकर तैयारियां शुरु कर चुके हैं और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस उपचुनाव के लिए पूरी तरह तैयार बताते हुए इसमें कांग्रेस के जीतने का दावा भी किया है। उधर राष्ट्रीय लोकतांत्रितक पार्टी (रालोपा) के संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने चुरु में मीडिया से बातचीत में कहा कि पार्टी पूरे जोरशोर से यह चुनाव लड़ेगी।

प्रदेश में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के चार वर्ष में अब तक सात विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव हो चुके हैं और यह आठवें क्षेत्र सरदारशहर में आगामी पांच दिसम्बर को उपचुनाव होने जा रहा है जिस पर आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सभी की निगाहे टिकी हुई है। हालांकि पिछले चार साल में हुए सात विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव में सत्तारुढ़ कांग्रेस ने पांच जगहों पर सुजानगढ़, सहाड़ा, वल्लभनगर, मंडावा एवं धरियावद में जीत दर्ज करके यह साबित कर दिया था कि राज्य में कोई सत्ता विरोधी लहर नहीं है। जबकि इन उपचुनावों में प्रदेश का मुख्य विपक्ष भाजपा केवल राजसमंद उपचुनाव ही जीत सकी। प्रदेश में तीसरे विकल्प के रुप में उभरने का प्रयास कर रही राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) ने अपने गढ़ नागौर जिले के खींवसर में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए उपचुनाव जीता। अब सरदारशहर सीट पर उपचुनाव आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण हो गया है और जहां कांग्रेस, भाजपा, रालोपा इस उपचुनाव में पूरा दमखम दिखायेंगे वहीं पंजाब में सरकार बनने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) भी राजस्थान में अपनी जमीन तलाशना शुरु कर दिया है, ऐसे में यह उपचुनाव के काफी दिलचस्प होने की उम्मीद है।

कांग्रेस ने पिछले उपचुनाव में कई जगहों पर अपनी पार्टी के रहे विधायक के परिजनों को टिकट दिया और उन्हें सहानुभूति लहर का फायदा भी मिला और आगामी उपचुनाव में भी सरदारशहर से कांग्रेस पूर्व विधायक भंवर लाल शर्मा के पुत्र अनिल शर्मा को चुनाव मैदान में उतारकर सहानुभूति कार्ड खेल सकती है वहीं भाजपा पिछले विधानसभा चुनाव में प्रत्याशी रहे अशोक कुमार सहित अन्य किसी मजबूत उम्मीदवार को कांग्रेस के सामने उतारने का प्रयास करेगी।

पीडीपी नेता हक खान का इस्तीफा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री अब्दुल हक खान के पार्टी से इस्तीफा देने के बाद एक और झटका लगा है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री और पीडीपी के वरिष्ठ नेता 69 वर्षीय खान ने सक्रिय राजनीति से बाहर निकलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह यह कहना चाहेंगे कि उनका दिल वर्तमान में स्वास्थ्य कारणों और पारिवारिक मुद्दों के कारण किसी भी राजनीतिक माहौल को स्वीकार नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा,मैं फिलहाल पूरी तरह आराम करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, पिछले तीन वर्षों से मैं स्वास्थ्य, अन्य कारणों से राजनीतिक मामलों से बाहर हूं और मुझे राजनीति में अपने लिए कोई जगह नहीं मिली जहां मैं योगदान दे सकूं। उन्होंने कहा कि इन तीन वर्षों के दौरान वह सिर्फ मेरे मूल स्थान पर अपने लोगों के संपर्क में रहने और पार्टी के कार्यकर्ताओं को देखने के लिए सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल हो रहे थे। उन्होंने कहा,मैं लोलाब निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने मुझे बहुत प्यार दिया और मैंने भी एक विधायक और मंत्री के रूप में लोगों के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ काम किया तथा इसके लिए मैं अपने योगदान से बहुत संतुष्ट हूं। उन्होंने कहा भविष्य को लेकर अभी तक मेरी कोई योजना नहीं है। खान एक कश्मीरी राजनेता, वकील, और पीडीपी-भाजपा गठबंधन सरकार के तहत ग्रामीण विकास विभाग व पंचायती राज के पूर्व मंत्री हैं।

शार्ट न्यूज

इंद्रपुरी इलाके में पेड़ पर लटकी मिली युवक की लाश, हत्या या आत्महत्या? मची सनसनी

नई दिल्ली। दिल्ली में एक युवक की पेड़ से लटकती लाश मिलने के बाद सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि इंद्रपुरी इलाके में स्थित जंगल में एक पेड़ पर युवक की लटकती हुई लाश मिली है। युवक की हत्या हुई है या यह मामला आत्महत्या का है? अभी इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। जानकारी के मुताबिक, दोपहर के वक्त पुलिस को युवक की लाश पेड़ से लटकती हालत में मिली है। युवक द्वारा आत्महत्या की आशंका फिलहाल जताई जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। युवक की मौत को लेकर अभी आगे की कानूनी जांच की जा रही है। अभी मृतक युवक की पहचान भी नहीं हो सकी है। याद दिला दें कि इसी साल जून के महीने में प्रतिष्ठित संस्थान जेएनयू में एक शख्स का शव पेड़ से लटकता मिला था। यह शव जेएनयू के जंगल क्षेत्र से बरामद किया गया था। इससे पहले साउथ दिल्ली के एक पार्क में युवक की लाश पेड़ से लटकती मिली थी।

नोएडा में पुलिस-अपराधी मुठभेड़, चेन छिनने वालों ने वर्दी पर चलाई गोली; 2 पकड़ाए

नोएडा। नोएडा में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। चेन स्नेचिंग के दो आरोपियों के साथ नोएडा पुलिस की यह मुठभेड़ शनिवार-रविवार की रात बिसरख में हुआ। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किये गये दोनों आरोपियों का नाम मोहित और हिमांशु है। यह दोनों मेरठ और मुजफ्फरनगर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। नोएडा पुलिस ने बताया कि एक गुप्त सूचना मिलने के बाद नोएडा पुलिस ने सर्च और कॉर्डन ऑपरेशन चलाया। पुलिस ने बताया कि पकड़े गये आरोपी बिसरख में सक्रिय हैं। इसके बाद एसएचओ बिसरख और आउटपुट इंचार्ज गौर सिटी 2 ने अपराधियों को पकड़ने के लिए ऑपरेशन चलाया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी 12 अक्टूर को बिसरख थाना इलाके में हुई चेन-स्नैचिंग की घटना में शामिल थे। सेंट्रल नोएडा के एडीसीपी साद मिया खान ने कहा, 12 अक्टूबर को बिसरख पुलिस स्टेशन के पास चेन छिने जाने की घटना हुई। पुलिस की टीम लगातार इस मामले का पर्दाफाश करने में जुटी हुई थी। जिसके बाद मेरठ और मुजफ्फरपुर के रहने वाले दो लोग मोहित और हिमांशु का नाम सामने आया। पुलिस का कहना है कि एक अपराधी अभी फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

जानलेवा हमले में फरार आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। फेज-1 पुलिस ने जानलेवा हमले के आरोपी जितेंद्र सिंह को प्राधिकरण के मुख्य गेट के पास से गिरफ्तार किया है। हरौला निवासी जितेंद्र सिंह के पास से घटना में प्रयोग हुआ चाकू भी बरामद हुआ है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि रविवार सुबह नौ बजे के करीब बिशनपुरा के मुजम्मिल के ऊपर जितेंद्र सिंह ने चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। इसमें मुजम्मिल गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित और आरोपी छह माह पूर्व एक ही जगह पर सिलाई का काम करते थे। आरोपी का कहना है कि पीड़ित ने उसे दो जगह नौकरी से निकलवा दिया था। बदले की नियत से जितेंद्र ने रविवार सुबह पीड़ित पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पीड़ित का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है।

गहने चुराकर भागी घरेलू सहायिका गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-137 की पूर्वांचल रॉयल पार्क सोसाइटी निवासी 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला के घर से नगदी और गहने लेकर भागी घरेलू सहायिका ममता को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला ने वृद्धा के डेबिट कार्ड से 18 बार में 7.80 लाख रुपये निकाल भी निकाले थे। रुपये निकालने के मोबाइल पर आए मैसेज डिलीट कर दिए थे। पुलिस ने आरोपी महिला से 1.90 लाख रुपये और चोरी किए गए आभूषण बरामद किए हैं। सेक्टर-137 की पूर्वांचल रॉयल पार्क सोसाइटी निवासी गीतिका दयाल ने सेक्टर-142 थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि उनकी बुजुर्ग मां नीरजा नारायण बीमार हैं। उन्होंने पांच अगस्त को उनकी देखभाल के लिए एजेंसी के जरिये फतेहपुर के भौराजपुर गांव निवासी ममता को घरेलू सहा ?यिका के रूप में रखा था। घरेलू सहायिक दिवाली पर छुट्टी लेकर घर गई थी। इसी दौरान पता चला कि घर में रखे गहने गायब हैं। यह भी जानकारी मिली कि तीन माह में उनकी जानकारी के बगैर दो डेबिट कार्ड से 7.80 लाख रुपये निकाल लिए गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। रविवार को पुलिस ने ममता को एडवांट टावर के पास गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से सोने की हसली, दो जोड़े बुंदे, दो कंगन बरामद किए हैं।

लापता डॉक्टर का शव क्लीनिक के पीछे मिला

दनकौर। दनकौर स्टेशन पर प्रैक्टिस कर रहे डॉक्टर का शव रविवार दोपहर क्लीनिक के समीप मिला। वह तीन दिन से लापता थे। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जेवर क्षेत्र के थोरा गांव के निवासी डॉक्टर मुकेश शर्मा पिछले 20 साल से दनकौर स्टेशन के सामने निजी प्रैक्टिस कर रहे थे। वह तीन नवंबर को अचानक अपने क्लीनिक से गायब हो गए थे। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। दनकौर पुलिस ने रविवार की दोपहर डॉक्टर के बेटे की शिकायत पर चिकित्सक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की थी। चिकित्सक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई और सघनता से उनकी तलाश में जुट गई। पुलिस को दोपहर में डॉक्टर का शव क्लीनिक के पीछे कुछ ही दूरी पर झाड़ियों में पड़ा मिला। दनकौर कोतवाल राधा रमन सिंह ने बताया कि डॉक्टर के शव से बदबू आ रही थी। शरीर नीला पड़ा हुआ था। मुंह पर झाग के निशान थे। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल के नमूने लिए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण कर दनकौर पुलिस को इस संबंध में सघन जांच के निर्देश दिए हैं।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दादी-पोते की मौत

जेवर। जेवर टप्पल मार्ग पर जैन अस्पताल के पास रविवार को ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दादी और पोते की मौत हो गई। हादसे में बेटा घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर है। दादी अपने पोते का दवा दिलाने जा रही थी। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। जेवर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। गांव जाफराबाद निवासी पवन शर्मा रविवार को सुबह करीब 11 बजे अपनी माता हेमवती देवी 75 वर्ष और आठ वर्षीय बेटे चिराग को बाइक से लेकर जेवर के निजी अस्पताल में दवा दिलाने जा रहे थे। कस्बे के जैन अस्पताल के समीप पीछे से तेजगति से आ रहे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार तीनों लोग दूर जाकर गिर गए। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। तीनों घायलों को जेवर के निजी अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने दादी हेमवती और पोते चिराग को मृत घोषित कर दिया। बाइक चालक पवन शर्मा की हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सक उनका उपचार कर रहे हैं। कोतवाली प्रभारी अंजनी कुमार सिंह का कहना है कि ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी गई है।

नोएडा-ग्रेनो को आबोहवा में मामूली सुधार से मिली राहत

नोएडा। हवा की गति बढ़ने के साथ ही शनिवार को नोएडा और ग्रेटर नोएडा के वायु प्रदूषण में मामूली सुधार नजर आया। करीब चार दिन पूर्व सांस रोगियों को प्रदूषण से मामूली राहत मिली, लेकिन उसके बावजूद शहर की आबोहवा अभी भी बेहद खराब श्रेणी में है। शनिवार को नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 357 और ग्रेटर नोएडा का 312 दर्ज किया गया, जो सामान्य से छह गुना ज्यादा है। हालांकि, बीते दिन के मुकाबले नोएडा के एक्यूआई में 49 और ग्रेनो में 113 अंक की गिरावट दर्ज हुई हैं। नोएडा देश के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में छठे और ग्रेनो 20वें स्थान पर रहा। शनिवार को सुबह से ही मौसम साफ रहा। समय से ही सूर्यदेव ने दर्शन दिए, साथ ही हवा की गति तीन किलोमीटर प्रति घंटा रही। जोकि बीते दिनों एक से दो के बीच चल रही थी। वहीं, ग्रैप के चौथे चरण की सख्ती के बीच विभिन्न प्रतिबंधों से हवा की सेहत पर भी सकारात्मक असर पड़ना शुरू हो गया है।

कांग्रेस एम.सी.डी. बनाऐगी "मेरी चमकती दिल्ली, मेरी कांग्रेस वाली दिल्ली", शीला दीक्षित वाली दिल्ली

दिल्ली नगर निगम चुनाव जीतने के लिए हमें दिल्ली की जनता को भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों की विफलताओं को दिल्ली की जनता के सामने उजागर करना होगा : चौ0 अनिल कुमार

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार के नेतृत्व में आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दिल्ली नगर निगम चुनावों की तैयारियों को लेकर प्रदेश कार्यकारिणी, जिला अध्यक्षों एवं कॉआर्डिनेटरों, सेल एवं विभागों के चेयरमैनों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित बुलाई। बैठक में मौजूद सदस्यों ने निगम चुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए गंभीर चर्चा की।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली नगर निगम चुनाव 4 दिसम्बर होने का विगुल बच चुका है। दिल्ली कांग्रेस निगम का चुनाव प्रदूषित दिल्ली बनाम चमकती दिल्ली के नारे के साथ लड़ेगी, जिसके लिए कांग्रेस पार्टी ने रुपरेखा पूरी तरह तैयार कर ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी ने दिल्ली की हवा, पानी, शहर, समाज और राजनीति सभी को प्रदूषित कर दिया है, जिसको हमें दिल्ली के मतदाताओं के समक्ष उजागर करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एम.सी.डी. को मोस्ट करप्ट डिपार्टमेंट बना दिया है, एम.सी.डी. के कुप्रबंधन और गैर जिम्मेदाराना प्रशासनिक व्यवस्था के कारण राजधानी में मलेरियां, चिकुनगुनिया और डेंगू दिल्ली की पहचान बन चुकी है। कांग्रेस एम.सी.डी. को स्वच्छ, गंदगी मुक्त, चमकती दिल्ली के रुप में पहचान देगी।

चौ0 अनिल कुमार ने दिल्ली की जनता से अपील की कि भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनो आपसे वोट मांगेंगी, आपने भाजपा से 15 वर्षों के भ्रष्टाचार, दिल्ली में कूड़े के ढेरों और आम आदमी पार्टी से 8 वर्षों में दिल्ली को बेहाल करने का हिसाब मांगना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली में 15 वर्षों के शासन में दिल्ली का जो विकास किया था उसे आपको याद करके 4 दिसम्बर को कांग्रेस के उम्मीदवारों को वोट देना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दिल्ली को एक बार फिर बनाऐगी "मेरी चमकती दिल्ली, मेरी कांग्रेस वाली दिल्ली", शीला दीक्षित वाली दिल्ली। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली वालों का दिल जीता है अब दिल्ली भी जीतेंगे।

आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कांग्रेस का हाथ थामा

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में आज आम आदमी पाटी के प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों ने आज प्रदेश अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार से मुलाकात की और प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस पार्टी का हाथ थामा। प्रदेश अध्यक्ष ने का आम आदमी पार्टी के सभी पदाधिकारियों को कांग्रेस का पटका पहनाकर उन्हें कांग्रेस पार्टी में उनका स्वागत किया। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों में श्री प्रवीन कसाना, मामचंद गुप्ता, सुरजीत वर्मा, राम निवास मित्तल, तारीक सिंह वर्मा, अनिल रावत, अभीनव शर्मा, दीपक कुमार, दिपेश कसाना, अनिल रावत, हितेष, एम.एम. पटेल, प्रीतम सिंह, अनास खान, हरी राम यादव, नरेन्द्र सिंह डागर मुख्य रुप से शामिल थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मैं जानता हूँ कि भविष्य में आम आदमी पार्टी का दिल्ली में वजूद खत्म होने वाला है, आपका कांग्रेस पार्टी में शामिल होने मैं आपका अभिनन्दन करता है। मुझे विश्वास है आप निगम चुनावों कांग्रेस पार्टी उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए कर्मठता से कार्य करेंगे।

दिल्ली सरकार बन गई है घोटाला सरकार : बिधूड़ी

मीठापुर वार्ड में घर-घर जाकर किया सम्पर्क, लोगों ने किया गर्मजोशी से स्वागत

आनंद राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने रविवार को भाजपा के घर-घर सम्पर्क अभियान के अंतर्गत बदरपुर क्षेत्र के मीठापुर वार्ड के लोगों से मुलाकात की। मीठापुर के लोगों ने बड़ी गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया और नगर निगम चुनावों में भाजपा के समर्थन का वादा किया।

बिधूड़ी ने लोगों को बताया कि एक तरफ मोदी जी की सरकार दिल्ली के हर वर्ग के लिए काम कर रही है तो दूसरी तरफ केजरीवाल सरकार हर मोर्चे पर फेल हो रही है। मोदी जी ने हर बेघर को घर देने के संकल्प के तहत हाल ही में कालकाजी के झुग्गविासियों पक्के फ्लैट की चाबी सौंपी है। दिल्ली में प्रदूषण लोगों की जान के लिए आफत बना हुआ है। यह स्थिति तो तब है जब मोदी जी की सरकार ने ईस्टर्न-वेस्टर्न पेरिफेरियल वे बनाकर ट्रकों की एंट्री दिल्ली में रोकी है। सबसे बड़ा ईको पार्क और 12 डायवरसिटी पार्क बनाकर दिल्ली को लाइफलाइन दी जा रही है। धौला कुआं, नरेला और वसंत कुंज के फ्लाई ओवर भी दिल्ली को सुगमता देने के साथ-साथ जाम और प्रदूषण से राहत देते हैं। दूसरी तरफ दिल्ली सरकार प्रदूषण रोकने के लिए जमीन पर कोई काम करने की बजाय सिर्फ प्रचार में ही प्रदूषण कम करने के वादे करती रही। पंजाब से आने वाली पराली को रोकने के लिए एक तिनका भी टेढ़ा नहीं किया गया।

बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार आकंठ भ्रष्टाचार में डूब चुकी है। अब तो ठगी के आरोप में जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने खुलेआम आरोप लगा दिया है कि केजरीवाल ने सत्येंद्र जैन के साथ उससे मुलाकात की थी और कैलाश गहलोत के फार्म हाउस में उससे 50 करोड़ रुपए लिए गए थे। केजरीवाल ने इस आरोप का खंडन नहीं किया है। शराब घोटाला, स्कूल कमरों का घोटाला, डीटीसी बसों में खरीद का घोटाला और जल बोर्ड घोटाला पहले ही सामने आ चुका है। दिल्ली की जनता अब इस घोटाला सरकार को और बर्दाश्त करने के लिए तैयार नहीं है।

जनता ने भी बिधूड़ी के साथ भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ जबरदस्त उत्साह दिखाया और मोदी जी के जिन्दाबाद के नारे लगाए।

इंजीनियर से ठगे 9.55 लाख

नोएडा। साइबर ठगों द्वारा खुद को मुबंई कस्टम विभाग के अधिकारी बताकर शहर के एक इंजीनियर से 9.55 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक को उसके नाम से भेजे गए पार्सल में ड्रग और विदेशी मुद्रा पकड़े जाने का झांसा देकर अपना शिकार बनाया है। फिलहाल मामले में शिकायत के आधार पर सेक्टर-58 कोतवाली पुलिस ने धोखाधड़ी व आईटीएक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मामले में दो नामजद आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज हुई है, जिनके बारे में पता लगाया जा रहा है। पीड़ित रिचर्ड मार्टिन सेक्टर-62 रजत विहार में रहते हैं, वह शहर की एक कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर हैं। रिचर्ड ने बताया कि कुछ दिन पहले उनके फोन पर लैंड लाइन नंबर से कॉल आया। कॉल पर उनकी दो लोगों से बात हुई। आरोपियों ने उनका नाम उदय शिरसत और राजेश वागले बताया। आरोपियों ने इंजीनियर को कॉल कर कहा कि वह मुबंई कस्टम विभाग में अफसर हैं। उनके पास विदेश से एक पार्सल आया है, जिसमें विदेशी मुद्रा और ड्रग हैं। साथ ही एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो उन्हें जानता है। इसके लिए उन्हें पूछताछ के लिए मुंबई बुलाया जा सकता है। पीड़ित को डारने के लिए आरोपियों ने कहा कि इसके लिए उनके नाम से समन भी जारी कर दिया गया है। साथ ही आरोपियों ने पीड़ित को कुछ बैंक डिटेल्स भेजी। कहा कि इस खाते में 9.55 लाख रुपए भेज दें, यह खाता आरबीआई का गुप्त मनी लॉन्ड्रिंग सत्यापन खाता है। यदि निर्दोष होंगे, तो 20 मिनट में सत्यापन के बाद पूरी रकम वापस कर दी जाएगी। अगले दिन आरोपियों ने पीड़ित को दोबारा कॉल किया, कहा कि उनके परिवार को खतरा हैं, उनके ऊपर ड्रग तस्करी का जो चार्ज लगा है, वह उसे हटवा देंगे।

प्रदूषण से बचाव और जन जागरूकता के लिए सांसद मनोज तिवारी ने एन-95 मास्क बांटे

नई दिल्ली। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने आज दिल्ली में निरंतर बढ़ रहे प्रदूषण से बचाव और जन जागरूकता के लिए कनॉट प्लेस स्थित पालिका बाजार मेट्रो स्टेशन के बाहर एन-95 मस्क का वितरण किया इस अवसर पर भाजपा नेता नीलकांत बक्शी वीरेंद्र खंडेलवाल विकास त्यागी सहित कई पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। मास्क वितरण के लिए जागरूकता अभियान चलाने के पश्चात उपस्थित पत्रकारों से बात करते हुए सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि मुझे अच्छी तरह पता है कि मैं दिल्ली के दो करोड़ लोगों को मास्क वितरित नहीं कर सकता लेकिन जहां मैं अभी मास्क वितरण कर रहा हूं वहां का प्रदूषण स्तर बहुत अधिक है और मेरी कोशिश है कि लोगों को यह एहसास कराया जाए कि जब तक दिल्ली में प्रदूषण उच्च स्तर पर है हम सबको मास्क लगाना चाहिए उन्होंने कहा कि डेंगू मलेरिया जैसी महामारी के फैलने का एहसास हमें होता है लेकिन प्रदूषण का प्रभाव धीरे-धीरे जानलेवा हो जाता है और जब तक लोगों को पता लगता है तब तक देर हो चुकी होती है इसलिए इस अभियान के तहत हम लोगों को जागरूक करना चाहते हैं कि जब तक प्रदूषण का स्तर अधिक है हमें मास्क लगाना चाहिए और अपने प्राणों की रक्षा करना चाहिए क्योंकि सरकार प्रदूषण की रोकथाम के लिए गंभीर नहीं है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के सभी 250 वार्डों में हर घर संपर्क अभियान का 'सुपर संडे' मनाया

हर घर संपर्क अभियान में लोगों का मिल रहा है भारी समर्थन : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता के नेतृत्व में आज भाजपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के सभी 250 वार्डों में हर घर संपर्क अभियान का 'सुपर संडे' मनाया।

दिल्ली भाजपा के महामंत्री और संपर्क अभियान संयोजक श्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुष्यंत गौतम ने नवीन शाहदरा जिले के सुंदर नगरी एवं नंद नगरी क्षेत्र में, राष्ट्रीय मंत्री एवं दिल्ली की सह-प्रभारी डॉ अलका गुर्जर ने अमर कॉलोनी एवं श्रीनिवासपुरी क्षेत्र में, प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने हौज खास एवं कोटला मुबारकपुर में, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मीठापुर में, सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने पालम में, प्रदेश चुनाव प्रबंधन समिति अध्यक्ष श्री आशीष सूद ने जनकपुरी वेस्ट में, प्रदेश महामंत्री श्री हर्ष मल्होत्रा ने नवीन शहादरा में, प्रदेश महामंत्री श्री कुलजीत सिंह चहल ने साउथ एक्स एवं प्रीत विहार में और सभी जिला अध्यक्ष एवं मंडल अध्यक्षों आदि नेताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क किया।

जनसंपर्क अभियान के दौरान श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की भ्रष्ट और निकम्मी सरकार के कारण दिल्ली एक गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री पहले कहा करते थे कि पंजाब में पराली जलने के कारण दिल्ली में प्रदूषण होता है और वो पंजाब में सरकार बनाते ही इसको ठीक कर देंगे, लेकिन अब तो पंजाब में भी उनकी सरकार को 8 महीने हो गए हैं, लेकिन दिल्ली में सांस की बीमारी के कारण लगभग हर घर में लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि ये सरकार ईमानदारी-ईमानदारी जपते हुए दिल्ली में सत्ता में आई थी, लेकिन अब कहीं शराब घोटाला कर रही है, कहीं कर्मचारी घोटाला कर रही है। हालत ये है कि इनके लोग जो भी काम करते हैं, उसमें सिर्फ भ्रष्टाचार करते हैं। ये सिर्फ प्रचार पर काम ही करते हैं।

दुष्यंत गौतम ने मोदी सरकार की नीतियों पर बोलते हुए कहा कि आज सारा भारत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की केंद्रीय योजनाओं का लाभ उठा रहा है, लेकिन दिल्ली में एक ऐसी सरकार बैठी है जिसने केंद्र सरकार के योजनाओं को भी रोक दिया है। उन्होंने कहा कि अगर केजरीवाल सरकार दिल्ली की जनता के लिए ना कोई योजना लेकर आते हैं और ना ही उन्हें कोई योजना का लाभ उठाने देते हैं। आज प्रदेश की जनता दिल्ली की सत्ता केजरीवाल जैसे नेता के हाथ में देकर पछता रही है और नगर निगम चुनाव में उन्हें सबक सिखाएगी।

डॉ अलका गुर्जर ने कहा कि आज दिल्ली की जनता प्रदूषण की समस्या से त्रस्त है और उसे सरकार से राहत कार्य की उम्मीद है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल दिल्ली की जनता के पैसे से गुजरात में चुनाव अभियान चलाने में व्यस्त हैं। दिल्ली सरकार आज भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई है और इन सब के चलते दिल्ली की जनता आम आदमी पार्टी को नगर निगम चुनाव में हराएगी।

थाने से भाग रहे आरोपी की वाहन से टकरा कर मौत

नई दिल्ली। ऑटो में महिला से गंदी हरकत कर भाग रहे ऑटो चालक की सड़क हादसे में मौत हो गई। आरोपी को दिल्ली के सिविल लाइन्स थाने इलाके में महिला से छेड़छाड़ के आरोप में लाया गया था। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी कि थाने में आने के बाद ऑटो चालक वहां से भागने की कोशिश करने लगा। इस दौरान सड़क पर उसकी टक्कर एक भारी वाहन से हो गई और इस हादसे में उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान राहुल के तौर पर हुई है। राहुल मजनू का टीला इलाके का रहने वाला बताया जा रहा है।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (नॉर्थ), सागर सिंह काल्सी ने कहा कि शनिवार की रात करीब 11 बजकर 15 मिनट पर 40 साल की एक महिला सिविल लाइन्स थाने में पहुंची।

उन्होंने ऑटो चालकर राहुल पर आरोप लगाया कि राहुल ने उनके साथ छेड़खानी की है। इसके बाद कॉन्स्टेबल राकेश, प्रेम और नरेश विधानसभा मेट्रो स्टेशन गए जहां उन्हें यह ऑटोचालक मिला। ऑटो चालक उस वक्त नशे की हालत में था। पुलिसकर्मियों ने ऑटो चालक को उनके साथ चलने के लिए कहा।

थाने में पहुंचने के बाद राहुल अपना ऑटो थाने के बाहर पार्क कर रहा था। उस वक्त शिकायतकर्ता काफी आक्रोशित हो गईं। थाने में मौजूद स्टाफ ने महिला को शांत कराने की कोशिश की। इस दौरान राहुल थाने की गेट पर से भाग गया लेकिन फिर सड़क पर एक अज्ञात वाहन से टकरा कर उसकी मौत हो गई।

महिला की शिकायत पर धारा 354 और 509 के तहत केस दर्ज किया गया था। इसके अलावा उसपर धार 279 और 304ए के तहत उस वाहन चालक पर केस दर्ज किया गया जिसकी चपेट में आने से राहुल की मौत हुई थी।

नोएडा एक्सप्रेस-वे पर चलती बस में लगी आग

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेस-वे पर एक ट्रैवलर बस में आग लग गई। आग लगने से बस धू-धू कर जलने लगी। हादसे के वक्त बस में कुल 18 लोग बैठे थे। सबने बस से कूद कर जान बचाई। यह घटना रविवार दोपहर 12 बजे के आसपास की बताई जा रही है। सोशल मीडिया पर आग लगी बस का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बस धू-धू कर जल रही है। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि आग लगने के 20 मिनट के अंदर फायर ब्रिगेड की टीमें पहुंच गई। 20 मिनट तक ट्रैवलर बस आग का गोला बना रहा। बस में आग लगने की वजह से नोएडा एक्सप्रेस-वे की ट्रैफिक भी कुछ देर तक बाधित रही। पुलिस ने बताया कि 18 सीटर ट्रैवलर बस नोएडा सेक्टर 37 की ओर जा रही थी। पंचशील अंडरपास पहुंचते ही बस के इंजन से धुआं निकलने लगा। बस के ड्राइवर ने आग लगते ही इसकी जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस लाइन में स्मार्ट क्लास शुरू

नोएडा। वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन ने रविवार को पुलिस लाइन की लाइब्रेरी में एक्स्ट्रामार्क्स लर्निंग ऐप के जरिये प्रतियोगी परीक्षा और कक्षा 1-12 तक की फ्री स्मार्ट क्लास शुरू की। इसमें एक साथ 90 बच्चों के पढ़ने का इंतजाम है। वामा सारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन की गौतमबुद्धनगर यूनिट की अध्यक्षा आकांक्षा सिंह ने यह शुरुआत की। स्मार्ट क्लास में उपस्थित सभी बच्चों व उनके साथ आए अभिभावकों को आकांक्षा सिंह के साथ अपने अनुभव साझा किए। अध्यक्ष ने कहा कि जीवन में नियम बनाकर आगे बढ़ने, पढ़ाई मन लगाकर करने, पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक विकास के लिए व्यायाम/योग भी जरूरी है।

गौतस्करों के चंगुल से गौरक्षा दल की टीम सातों दिन 24 घंटे मुस्तैद

प्राणों की परवाह किए बिना कर रहे गौतस्करों का सामना, गायों का रेस्क्यू कर, गौतस्करों को किया पुलिस के हवाले, अब तक सैकड़ों गायों को किया बंधन से मुक्त

कपिल शर्मा /गौरवशाली भारत

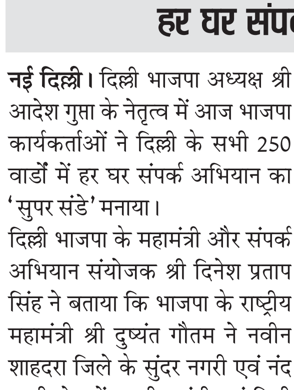

नाँगल चौधरी। विधानसभा क्षेत्र स्थित नेशनल हाईवे 148बी के कुछ ही दूरी पर बनी बाबा मुकुंद दास गौशाला परिसर में गौ-रक्षा दल द्वारा गायों के सरंक्षण में अपना अहम योगदान दिया गया है। गौरवशाली भारत को जानकारी देते हुए नवनीत दहिया, नगीना सिंह शनि मंदिर समक्ष बताया कि, उनकी टीम द्वारा गायों के रेस्क्यू के लिए सातों दिन 24 घंटे मुस्तैद है। उन्होंने कहा कि, टीम ने अब तक सैकड़ों गायों को गौतस्करों के बंधन से मुक्त करवाया है। वह और उनकी टीम के अथक प्रयासों से गौतस्करों की कड़ी चौकसी के साथ-साथ मिली गोपनीय सूचना के आधार पर गाँवों के कच्चे रास्ते और हाइवे से मिलने वाली सड़कों पर पैनी नज़र बनाए रखते हैं।

नगीना सिंह ने कहा कि, गौ-रक्षा दल प्रधान और उनकी टीम द्वारा समर्पण भाव से गायों के लिए जीवन दाँव पर लगाया हुआ है। गौतस्करों द्वारा उनकी टीम पर जानलेवा हमले और पथराव के बीच से गुजरते हुए गायों की रक्षा के लिए उनकी टीम सदैव आगे रही है। गौतस्कर सर्दियों की रात में गायों को गाड़ियों में भरकर गाँवो के रास्तों से गुजरते हैं। टीम के द्वारा रोकने और नाकेबंदी करने पर गौतस्कर उनकी टीम पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास करते हैं। लेकिन, फिर भी वह हार नहीं मानते और अपनी जान की परवाह किए बिना गौ-रक्षा दल की टीम गायों का रेस्क्यू करती है और गौतस्करों को पुलिस के हवाले करती है।

देशभर में फैली कोरोना महामारी से लेकर लंपी वायरस की सुरक्षा को मद्दे नज़र रखते हुए गौ-रक्षा दल द्वारा सड़कों पर बेसहारा गायों की सुरक्षा दायित्व टीम ने संभाला हुआ है। उन्होंने कहा कि, यदि कोई गाय किसी बिमारी से पीड़ित है या किसी चोट से जख्मी होती है तो हमारी टीम गाय के इलाज के लिए निस्वार्थ भाव से गौ-सेवा में अग्रदूत रही है। गायों की सुरक्षा संबधित और सहायता के लिए 8168944740, 7988644381 उन्होंने नंबर भी उपलब्ध कराए। गौरवशाली भारत को मिली जानकारी अनुसार गौ-रक्षा दल में गायों की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहने वाले प्रधान नवनीत दहिया, नगीना सिंह, मोंटू सैन, आशु ठाकुर, अरुण गुर्जर, मुखा उस्ताज, लीलू भार्गव, विक्रम गुर्जर, मनोज लुजोता, रोताश लुजोता, राकेश ठाकुर, मन्नू शर्मा, सचिन सैनी, टिंकू ठाकुर, रॉकी नारनौल ,बंटी सैनी, धर्मेंद्र पहलवान, सुनिल भार्गव, अंकित सैनी समेत अन्य गौ-रक्षा दल सदस्य शामिल हैं।

4 गौरवशाली भारत
संपादकीय
नई दिल्ली
सोमवार 07 नवंबर 2022
Www.gauravshalibharat.com

संपादकीय

क्या अब जजों की नियुक्ति सरकार करेगी?

केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि देश के लोग कॉलेजियम सिस्टम से खुश नहीं हैं और संविधान की भावना के मुताबिक जजों की नियुक्ति करना सरकार का काम है।

केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने जजों की नियुक्ति के लिए मौजूदा कॉलेजियम व्यवस्था पर तंज कसा है। उन्होंने कहा है कि जजों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट की मौजूदा कॉलेजियम प्रणाली पारदर्शी नहीं है। वैसे ये कोई पहली दफा नहीं है जब कानून मंत्री की तरफ से सार्वजनिक रूप से इस तरह का बयान सामने आया हो। इससे पहले बीते महीने एक कार्यक्रम में केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा था कि देश के लोग कॉलेजियम सिस्टम से खुश नहीं हैं और संविधान की भावना के मुताबिक जजों की नियुक्ति करना सरकार का काम है। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में बोलते हुए केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कॉलेजियम प्रणाली अपारदर्शी है और कई न्यायाधीश ऐसा ही मानते हैं। उन्होंने कहा कि व्यवस्था से संतुष्ट न होने के बावजूद उन्हें तब तक इसके साथ काम करना होगा जब तक सरकार वैकल्पिक तंत्र नहीं ला देती।

रिजिजू ने कहा कि मैं न्यायपालिका या न्यायाधीशों के बारे में आलोचनात्मक नहीं हूं, लेकिन मैं एक तथ्य बताता हूं जो भारत के आम लोगों की सोच का प्रतिबिंब है। कॉलेजियम प्रणाली अपारदर्शी है और जवाबदेह नहीं है। न्यायाधीश और वकील भी ऐसा मानते हैं। इससे पहले अक्टूबर में पांच सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम में औपचारिक बैठक के बजाय एक लिखित नोट के माध्यम से शीर्ष अदालत में चार नए न्यायाधीशों की सिफारिश करने के प्रस्ताव के खिलाफ, भारत के मुख्य न्यायाधीश यू यू ललित को अपने रुख पर पुनर्विचार की मांग फिर से लिखा गया था। सीजेआई ललित एक महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जिससे उनके पास नियुक्तियों के लिए बहुत कम समय बचा है। परंपरा के अनुसार, सरकार निवर्तमान सीजेआई को उनकी सेवानिवृत्ति से पहले लिखती है और सीजेआई सेवानिवृत्ति से लगभग एक महीने पहले उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश के नाम की सिफारिश करता है। एक बार नए नाम की सिफारिश के बाद, मौजूदा सीजेआई आमतौर पर न्यायाधीशों की नियुक्ति पर निर्णय लेने से परहेज करते हैं।

कानून मंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को खारिज करने के बाद, सरकार अन्य कदम उठा सकती थी, लेकिन उसने शीर्ष अदालत के फैसले का सम्मान किया और वैकल्पिक तरीकों को खोजने के लिए तुरंत कार्रवाई नहीं की। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं था कि सरकार हमेशा के लिए चुप हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि सबसे योग्य व्यक्तियों को न्यायाधीशों के रूप में पदोन्नत किया जाना चाहिए क्योंकि कॉलेजियम के न्यायाधीश केवल उन्हें ही नियुक्त करेंगे जो उन्हें जानते हैं। 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम को रद्द कर दिया, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि बेहतर विकल्प क्या है। लेकिन उन्हें लगा कि पुरानी कॉलेजियम व्यवस्था जारी रहनी चाहिए, लेकिन मैं व्यवस्था से संतुष्ट नहीं हूं। उन्होंने अन्य देशों के न्यायाधीशों की तुलना में प्रतिदिन लगभग 30-50 मामलों की सुनवाई सहित उनके द्वारा किए जाने वाले कार्य की मात्रा के लिए भारत में न्यायाधीशों की सराहना की और कहा कि उन्हें ब्रेक की आवश्यकता होती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि न्यायाधीशों को, हालांकि, न्यायनिर्णयन कार्य में अधिक शामिल होना चाहिए, जो उनसे करने की अपेक्षा की जाती है, इसके बजाय, कॉलेजियम में वरिष्ठ न्यायाधीशों का अधिकांश समय न्यायिक नियुक्तियों में व्यतीत होता है।

सशक्त कानून की आवश्यकता

देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती हैं की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह प्रश्न यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरुआत यहीं से होती है ।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है। भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलत: मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं लगभग हाशिए पर हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं हैं जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दर्शाता है। भारत की नारी अपनी स्त्री होने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती। भारतीय समाज अभी भी स्त्रियों को मान्य रुप से बराबरी का दर्जा नहीं दे पाया है। वह अभी भी स्त्री को अबला एवं विज्ञापन का एक अच्छा जरिया मानता है, स्त्रियों को आज भी पुरुष विहीन समाज किसी भी तरह ग्राह्य एवं मान्य नहीं है। भारतीय संदर्भ में नई स्त्री की कल्पना वास्तव में महिलाओं के लिए एक मिथक तथा मृग मरीचिका के रूप में है। स्त्री उत्थान विमर्श के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक होगा की हर समाज की अपनी वैचारिक विशेषता, संस्कृति एवं सीमाएं होती हैं। नारी सशक्तिकरण की जितनी भी अवधारणाएं और नियम कानून बने हैं, वह सब पश्चिम से अनुसरण करके बनाए गए हैं, ऐसे में भारतीय दलित स्त्री की वैचारिकी क्या हो सकती है, इसकी संकल्पना भारतीय नारी ही कर सकती है। भारत की नई स्त्री वह होगी जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो, एवं स्वतंत्रत विचारों के अधिकार से अच्छी तरह वाकिफ एवं जानकार हो। कस्बाई तथा झोपड़पट्टी में रहने वाली स्त्रियों को जहां भारत में शिक्षा का अभाव है, ऐसे में उनके लिए जागरूकता लाना अभी भी एक टेढ़ी खीर तथा एक बड़े अभियान चलाने जैसी बात होगी। भारत में जहां 35त्न स्त्रियां साक्षर नहीं है, ऐसे में नई स्त्री की परिकल्पना केवल पश्चिमी देशों में ही की जा सकती है। भारत में स्वतंत्रता संग्राम से स्त्रियों की सहभागिता रही है, उसके उपरांत पंचायती चुनाव में महिला आरक्षण, संरक्षण, शिक्षा तथा रोजगार में बढ़ती सहभागिता नौकरी पेशा स्त्रियों का मातृत्व सुविधा कार्य के लिए समान वेतन का संघर्ष भारत में स्त्री बेचारी की मानसिकता को सशक्त करते हैं। भारत में नारी सशक्तिकरण एवं नारी समानता के उदाहरण चिकित्सा, तकनीकी, विधि विधाई, शिक्षा जगत, सेना तथा सरकारी नौकरी में दिखाई तो देते हैं, पर यह स्त्रियों की संख्या उनकी जनसंख्या के अनुपात में अत्यंत ही न्यून है। भारत में स्त्री समानता के लिए भारतीय समाज, सरकार, राजनेताओं, चिंतकों को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण न कर भारत की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तथा धार्मिक पृष्ठभूमि को देखकर उसके अनुरूप स्त्रियों के विकास तथा सशक्तिकरण एवं समानता के लिए सशक्त योजनाएं बनाकर उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी है।

हिन्दुत्ववाद की राजनीति में भाजपा से प्रतिस्पर्धा आसान नहीं

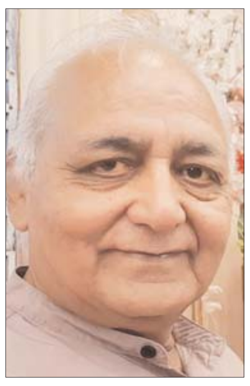

तनवीर जाफ़री

जिस दौर में भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस को मुसलमानों का तुष्टीकरण करने वाली पार्टी के रूप में प्रचारित कर हिन्दुत्ववाद की अपनी राजनीति का और अधिक विस्तार किया था उस समय शायद राहुल गाँधी के सलाहकारों ने उन्हें भी सलाह दे डाली थी कि वे भी स्वयं को हिन्दू हितैषी यहां तक की जनेऊधारी हिन्दू प्रचारित करें। तभी राहुल गांधी ने 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राज्य के 20 से अधिक मंदिरों का दौरा भी किया था। 2017 में छिड़ी सॉफ़्ट बनाम हार्ड लाइन हिंदुत्व की बहस के बीच तत्कालीन केंद्रीय मंत्री स्वश अरुण जेटली ने राहुल गांधी के मंदिर-मंदिर जाने के इन प्रयासों पर तंज़ कसते हुये कहा था कि- बीजेपी को हमेशा से हिंदुत्व की समर्थक पार्टी के तौर पर देखा जाता रहा है। यदि कोई हमारी नक़ल करना चाहता है तो हमें कोई शिकायत नहीं है। लेकिन राजनीति का एक बेसिक सिद्धांत रहा है, यदि असली उपलब्ध है तो कोई क्लोन पर भरोसा क्यों करेगा। उनकी पार्टी की जड़ें %हिंदुत्व% में रही हैं, लेकिन हिंदू धर्म में हाल में आस्था में रखने वाले लोग एक क्लोन की तरह हैं।% उसी दौरान जब राहुल गांधी सोमनाथ मंदिर गए तो मंदिर प्रबंधकों द्वारा उनका नाम ग़ैर-हिंदुओं के नाम वाले रजिस्टर में दर्ज किया गया था। इसके बाद उपजे विवाद पर भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला बोला था और उनसे अपने धर्म को लेकर स्थिति स्पष्ट करने को कहा था। तभी कांग्रेस को यहां तक सफ़ाई देनी पड़ी थी कि राहुल गांधी जनेऊ धारी हिंदू हैं। स्वयं राहुल गांधी को यह भी बताना व जताना पड़ा कि वे शिव भक्त परिवार से आते हैं। परन्तु स्वयं को हिन्दू जताने के राहुल के प्रयासों का कोई भी फ़र्क़ कांग्रेस या राहुल गांधी की राजनीति पर पड़ता नज़र नहीं आया और आख़िरकार उन्हें कांग्रेस की मूल गांधीवादी विचारधारा पर ही क़ायम रहते हुये भारत जोड़ो % यात्रा जैसी कठिन परन्तु कारगर राह अख़्तियार करनी पड़ी।

इसी बात को इन उदाहरणों के माध्यम से भी समझा जा सकता है कि जब असम के वर्तमान मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में गये तो वहां जाने के बाद उन्होंने कांग्रेस की गांधीवादी विचारधारा को तिलांजलि दे दी और स्वयं को खांटी व उग्र हिंदुत्ववादी नेता के रूप में ढाल लिया। इसका मक़सद केवल यही है कि उनकी मुख्यमंत्री की कुर्सी सलामत रहे और उनपर भाजपा ही नहीं बल्कि आर एस एस की भी नज़र-ए-इनायत बनी रहे। अब भी वे समय समय पर कांग्रेस व नेहरू गांधी परिवार पर हमलावर होकर भाजपा के प्रति अपनी वफ़ादारी का सुबूत देने के लिये मजबूर रहते हैं। यही स्थिति आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुये दिल्ली के नेता कपिल मिश्रा की भी है। आप पार्टी में रहते हुये भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सख़्त शब्दों में हमलावर होने के उनके कई वीडिओ अभी भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। परन्तु भाजपा में शामिल होते ही उन्होंने न केवल हिंदुत्ववादी बल्कि फ़ायर ब्रांड हिंदुत्ववादी नेता के रूप में स्वयं को स्थापित कर लिया है। आज देश में कहीं भी साम्प्रदायिकता की चिंगारी धधकती है उस समय कपिल मिश्रा वहां चिंगारी को हवा देने पहुँच जाते हैं। ऐसे और भी अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि इस समय भारतीय जनता पार्टी देश में हिन्दुत्ववाद की राजनीति करने का एकमात्र प्लेटफ़ॉर्म बन चुकी है।

क्या ऐसे में आम आदमी पार्टी के नेता अरविन्द केजरीवाल का हिन्दुत्ववाद की राजनीति का सहारा लेने की कोशिश करना उन्हें भाजपा के मुक़ाबले में खड़ा कर पायेगी ? आख़िर आई आई टी से शिक्षित होने के बावजूद उन्हें बाक़ायदा प्रेस कॉन्फ़्रेंस कर यह कहने की ज़रुरत क्यों महसूस हुई कि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है. डॉलर के मुक़ाबले रुपया रोज़ कमज़ोर होता जा रहा है। अत:यदि देवी-देवताओं का आशीर्वाद हो तो प्रयासों का फल मिलने लगता है। साथ ही उन्होंने कहा कि हर महीने छपने वाले नए नोटों में महात्मा गांधी के साथ गणेश और लक्ष्मी की तस्वीरें छापने की व्यवस्था कर दी जाए। अपनी इस मांग के समर्थन में उन्होंने इंडोनेशिया का हवाला देते हुये यह भी कहा कि इंडोनेशिया एक मुस्लिम देश होने तथा वहां हिंदुओं की आबादी दो प्रतिशत होने के बावजूद वहां की करेंसी में गणेश की तस्वीर है। हालांकि उनका इंडोनेशिया का उदाहरण ग़लत साबित हुआ। केजरीवाल ने भारतीय करेंसी पर महात्मा गांधी के साथ गणेश और लक्ष्मी की तस्वीरें छापने की मांग सम्बन्धी पत्र भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिख डाला। परन्तु लगता है कि केजरीवाल की यह मांग शायद उन्हें हिंदुत्ववादी चोला तो नहीं पहना सकी हाँ बैक फ़ायर ज़रूर कर गयी। क्योंकि देश के अनेक साधू संतों,अखाड़ों व अनेक हिन्दू धार्मिक संगठनों ने केजरीवाल की इस मांग पर यह कहते हुये आपत्ति जताई कि जिस करेंसी का मांस-मदिरा और अनेक अनैतिक कार्यों में आवागमन होता रहता हो उस पर गणेश-लक्ष्मी क्या किसी भी देवी देवता के चित्र नहीं छापे जा सकते।

सिख कौन है ? किन श्रद्धालुओं को मिलाकर, 'सिख पंथ/धर्म' बनता है ?

ठाकुर दलीप सिंह जी

सतगुरु नानक देव जी पर श्रद्धा रखने वाला प्रत्येक प्राणी 'सिख' है, क्योंकि 'सिखी' श्रद्धा से है ; मेरे प्रभि सरधा भगति मनि भावे (महला 1) 7 जिस सर्प ने गुरु जी पर छाया की थी, वह भी सिख था ।सभी गुरु नानक नाम लेवा (नानक पंथियों) को मिलाकर ही सम्पूर्ण सिख पंथ बनता है।सिख पंथ, केवल अमृतधारी खालसे ही नहीं, जबकि अमृतधारी खालसे (खालसा पंथ) तो सम्पूर्ण सिख पंथ का एक श्रेष्ठ अंग है। भाई कन्हैया, भाई नंदलाल , दीवान टोडर मल आदि सिख; दसवें पातशाह जी के समय भी अमृतधारी नहीं थे लेकिन वो भी महान सिख थे । आज जो भी हिन्दू, मुसलमान, जैन, बौद्ध आदि गुरु जी पर श्रद्धा रखते हैं, वो सभी नानकपंथी हैं और सिख (शिष्य / मुरीद) है ।क्योंकि , गुरु जी ने कभी कोई अलग पंथ/धर्म नहीं बनाया और न ही उन्होंने कभी यह वचन दिया : मैं यह अलग से नया पंथ बना रहा हूँ, इसका नाम सिख (अ) होगा ।

यदि गुरु जी ने अपना नया अलग पंथ बनाकर उसको सिख नाम दिया होता तो मुसलमानों के बड़े - बड़े पीर : जैसे साईं मियां मीर, पीर बुद्धु शाह आदि ; कभी भी गुरु जी के श्रद्धालु न बनते ।यदि गुरु जी ने अलग से नया पंथ बनाया होता, तो पीर भीखन शाह दो कुज्जियों के स्थान पर, तीन कुज्जियाँ ले कर आता। लेकिन गुरु जी ने अपना अलगाव- अलग धर्म, अलग पंथ कभी बनाया ही नहीं ।गुरु जी ने तो चमत्कार/ दैविक शक्तियाँ दिखाईं और साँझा शुभ उपदेश दिया, तभी -लामे , हिन्दू , मुसलमान, बौद्ध आदि सभी सतगुरु नानक देव जी के श्रद्धालु सेवक बने। इसलिए प्रत्येक गुरु नानक नाम लेवा श्रद्धालु 'सिख' है ।जो भी सतगुरु नानक देव जी को मानता / श्रद्धा रखता है और उनके गद्दी नशीन गुरु साहिबानों को मानता है ; चाहे वह एक को माने या अधिक को माने ; वह मनुष्य अपने उसी विश्वास व श्रद्धा के साथ ही सिख / शिष्य / मुरीद है। जैसे : मुसलमान , धीरमलिए, रामराईए, सहजधारी, नामधारी आदि।

गुरु नानक पंथियों को, वे जिस विश्वास से भी सतगुरु नानक देव जी व उनके गद्दी नशीन गुरु साहिबानों को मानते हैं , उन श्रद्धालुओं को, उसी रूप में नानक पंथी होने के कारण

सिख स्वीकार करना उचित है ।जैसे उदासी : सतगुरु नानक देव जी के उपरांत बाबा श्री चन्द जी को , रामराईए : बाबा राम राए जी को और नामधारी: सतगुरु राम सिंह जी को मानते हैं। इसी तरह अन्य संप्रदायों की भी अपनी - अपनी मान्यताएं व विश्वास हैं, उनके विश्वास को उसी तरह ही स्वीकार कर लेना चाहिए और किसी भी संप्रदाय को अपने विश्वास व मान्यताएं , दूसरी संप्रदाय पर थोपने नहीं चाहिए ।यदि हम इस उत्तम व विशाल सोच को अपना लें, तो सभी गुरु नानक पंथियों को मिलाकर सिख पंथ की गिनती 50 करोड़ से भी अधिक हो जायेगी। (क्योंकि बहुत से हिन्दू कहलाये जाने भाई, सतगुरु नानक देव जी को मानते हैं)

क्योंकि, सतगुरु नानक देव जी की रंग - बिरंगी फुलवारी के रंग - बिरंगे फूल ; कई सम्प्रदाओं के रूप में हैं । कुछ गुरु नानक नाम लेवा सम्प्रदायों के नाम निम्नलिखित हैं , परन्तु सभी नहीं मिले

1) उदासी 2) सिन्धी 3) धीरमलिए 4) रामराईए 5) सति करतारिए 6) हिंदालिए 7) हीरा दासिए 8) नामधारी 9) निरंकारी 10) निहंग 11) बंदई 12) निर्मले 13) सेवा पंथी 14) गहिर गम्भीरिए 15) नीलधारी 16) अकाली 17) भगतपंथी 18) सिकलीगर 19) सतनामी 20) जौहरी 21) अफगानी 22) मरदाने के 23) असामी 24) लामे 25) वनजारे 26) अगरहारी 27) सहजधारी आदि ।

विशेष : इन सम्प्रदाओं की मान्यताएं, बाहरी स्वरुप और परंपराएं अपनी-अपनी, अलग-अलग हैं ।उस अंतर व विलक्षणता के कारण ही सतगुरु नानक देव जी की फुलवाड़ी रंग-बिरंगी है। उस रंग-बिरंगी फुलवाड़ी को रंग-बिरंगी ही रखने की आवश्यकता है ।

(*अ) संस्कृति के शिष्य शब्द से पंजाबी का शब्द सिख बना है ।गुरु जी के शिष्य / सिख होने के कारण हमारा सिख नाम प्रचलित हो गया है ।जोकि सही है, इस नाम का उपयोग करना उचित है। आज विश्व भर में सिख नाम वाले धर्म / पंथ का बहुत यश है ।

इस बार पाकिस्तान सरकार और फौज, दोनों के खिलाफ गुस्सा नजर आ रहा है

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

हत्या की इस नाकाम कोशिश का नतीजा यह हुआ है कि पाकिस्तान के शहरों और गांव-गांव में सरकार के विरुद्ध लोग सड़कों पर उतर आए हैं और यह असंभव नहीं कि पाकिस्तान में लगभग गृह युद्ध की स्थिति बन जाए और मौत की कई खबरें और आने लगें।

पाकिस्तान की राजनीति अब एक तूफानी दौर में प्रवेश कर रही है। इमरान खान पर हुए जानलेवा हमले ने शाहबाज शरीफ की सरकार के खिलाफ उसी तरह का गुस्सा पैदा कर दिया है, जैसा कि 2007 में बेनजीर भुट्टो की हत्या के समय हुआ था। मुझे लगता है कि इस वक्त का गुस्सा उस गुस्से से भी अधिक भयंकर है, क्योंकि उस समय पाकिस्तान में जनरल मुशर्रफ की फौजी सरकार थी लेकिन इस वक्त सरकार मुस्लिम लीग (नवाज़) के नेता शाहबाज शरीफ की है।

इमरान ने शाहबाज शरीफ, उनके गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह और आईएसआई के उच्चाधिकारी फैजल नसीर पर इस षड़यंत्र का इल्जाम लगाया है। शाहबाज के गृहमंत्री और उनके कई पार्टी नेताओं ने इमरान को बलूचिस्तान की मिर्ची जेल में डालने का इरादा जताया था और इमरान तथा उनकी पार्टी के नेताओं ने यह आशंका भी व्यक्त की थी कि इस रैली के दौरान इमरान की हत्या भी हो सकती है।

हत्या की इस नाकाम कोशिश का नतीजा यह हुआ है कि पाकिस्तान के शहरों और गांव-गांव में सरकार के विरुद्ध लोग सड़कों पर उतर आए हैं और यह असंभव नहीं कि पाकिस्तान में लगभग गृह युद्ध की स्थिति बन जाए और मौत की कई खबरें और आने लगें। शाहबाज-सरकार की सिर्फ भर्त्सना ही नहीं हो रही है, लोग खुले-आम पाकिस्तान की फौज को भी कोस रहे हैं। यह पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार हो रहा है। यों भी इमरान के सवाल पर पाकिस्तान की फौज भी दो-फाड़ हो गई है। ऊँचे अफसर जनरल कमर बाजवा की हाँ में हाँ मिला रहे हैं और शेष अफसर व जवान इमरान का पक्ष ले रहे हैं।

यदि फौज इमरान और शाहबाज के बीच वैसा ही समझौता नहीं करवा सकी, जैसा कि 1993 में राष्ट्रपति गुलाम इशाक खान और तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ के बीच सेनापति जनरल वहीद कक्कड़ ने करवाया था और तुरंत चुनाव नहीं हुए तो हो सकता है कि पाकिस्तान की राजनीति से फौज का वर्चस्व सदा के लिए खत्म हो जाए। यदि ऐसा हो गया तो भारत और पाकिस्तान के संबंधों को मधुर होने में जरा भी देर नहीं लगेगी।

मुझे तो आश्चर्य है कि भारत सरकार अब तक गूंगी क्यों बनी हुई है ? उसने इमरान पर हुए हमले की तत्काल भर्त्सना क्यों नहीं की ? अमेरिका, चीन, तुर्की, सउदी अरब तथा अन्य दर्जनों देशों के शीर्ष नेताओं ने कल शाम को ही बयान जारी कर दिए थे। जाहिर है कि पाकिस्तान की फौज और विरोधी नेता अब इमरान को प्रधानमंत्री बनने से रोक नहीं सकते। अब चुनाव जब भी होंगे, मुझे विश्वास है कि इमरान अपूर्व और प्रचंड बहुमत से जीतेंगे।

पाकिस्तान में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में इमरान और उनकी सहयोगी पार्टियों ने सत्तारुढ़ दलों का लगभग सफाया कर दिया था और खुद इमरान सात सीटों पर लड़े, उनमें से छह सीटों पर जीत गए। इस समय पाकिस्तान के सबसे बड़े प्रांत पंजाब में और पठानों के पख्तूनख्वाह में इमरानभक्तों की सरकारें बनी हुई हैं। सिंध में पीपीपी की भुट्टो-सरकार है लेकिन कुछ पता नहीं कि इस जानलेवा हमले के बाद बेनजीर के बेटे बिलावल भुट्टो और पति आसिफ जरदारी का रवैया शाहबाज शरीफ के साथ टिके रहने का बना रहेगा या बदलेगा ? फौज ने दोनों को सता रखा था। जब वे दोनों कट्टर विरोधी मिल सकते थे तो बिलावल और इमरान क्यों नहीं मिल सकते ?

कवि कोना 'कवि अमित अल्प'

विरह - वियोग - व्याकुलता
विरह के विकल गीत
न जाने क्यूं मेरे हिस्से लिख गए
तड़प और दर्द के किस्से
न जाने क्यूं मेरे हिस्से लिख गए
छोड़ कर जाना था तुम्हें तो चले जाते
ये नागवार इल्ज़ाम-ए- बेवफ़ा
न जाने क्यूं मेरे हिस्से लिख गए

आओ जल संरक्षण कर अपनी प्रतिबद्धता निभाएं

जीवन को प्रभावित करने वाले पहलुओं में सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षित पेयजल है - जलवायु परिवर्तन के इस नाजुक दौर में जल को प्रबंधित करना ज़रूरी - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से हर देश त्रस्त है, क्योंकि इन कुदरती त्रसदियों को रोक पाने की तकनीकी का इजाद अभी तक मानवीय बौद्धिक क्षमता ने नहीं किया है। हालांकि इन प्राकृतिक त्रासदियों के मूल रूप से जवाबदार भी हम मानवीय प्राणी ही हैं, क्योंकि हमने इस खूबसूरत सृष्टि के प्राकृतिक संसाधनों को काफी हद तक नुकसान पहुंचाकर नष्ट करनेका काम हम मनीषियों ने ही किया है। इसलिए इन संसाधनों को बचाने के लिए उपाय भी हमें ही करने होंगे ताकि आगे चलकर त्रासदी की विभिशक्ता से बचा जा सके। हालांकि मानवीय जीवन को प्रभावित करने वाले पहलू इस प्रकृति में अनेक हैं परंतु चूंकि 1 से 5 नवंबर 2022 तक ग्रेटर नोएडा यूपी में सातवां पांच दिवसीय भारतीय जल सप्ताह 2022 सफलतापूर्वक आयोजित किया गया जिसमें जल संसाधनों के संरक्षण और उनके एकीकृत उपयोग के प्रयासों के प्रति जागरूक किया गया, जिसमें वैश्विक स्तरके निर्णय निर्धारकों शोधकर्ताओं उद्यमियोंराजनीतिज्ञों द्वारा आपस में मंथन किया गया और उनकी राय जानी गई। इसकी थीम सतत विकास और समानता के लिए जल सुरक्षा थी जिसकी दुनिया के जल विशेषज्ञों योजनाकारों हितधारकों को एक मंच पर लाया गया जिसमें डेनमार्क सिंगापुर फिनलैंड शामिल हुए अनेक संगोष्ठीयों, पैनल चर्चाएं, प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया जिसका दूरगामी सकारात्मक परिणाम जल संरक्षण और सुरक्षा हमें देखने को मिलेगी इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे - जल अमृत है, जल ही औषधि है।आओ जल संरक्षण कर अपनी प्रतिबद्धता निभाए। साथियों बात अगर हम भारत जल सप्ताह 2022 के 5 नवंबर 2022 को समापन पर माननीय उपराष्ट्रपति के संबोधन की करें तो उन्होंने कहा कि यह समापन समारोह संकल्प की शुरुआत है। दुनिया भर के लोगों का यहां आना, इस विषय पर चर्चा-चिंतन करना और समाधान का रास्ता दिखाना बड़ी उपलब्धि है। जल हमारी प्राचीन संस्कृति से जुड़ा हुआ है। ऋग्वेद में व्याख्या की गई है कि जल ही अमृत है, जल ही औषधि है। सुरक्षित पेयजल तक पहुंच न केवल जीवन के लिए आवश्यक है बल्कि इसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य और सामाजिक स्थिति पर पड़ता है। जल जीवन मिशन की सफलता के लिए हमें क्वालिटी, क्वांटिटी, और कम्युनिटी पर फोकस करना होगा।कार्यक्रम में आयोजक मंत्रालय (जल शक्ति) के मंत्री ने कहा कि जल संरक्षण में जो कुछ हमने हासिल किया है, वह सबके लिए है। हम सब साथ में सोच विचार करें ताकि सभी जीवन सुगम हो। पानी की चुनौती हम सबके समक्ष है।भारत जैसे अनेक देश विकास की दौड़ में हैं, जिनके लिए यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। जल सप्ताह-2022 के दौरान जल के भंडारण और सबको समान रूप से जलप्रदाय को लेकर मंथन किया गया है। हमारे उपयोग में किस प्रकार का दृष्टिकोण होना चाहिए, यह महत्वपूर्ण है। भारत में जल व स्वच्छता के मामले में पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम हो रहा है और देश एक रोल मॉडल के रूप में उभर रहा हैं। पीएम के नेतृत्व में गति व समयबद्धता के साथ लक्ष्य पूर्ति के लिए तत्परता से काम किया गया है।

साथियों बात अगर हम भारत जल सप्ताह के उद्घाटन समारोह में माननीया राष्ट्रपति के संबोधन की करें तो उन्होंने कहा,कि बढ़ती आबादी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना आने वाले वर्षों में एक बड़ी चुनौती होगी। पानी का मुद्दा बहुआयामी और जटिल है, जिसके लिए सभी हितधारकों को प्रयास करने चाहिए। हम सभी जानते हैं कि पानी सीमित है और केवल इसका उचित उपयोग और पुन उपयोग ही इस संसाधन को लंबे समय तक बनाए रख सकता है। इसलिए, हम सभी को इस संसाधन का सावधानीपूर्वक इस्तेमाल करने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने लोगों से इसके दुरुपयोग के बारे में जागरूक होने और दूसरों को जल संरक्षण के बारे में जागरूक करने का भी आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस 7 वें जल सप्ताह के दौरान विचार-मंथन के परिणाम इस पृथ्वी और मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्तकरेंगे।

उन्होंने आम लोगों, किसानों, उद्योगपतियों और विशेषकर बच्चों से जल संरक्षण को अपनी नैतिकता का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इसी तरह हम आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित कल का तोहफा दे पाएंगे। उन्होंने कहा कि पानी का मुद्दा न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रासंगिक है ।यह मुद्दा राष्ट्रीयसुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है क्योंकि उपलब्ध मीठे पानी की विशाल मात्रा दो या दो से अधिक देशों के बीच फैली हुई है। इसलिए, यह संयुक्त जल संसाधन एक ऐसा मुद्दा है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि 7 वें भारत जल सप्ताह में डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, इज़राइल और यूरोपीय संघ भाग लिया हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस मंच पर विचारों और प्रौद्योगिकियों के आदान-प्रदान से सभी लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना करना असंभव है। भारतीय सभ्यता में जल जीवन में ही नहीं जीवन के बाद की यात्रा में भी महत्वपूर्ण है। इसलिए सभी जल स्त्रोतों को पवित्र माना जाता है। लेकिन फिलहाल स्थिति पर नजर डालें तो यह चिंताजनक लगती है। बढ़ती आबादी के कारण हमारी नदियों और जलाशयों की हालत बिगड़ रही है, गांव के तालाब सूख रहे हैं और कई स्थानीय नदियां विलुप्त हो गई हैं। कृषि और उद्योगों में पानी काअत्यधिक दोहन किया जा रहा है।

सच है, विपत्ति जब आती है,

सच है, विपत्ति जब आती है,
कायर को ही दहलाती है,
सूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।

मुहँ से न कभी उफ़ कहते हैं,
संकट का चरण न गहते हैं,
जो आ पड़ता सब सहते हैं,
उद्योग-निरत नित रहते हैं,
शुलों का मूळ नसाते हैं,
बढ़ खुद विपत्ति पर छाते हैं।
है कौन विघ्न ऐसा जग में,
टिक सके आदमी के मग में ?
ख़म ठोंक ठेलता है जब नर
पर्वत के जाते पाव उखड़,
मानव जब जोर लगाता है,
पत्थर पानी बन जाता है।

गुन बड़े एक से एक प्रखर,
हैं छिपे मानवों के भीतर,
मेंहदी में जैसी लाली हो,
वर्तिका-बीच उजियाली हो,
बत्ती जो नहीं जलाता है,
रोशनी नहीं वह पाता है।

शार्ट न्यूज

सड़क पर पढ़ी गई नमाज

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में मस्जिद के बाहर सड़क पर बैठकर नमाज पढ़ी गई। एक व्यक्ति की शिकायत पर गाजियाबाद पुलिस ने इसकी जांच शुरू कर दी है। हिन्दू संगठन से जुड़े विकास तिवारी ने ट्विटर पर शिकायत करते हुए कहा कि खोड़ा के दीपक विहार में मस्जिद के बाहर कुछ लोग दरी बिछाकर नमाज पढ़ते हैं, जबकि मस्जिद खाली रहती है। विकास का कहना है कि कई बार पहले भी वो शिकायत कर चुके हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं हुई। उत्तर प्रदेश पुलिस ने ट्विटर पर ही गाजियाबाद पुलिस को जांच कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया है। इस पर गाजियाबाद पुलिस ने ट्वीट करके जवाब दिया है कि खोड़ा थाने की पुलिस के माध्यम से फोटो की तस्दीक कराई जा रही है। लोकल पुलिस स्टेशन का कहना है कि सबसे पहले ये जांच जरूरी है कि फोटो कब का है ? इसके बाद ये जांचना भी जरूरी होगा कि क्या वास्तव में अब भी सड़क पर ऐसी ही स्थिति है। फिर मस्जिद के प्रबंधकों से बातचीत करके इसका हल निकाला जाएगा। आपको बता दें कि सड़क पर नमाज को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार सख्त है। प्रदेश सरकार पहले ही कह चुकी है कि सड़कों पर नमाज नहीं होनी चाहिए। इसके लिए कई जिलों में बाकायदा अभियान चलाया गया। जामा मस्जिदों से अपील कराई गई कि लोग अपने-अपने इलाके की मस्जिदों के अंदर ही नमाज पढ़ें। इसका असर ये हुआ कि अब सड़क पर नमाज पढ़ने के मामलों में काफी कमी आई है।

मुसीबत में मदद के लिये समय पर पहुंच कर पुलिस को मिली खूब तारीफ

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा जिले में पुलिस के संवेदनशील कार्य व व्यवहार ने खाकी के प्रति लोगों की नकारात्मक सोच को बदलने में रविवार को अहम भूमिका निभाई। डायल 112 पर एक मासूम ने मदद की गुहार लगायी तो पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंच कर मुसीबत में फंसे परिवार का मदद पहुंचाकर जमकर तारीफ बटोरी। पुलिस उपाधीक्षक राम प्रवेश राय ने बताया कि महोबा सदर कोतवाली क्षेत्र में नैकानापुरा के निवासी राजू दुबे के 11 वर्षीय बेटे सार्थक दुबे ने घर में कई दिनों से एक बिल में बैठे सांप को निकालने के लिये रविवार को डायल 112 पर फोन करके पुलिस से मदद मांगी। तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची और सांप को बिल से निकालने का प्रयास किया। पीड़ित परिवार पिछले कुछ दिनों से एक बिल में घुसे सांप से भयभीत व परेशान था। सुनसान होने पर बिल से बाहर आकर सांप घर के आंगन में घूमता फिरता था। सांप के विचरण से सभी लोग बुरी तरह भयभीत थे और उनके सामान्य कामकाज में बाधा उत्पन्न हो रही थी। राय ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने सांप को बिल से निकाल कर पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस की काफी मशक्कत के बाद भी हालांकि सांप को पकड़ा नहीं जा सका, लेकिन पीड़ित परिवार की मदद करने में पुलिस की संवेदनशीलता की लोग काफी तारीफ कर रहे है।

दोदिनी होगा कौमुदी महोत्सव

सोनभद्र ! ऐतिहासिक पुरातात्विक सांस्कृतिक भूधरा सोनाञ्चलल की जो ख्यातिलब्ध है घोरावल परिक्षेत्र के नाम से, यहाँ द्विदिवसीय होगा इस बार कौमुदी महोत्सव जिसमें बेलनघाटी तटवर्ती भाग और देवी मंदिर मुख्या जलप्रपात पर जलेंगे 2151 दीप दसवें वर्ष में। मुख्या जलप्रपात देवी मंदिर और पूरे परिसर में इक्कीस सौ दीप देवदीपावली कार्तिक पूर्णिमा पर बिखेरेंगे आभामण्डल तो 51 दीप घी के देवीमन्दिर पर अर्पित किए जाएंगे। इस प्रकार ऐतिहासिक धार्मिक मुख्या जलप्रपात पर 2151 दीप ज्योतिर्मय होंगे 7 नवम्बर 2022 को। 8 नवम्बर 2022 को घोरावल नगर स्थित दशमी तालाब के तट पर व भगवान भोलेनाथ मंदिर प्रशाल में 5100 दीपक होंगे जाज्वल्यमान ।

दोनों जगहों पर आयोजित होगा दो अलग-अलग तिथियों में क्रमश: 7 व 8 नवम्बर को वृहत्तर स्वरूप में आयोजित होगा कौमुदी महोत्सव। सोन विंध्य गंगा सेवा संस्कृति संस्थान के अयोजकत्व में अध्यक्ष डॉ0 परमेश्वर दयाल पुष्कर, उपाध्यक्ष उदित लाल अग्रहरि, सालिक राम साहू, लवकुश कुमार उमर और परमेश्वर अग्रहरि रिंकू रहेंगे तथा प्रबन्धक का दायित्व राजीव कुमार राजू निर्वहन करेंगे।

भाई ने बहन और उसके प्रेमी को मार डाला

पहले पीटा फिर गला रेत दिया; खून से सना चाकू लेकर थाने पहुंचा

एजेंसी

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में ऑनर किलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां नाबालिग लड़की के भाई ने अपनी बहन और उसके प्रेमी को पहले पीटा। फिर दोनों की गला रेतकर हत्या कर दी। आरोपी भाई रविवार सुबह खून से सना चाकू लेकर थाने पहुंचा।

वहां पुलिस को बताया कि मैंने अपनी बहन और उसके प्रेमी की हत्या कर दी है। शव नाले में पड़ा है। हाथ में खून से सना चाकू देखकर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। सूचना पर एसपी समेत कई थानों की फोर्स पहुंच गई। घटना कमालगंज के गांव राजेपुर सरायमेदा की है।

16 साल की लड़की, 25 साल का लड़का

गांव की 16 साल की लड़की का अफेयर पड़ोस में रहने वाले 25 साल के राम करन जाटव से था। शनिवार रात करीब 10 बजे से लड़की घर में नहीं थी। परिजनों का शक हुआ तो वह उसकी तलाश करने लग गए। आस-

पास देखा, लेकिन वह नहीं मिली। प्रेमी राम करन भी घर पर नहीं था। लड़की का भाई नीतू और उसके परिजन दोनों की खोजबीन करने में जुट गए। इसके बाद आगे क्या हुआ, यह खुद आरोपी ने पुलिस को बताया।

2 बजे दोनों को पकड़ा, मारपीट के बाद गला रेत दिया

आरोपी भाई नीतू ने पुलिस को बताया, हम लोगों ने काफी देर तक तलाश की। करीब 2 बजे बहन और उसके प्रेमी राम करन को पकड़ लिया। पहले दोनों को पीटा। दोनों बेहोश हो गए तो उन्हें श्रृंगीरामपुर संयोगिता मार्ग पर लेकर पहुंचा। लगा कि दोनों अभी मरे नहीं हैं तो बेहोशी की हालत में ही दोनों का गला रेता और खंता नाले में फेंक दिया। आरोपी ने पुलिस से कहा कि आप मेरी खोजबीन करते उससे पहले ही मैं थाने पहुंच गया। सुबह 6 बजे पहुंचे आरोपी ने पुलिस को खुद घटना के बारे में बताते हुए जुर्म कबूल कर लिया।

7 किलोमीटर दूर ले जाकर की हत्या

पुलिस के मुताबिक, लड़की का काफी समय से राम करन से प्रेम प्रसंग चल रहा था। परिजनों को इसकी जानकारी थी।

शुक्रवार रात लड़की घर से गायब हो गई। रात करीब 2: 30 बजे परिजन ने गांव के बाहर लड़की को उसके प्रेमी राम करन के साथ पकड़ लिया। दोनों को बाइक से करीब 7 किलोमीटर ले गए। फिर गला रेतकर मार डाला। खंता नाले की झाड़ियों में दोनों के शव फेंक दिए।

दोनों शवों को खुद कराया बरामद

रविवार सुबह लड़की का भाई नीतू थाने पहुंचा। उसने पुलिस को हत्या किए जाने की जानकारी दी। पुलिस भी हैरान रह गई। तुरंत उसे हिरासत में लेकर पुलिस घटनास्थल पहुंची। वहां नाले की झाड़ियों से दोनों शवों को बरामद कर लिया। सूचना मिलने पर एसपी अशोक कुमार मीणा ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

युवक का पिता बोला- जबरिया उठा ले गए बेटा

मृतक राम करन के पिता महावीर ने बताया, रात लगभग 2 बजे के करीब युवती के पिता भैया लाल व उसका बेटा मेरे बेटे को जबरिया घर से उठा ले गए। जिसकी सूचना सुबह 6 बजे मैंने ग्राम प्रधान को दी।

कानपुर में रोडवेज़ बस पर महिला ने किया पथराव

मेरठ से यात्रियों को लेकर जा रही थी, जान बचाकर भागे पैसेंजर

मेरठ। कानपुर में रोडवेज़ बस पर पत्थर बाजी का मामला सामने आया है। शनिवार को रात 11 बजे मेरठ से कानपुर यात्रियों को लेकर बस जा रही थी। बस जैसे ही इंदिरा नगर मोड़ के पास रुकी, तो वहां सड़क किनारे खड़ी महिला से बस छू गई। इससे महिला को गुस्सा आ गया।

महिला ने बस चालक और कंडक्टर पर पत्थर मारने शुरू कर दिए। इतने पर भी महिला का गुस्सा शांत नहीं हुआ तो उसने बस में अंदर पत्थर मारने शुरू कर दिए। जिससे बस के शीशे टूट गए। बस में बैठे यात्री जान बचाकर भागने लगे।

दूसरी महिलाओं को भी बुलाया

बताया जा रहा है कि घटना के चंद कदम पर ही थाना है। इंदिरा नगर में जहां घटना हुई उसके पास अबोड़ा नामक बस्ती है। महिला इसी बस्ती की रहने वाली बताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि महिला ने पहले खुद बस पर पथराव किया, बाद में दूसरे लोगों को फोन कर बुला लिया।

थोड़ी देर में ही वहां बस्ती की दूसरी महिलाएं भी पहुंच गईं और बस पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने चालक और परिचालक से तहरीर लेकर महिला को छोड़ दिया।

सरकारी संपत्ति को पहुंचाई क्षति

मेरठ रोडवेज आरएम केके शर्मा का कहना है कि देर रात 2.30 बजे पुलिस ने शिकायत ली है। बस मेरठ से कानपुर के लिए सवारी लेकर गई थी। वहीं कानपुर में यह पथराव बस पर किया गया है। जो सरकारी संपत्ति की क्षति है। साथ ही सवारियों की जान से भी खिलवाड़ है। इस समय गंगा मेले के चलते बसों का संचालन सीमित है। पैसेंजर की ऑनलाइन बुकिंग के बाद ही बसें चला रहे हैं।

बहराइच में 2 तस्कर अरेस्ट, 72 लाख की ब्राउन शुगर बरामद

बहराइच। बहराइच जिले में शहर के डिगिहा तिराहे पर पुलिस ने रविवार सुबह दबिश देकर बाइक सवार दो मादक पदार्थ तस्करों को दबोच लिया। इन दोनों के पास से ब्राउन शुगर बरामद की गई है । जिसका अन्तरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 72 लाख आंकी गई है। केस दर्ज कर गिरफ्तार तस्करों को जेल भेज दिया गया है। एसएसपी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि दरगाह एसएचओ मनोज कुमार यादव को रविवार सुबह भनक लगी कि डिगिहा तिराहे के आसपास तस्करों की गतिविधियों को देखा गया है। तत्काल एएसपी सिटी कुंवर ज्ञानन्जय सिंह व सीओ सिटी डा. जंग बहादुर यादव के पर्यवेक्षण में एसएचओ की ओर से सालारगंज पुलिस चौकी प्रभारी नितिन उपाध्याय, जीजीआईसी चौकी प्रभारी दीवान असलम, मुख्य सिपाही दयाशंकर को दबिश को भेजा गया। पुलिस ने बाइक सवार दो युवकों को पकड़ा। पुलिस ने 72 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दरगाह थाने के मंसूरगंज निवासी शाबान व मन्ना उर्फ एखलाक अहमद को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस गिरफ्तार तस्करों से पूछताछ के बाद एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

उन्नाव में पेड़ से लटका मिला युवती का शव

उन्नाव। उन्नाव के बाबूखेड़ा गांव की रहने वाली युवती का शव नीम के पेड़ से लटका मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई। बाबूखेड़ा गांव के रहने वाले पुत्तन वर्मा की बेटी पूजा देवी घर में शाम खाना पीने होने के बाद शौच लिए खेत गई थी। उसके घर न पहुंचने पर परिजनों को आशंका हुई तो खोजबीन शुरू कर दी ।खोजबीन के दौरान पूजा का शव गांव के बाहर आलू के खेत में नीम के पेड़ की डाल से लटकता मिला। शव देख परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। घटना की सूचना प्रधान को दी गई।

निकाय चुनाव के लिए डाटा फीडिंग नहीं कर रहे 700 शिक्षकों का रुका वेतन

एजेंसी

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के जिलाधिकारी ने नगर निकाय चुनाव के लिए डाटा फीडिंग नहीं कर रहे 700 शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है।

जिला प्रशासन की ओर से रविवार को दी गयी जानकारी के मुताबिक जिले के 50 माध्यमिक और 20 संस्कृत विद्यालयों के लगभग 700 शिक्षक एवं कर्मचारियों के विरुद्ध वेतन रोकने की कार्रवाई की गयी है। कुशीनगर जिले में 55 वित्त पोषित और 20 संस्कृत विद्यालय संचालित होते हैं। नगर निकाय चुनाव में मतदान और मतगणना में बतौर कार्मिक ड्यूटी के लिए शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का डाटा फीडिंग कराने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से निर्देश दिया गया था।

कई बार के निर्देशों के बावजूद अभी तक जिले के केवल 05 माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी ने नगर निकाय चुनाव के लिए डाटा फीडिंग करा सके हैं। इसको गंभीरता से लेते हुए डीएम ने अभी तक डाटा फीडिंग नहीं कराने वाले सभी विद्यालयों के शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का वेतन डाटा फीडिंग होने तक रोक दिया गया है।

इस संबंध में डीआईओएस रविंद्र कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देश पर नगर निकाय चुनाव के लिए डाटा फीडिंग नहीं कराने वाले करीब 700 शिक्षक व अन्य कर्मचारियों का वेतन बाधित किया गया है। वेतन बाधित होने के बाद शनिवार को जिले के दस विद्यालयों की तरफ से डाटा फीडिंग करवाकर साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। इनका वेतन जारी करने का निर्देश दिया गया है।

बरेली : बुखार का कहर, 3 की मौत और दर्जनों बीमार

झोलाछाप डॉक्टरों से चल रहा इलाज

बरेली। बरेली के ट्यूलिया गांव में बुखार ने जोरदार हमला बोला है। जहां 3 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग बीमार हैं। आसपास के झोलाछाप से इलाज करा रहे हैं। कई मरीज घर में ही ग्लूकोज चढ़वा रहे हैं। लोगों में स्वास्थ्य विभाग के प्रति नाराजगी है।

बुखार के प्रकोप की सूचना देने के बाद भी इलाके में चिकित्सा शिविर नहीं लगाया गया है। यहां के समाजसेवी प्रेम पाल गंगवार ने बताया कि बीते कई दिनों से इलाके में बुखार का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। हर दूसरे

घर में बुखार का रोगी है। कई मरीज घरों में ही अपना इलाज करा रहे हैं। घर में झोलाछाप उनको ग्लूकोज की बोतल चढ़ा रहे हैं। यहां साफ-सफाई भी नहीं होती।

नवाबगंज के लाइखेड़ा गांव के प्रमोद कुमार की पत्नी कमलेश कुमारी गांव में आशा बहू के पद पर तैनात थीं। एक सप्ताह पूर्व उसे बुखार आने पर परिजनों ने कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था।

जहां शुक्रवार को उसकी हालत बिगड़ने पर डाक्टरो ने उसे बरेली रेफर कर दिया। शनिवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। इससे पूर्व कस्बे के दो अधिवक्ताओं और एक चिकित्सक समेत क्षेत्र 12 लोगों की बुखार से मौत हो चुकी है। जबकि सैकड़ों लोग बुखार की चपेट में हैं।

मृतका की रिपोर्ट में डेंगू की पुष्टि

बरेली के बिथरी में 3 दिन पहले मृत महिला को डेंगू था। शनिवार को उसकी एलाइजा जांच रिपोर्ट आ गई। उसे डेंगू संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिले में अब तक डेंगू संक्रमित दो मरीजों की मौत हो चुकी है जिनकी एलाइजा जांच रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आई है। शनिवार को स्वास्थ्य विभाग ने 26 लोगों की एलाइजा जांच की। सभी रिपोर्ट निगेटिव आई है। जिले में अब 207 डेंगू संक्रमित हैं।

झोलाछाप डॉक्टर ने घर में चलाया अस्पताल

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में दो दिन पहले लगातार मिल रही शिकायतों के बाद डीएम के आदेश पर झोलाछाप डाक्टर के प्राइवेट नर्सिंग होम को सील कर दिया गया था। लेकिन झोलाछाप ने अस्पताल के पड़ोस में एक खाली मकान किराए पर लेकर उसको अस्पताल का रूप दे दिया। डॉक्टर ने मरीजों को देखना शुरू किया तो फिर से शिकायतें स्वास्थ्य विभाग के पास पहुंचने लगीं। एसीएमओ ने पुलिस बल के साथ छापामारी कर मौके से झोलाछाप डाक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। भारी मात्रा में दवाएं बरामद की गई हैं। वहीं पुलिस का कहना है कि मरीजों के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुवायां क्षेत्र के बड़ा गांव स्थित झोलाछाप डाक्टर अजय कुमार कुमकुम के नाम से एक अस्पताल चलाते हैं। लगातार शिकायतें और किसान यूनियन के धरने के बाद डीएम के आदेश पर दो दिन पहले एसीएमओ रोहताश सिंह ने पुलिस बल के साथ जाकर अस्पताल को सील कर दिया था। उसके बाद भी डाक्टर अजय कुमार ने अपने मरीजों का इलाज करना बंद नहीं किया। डाक्टर ने अस्पताल के पड़ोस में एक खाली मकान किराए पर लिया। उस मकान को अस्पताल का रूप देना शुरू किया। मकान में कुर्सियां टेबल डालकर भारी मात्रा में दवाएं रख लीं। उसके बाद उस मकान में मरीजों का भी आना शुरू हो गया। अस्पताल सील होने के बाद डाक्टर के खाली मकान में इलाज करने की सूचना स्वास्थ्य विभाग को लग गई।

स्वस्थ और स्वच्छ गंगा के लिए सरकार अपना काम करे व समाज अपनी जिम्मेदारी समझे : गोविंदाचार्य

मिर्जापुर। राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन के संरक्षक, सुप्रसिद्ध विचारक के.एन. गोविंदाचार्य की गंगा संवाद यात्रा 18 दिन प्रात: 10 बजे मिर्जापुर से शुरु हुई। आज हुई लगभग 10 कि0मी0 लंबी यात्रा दहरू खुर्द गाँव, जरियनपुर गाँव, भगवानपुर गाँव होते हुए दोपहर में सरईया गाँव पहुंची, भोजन विश्राम के बाद शाम 4 बजे यात्रा सिंधा मझारा गाँव, खगिया नगला गाँव, रात्रि विश्राम पहाड़पुर गाँव पहुँची ।

के. एन. गोविंदाचार्य जी ने कहा जैसे हाथ की तीन नाड़ियाँ संपूर्ण मानव संरचना के स्वास्थ्य को बता देती है, वैसे गंगा जी अपने प्रभाव से संपूर्ण सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणय परिवेश की संरचना के लिए स्वभाव का पता देती है। गौ, गंगा भारत की निशानी हैं, वे किसी के साथ पक्षपात नहीं करती, चाहे कोई जात का हो, कोई संप्रदाय का हो, कोई भाषा का हो। गंगा जी जीवनदायिनी के रुप में सभी को जल प्रदान करती है और गाय अमृत रुपी दूध प्रदान करती है। यात्रा के माध्यम से हम जन-जागरण कर रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ी स्वस्थ एवं सुरक्षित रहे, इसलिए कोशिश कर रहे हैं कि गंगा प्रदूषण मुक्त हो, अविरल व निर्मल बहे। गाय तक दूध देती है तब तक किसान गाय को रखता है जब गाय हो बूढ़ी हो जाती है तब किसान द्वारा बूढ़ी गाय को सड़कों पर छोड़ना उचित नहीं है। गाय किसान के घर के खूंटे पर ही सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि सरकारों ने अब तक गंगा की सफाई पर आम जनता के हजारों करोड़ रुपये खर्च कर दिए हैं, इसके बावजूद अनेक स्थानों पर नालों से बिना शोधित हुए गंदा पानी गंगा में पहुंच रहा है। स्वस्थ व स्वच्छ गंगा के लिए सरकार अपना काम करे व समाज अपनी जिम्मेदारी समझे, हम सरकार की बात सरकार से व समाज की बात समाज से करने में विश्वास रखते हैं। यह यात्रा समाज की भूमिका व सक्रिय सहभाग के लिए प्रोत्साहित करने के निमित्त भी है।

ग्रामीणों विशेषकर महिलाओं ने शिकायत की कि गांव, कस्बों में सफाई की बड़ी समस्या है, बस्ती में सड़ ?क मार्ग टूटे-फूटे हैं और सरकार की ओर से इन कार्यों को नहीं किया जा रहा है जिससे बरसात में सब बह कर गंगा में चला जाता है। बूढ़ी-छोड़ी गाय खेती बरबाद करती है, उन्हें भगाने की कोशिश करते हैं तो गाय हिंसा पर उतारु हो जाती है । गंगा संवाद यात्रा के सहयात्री- राष्ट्रीय स्वाभिमान आंदोलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री गदाधर विद्रोही जी ,जीवकांत झा,साध्वी रेणुका जी, विवेक त्यागी, संजय शर्मा, सागर पाठक, अरविंद तिवारी(मंटू), विभा झा, निरंजना देवी, ललिता देवी, निधि झा, ललित साह, शम्भू कुमार, श्रीराम लोधी, रिंकू नामदेव, ऋषभ, उज्जवल , राजू झा, ललित झा, उपेंद्र तेवतिया, मोहन सिंह आदि सामिल है ।

बीच सड़क पर बहू ने बुजुर्ग सास को पटका

कासगंज। सोशल मीडिया पर एक मानवता को शर्मसार कर देने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि कैसे एक महिला बुजुर्ग महिला को डंडे से पीटती नजर आ रहा है। यहीं नहीं देखते ही देखते महिला की मां भी डंडा ले आती है और बुजुर्ग महिला पर टूट पड़ती है। घर के सामने जमीन पर पटक-पटकर कर बुजुर्ग महिला को मरणासन्न हालत में कर देती है। दोनों आपस में सास और बहू बताई जा रही हैं। बुजुर्ग महिला ने बचाने के लिए आसपास के लोगों से गुहार लगाई तो लोगों को रोकने के लिए बहू का भाई भी डंडा लेकर खड़ा हो गया। वह लोग सास को तब तक पीटने में लगे रहे, जब तक वह अधमरी हालत में नहीं पहुंच गई। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने बहू और उसकी मां को गिरफ्तार कर लिया है। बहू द्वारा सास को पीटने का वीडियो देखकर हर कोई दंग रह गया। पीड़ित महिला मीना देवी ने बताया कि उसके बेटे रोशन और बहू खुशबू में आपसी विवाद चल रहा है। विवाद के चलते बहू खुशबू अपने मायके जाकर रहने लगी। करीब डेढ़ महीने से बहू मायके में ही रह रही है। उन्होने बताया कि शनिवार दोपहर को वह आलू बीनने के लिए कोल्ड स्टोरेज पर पैदल जा रही थी। जैसे ही वह अपने बेटे की ससुराल वालों के घर के सामने से होकर गुजरी तो बाहर बहू खुशबू मिल गई और उससे कहासुनी करने लगी।

ए के शर्मा ने कहा संचारी रोगों से बचाव के लिए हर सम्भव कार्य करें निकाय

मंत्री ए के शर्मा ने की नगरीय निकाय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ रविवार की तड़के सुबह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से की समीक्षा बैठक

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए के शर्मा जी ने शहरों में मच्छर जनित बीमारियों, डेंगू के बढ़ते मामलों एवं संचारी रोग को देखते हुए सभी नगरीय निकायों के अधिकारियों के साथ आज वीडियो कांफ्रेंसिंग कर निर्देशित किया कि सभी निकाय नागरिकों को राहत देने के लिए तथा जनता की शिकायतों का समाधान करने के लिए अपने अपने मुख्यालय में डेडिकेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर शीघ्र स्थापित करें और स्वास्थ्य विभाग से समन्वय कर डेंगू, मलेरिया के मरीजों को जल्द से जल्द राहत पहुंचाएं तथा गंभीर मरीजों की स्वयं जाकर नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराएं और नियमित रूप से मरीजों का हालचाल जानने का प्रयास करें। घर में भी को मरीज इलाज करा रहे हैं, उनसे भी संपर्क बनाए रखे।

उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय में परिस्थितियां गंभीर न होने पाए तुरंत इसका समाधान निकालें। मॉनिटरिंग की कोविड जैसी व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने साफ-सफाई और बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करने को कहा। उन्होंने डेंगू, मलेरिया बुखार को फैलने से रोकने के लिए लगातार फागिंग करने,एंटी लार्वा का छिड़काव, जला मोबाइल का प्रयोग करने तथा जलभराव वाले स्थानों एवं

नाले नालियों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने नागरिकों की परेशानियों को देखते हुए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को छुट्टियों में भी कार्य करने के निर्देश दिए।

नगर विकास मंत्री श्री ए के शर्मा ने सभी नगर निगमों के नगर आयुक्तों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों, निदेशक नगरी निकाय श्रीमती नेहा शर्मा से वर्चुअल संवाद कर नगर सेवा पखवाड़ा अभियान को युद्धस्तर पर चलाने एवं संचारी रोग,मच्छर जनित बीमारियों डेंगू, चिकनगुनिया, सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के संबंध में निर्देश दिए।

श्री शर्मा ने प्रदेश की सभी 763 नगरीय निकायों के अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक कर लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए हाईटेक व्यवस्था पर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी निकाय अधिकारी छोटी-बड़ी सभी प्रकार की मशीनों का प्रयोग कर शीघ्र ही लोगों को डेंगू, चिकनगुनिया व संचारी रोग से मुक्ति दिलाएं। कहा कि नियमित रूप से ऐसे क्षेत्रों की जांच करते रहें, जहां कहीं पर भी इसकी संभावना हो, वहां तत्काल फागिंग कराएं, एंटी लार्वा का छिड़काव कराए, उन्होंने कहा कि सफाई नियमित रूप से कराई जाए, कहीं पर भी कूड़ा नहीं दिखना चाहिए, नाले नालियों की सफाई कराई जाए, जलभराव वाले स्थानों पर दवा का छिड़काव करें और जल निकासी का भी प्रबंध कराएं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या, प्रयागराज, मथुरा, वृंदावन, वाराणसी, तथा चित्रकूट एवं अन्य महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों पर डेंगू के रोगियों एवं इसके फैलाव पर विशेष सावधानी बरतें क्योंकि यहां पर तीर्थ यात्रियों का एवं बाहरी लोगों का आना जाना होता रहता है। समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष डेंगू के कम केस आए हैं और जहां पर भी ऐसे केस आ रहे हैं वहां पर विशेष सावधानी बरती जा रही है। वर्चुअल संवाद में सभी निकाय अधिकारियों के साथ 1000 से अधिक लोगों ने प्रतिभाग किया।

तद्पश्चात श्री ए के शर्मा जी ने दोपहर में लखनऊ के पिछड़े इलाकों-अर्जुनगंज और खुर्रमनगर परिक्षेत्र का घर-घर और गली-गली जाकर निरीक्षण कर जरूरी दिशानिर्देश दिए।

शार्ट न्यूज

सरकार ने 2022-23 में मिलों को 60 लाख टन चीनी निर्यात की दी अनुमति

नयी दिल्ली। सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान मिलो को 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी है और इसे तेजी से पूरा करने को भी कहा है। वाणिज्य मंत्रालय की रविवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि चीनी का निर्यात बढ़ने से चीनी मिलों की परिचालन लागत उनकी परिचालन पूंजी की लागत का बोझ है हल्का होगा। विज्ञप्ति के अनुसार चीनी की कीमतों और चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022 23 के दौरान 60 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी है। बयान में कहा गया है कि विदेश व्यापार महानिदेशालय ने चीनी के निर्यात को प्रतिबंधित श्रेणी में रखने के निर्णय को 31 अक्टूबर 2023 तक बढ़ाने की अधिसूचना पहले ही जारी कर दी है।

सर्राफा बाजार : सोना -चांदी में मजबूती

इंदौर। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में जोरदार मजबूती दर्ज की गई। इस दौरान सोना 450 रुपये व चांदी 1500 रुपये बढ़कर बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 51750 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 52100 रुपये प्रति दस ग्राम बोकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 58500 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 60000 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 52200 नीचे में 51450 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 60100 तथा नीचे 58400 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1680 डॉलर तथा चांदी 2080 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

इन्दौर. खाद्य तेल : मूंगफली तेल सस्ता, सोयाबीन रिफाइंड में तेजी तिलहन मजबूत

इंदौर। सप्ताहांत खाद्य तेलों में खरीदी से भाव मिश्रित रंगत लिए रहे। कारोबार में मूंगफली तेल सस्ता तथा सोयाबीन रिफाइंड ऊंचा बिका। तिलहनों में भाव ऊंचे बोले गए। कपास्या खली में मजबूती दर्ज की गई। कारोबार की शुरुआत में मूंगफली तेल 1620 से 1640 रुपये प्रति किलोग्राम खुला जो शनिवार को 1580 से 1600 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर बंद हुआ। सोयाबीन रिफाइंड 1315 से 1320 रुपये पर खुलकर 1410 से 1415 रुपये बिका। पाम तेल 1020 से 1025 रुपये खुलकर 1095 से 1100 होकर बंद हुआ। तिलहन जिन्सों में भाव मजबूत बताए गए। पशु आहार कपास्या खली में बढ़त दर्ज की गई।

इंदौर अनाज मंडी : तुअर, उड़द, मसूर में नरमी, दालों में घटबढ़

इंदौर। स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में मांग सुस्ती के कारण सप्ताहांत दलहन जिन्सों में तुअर, उड़द, मसूर के भाव नरमी लिए बताए गए। सप्ताहांत दालों में घटबढ़ दर्ज की गई। चावल में उठाव सुधार लिए बताया गया। सप्ताहांत चना कांटा 4850 से 4875 रुपये खुलने के बाद 4850 से 4900 रुपये होकर बंद हुआ। मूंग 7000 से 7500 रुपये पर खुलने के बाद नीचे में 6000 रुपये बिकी। हालांकि सप्ताहांत इसमें सौदे 7000 से 7400 रुपये प्रति क्विंटल पर हुए। कारोबार में तुअर 6700 से 8100 रुपये रुपये खुलकर 6600 से 8000 रुपये बिकी। उड़द 7300 से 7500 रुपये खुलकर 7100 से 7300 रुपये पर थमी। मसूर 6700 से 6725 रुपये के स्तर पर खुलने के बाद 6600 से 6650 रुपये होकर प्रति क्विंटल बिकी। दालों में मांग रही। सप्ताहांत तुअर, मूंग दाल के भाव कम ज्यादा हुए। कारोबार के मध्य चावल तथा पोहा में ग्राहकी सुधार लिए रही।

इंदौर किराना बाजार : शक्कर महंगी, खोपरा गोला सस्ता, हल्दी में लिवाली

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में सप्ताहांत ग्राहकी ऊपर नीचे होती रही। शक्कर में ग्राहकी सुधार से तेजी दर्ज की गई। खोपरा गोला सस्ता बिका वहीं खोपरा बूरा में मांग बढ़त लिए रही। हल्दी में लिवाली साधारण बताई गई। साबूदाना में खरीदी रही। स्थानीय किराना बाजार में सोमवार को शक्कर 3650 से 3680 रुपये प्रति क्विंटल खुलने के शनिवार को 3660 से 3700 रुपये बोली गई। शक्कर की दैनिक आवक 06 से 08 गाड़ी की रही। खोपरा गोला 158 से 175 रुपये प्रति किलो के स्तर पर खुलने के बाद शनिवार को 155 से 185 रुपये होकर बिका। हल्दी में मांग साधारण बताई गई। इसमें 100 से 162 रुपये की रंगत पर सौदे हुए। खोपरा बूरा सस्ता बिका। इसमें कामकाज 1900 से 3100 रुपये के स्तर पर चला। साबूदाना में पूछपरख बताई गई।

अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार की तेजी के प्रभाव से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेलों के भाव चढ़ गए वहीं दाल-दलहन और अनाज में मिलाजुला रुख रहा। तेल तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का नवंबर वायदा समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान 289 रिंगिट उबलकर सप्ताहांत पर 4121 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह नवंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा सप्ताहांत पर 4.36 सेंट की तेजी लेकर 76.06 सेंट प्रति पाउंड हो गया। बीते सप्ताह सरसों तेल 366 रुपये, सोया रिफाइंड 366 रुपये, मूंगफली तेल 146 रुपये और सूरजमुखी तेल 74 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि वनस्पति तेल में 74 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। सप्ताहांत पर सरसों तेल 17215 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 19926 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 18462 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 15237 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 10989 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 13699 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.6 अरब डॉलर बढ़कर 531.1 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि के बढ़ने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 6.6 अरब डॉलर बढ़कर 531.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 3.85 अरब डॉलर कम होकर 524.5 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 28 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.8 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 470.85 अरब डॉलर हो गयी। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 55.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 37.76 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 18.5 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 17.63 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि 4.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.85 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

पेट्रोल और डीजल स्थिर

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 92 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम रविवार को भी स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 98.57 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 5.02 प्रतिशत की तेजी लेकर 92.60 डॉलर प्रति बैरल हो गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी टिकाव रहा। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। देश में चार महीने से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल के दाम 106.31 रुपये प्रति लीटर और और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

खुदरा महंगाई और तिमाही नतीजों का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में एक बार फिर 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने और चीन के कोविड नियमों में ढील देने की उम्मीद से बीते सप्ताह 1.65 प्रतिशत की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार पर अगले सप्ताह अक्टूबर की खुदरा महंगाई, कपंनियों के तिमाही परिणाम और निवेशकों की निवेश धारणा का असर रहेगा।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 990.51 अंक की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 60950.36 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 342.65 अंक चढ़कर 18 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के ऊपर 18129.45 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई। सप्ताहांत पर मिडकैप 599.73 अंक उछलकर 25647.07 अंक और स्मॉलकैप 418.67 अंक चढ़कर 29107.24 अंक पर रहा।

विश्लेषकों के अनुसार, अगले सप्ताह अक्टूबर की उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी होने वाले हैं। इसके साथ ही बीपीसीएल, कोल इंडिया, इंडिया सीमेंट, एमआरएफ, ल्यूपिन, टाटा मोटर्स, एनएचपीसी, ओआईएल, सेल, सुजलॉन, भेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा समेत कई दिग्गज कंपनियों के चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के परिणाम भी आएंगे। इनका असर बाजार पर देखा जा सकेगा।

इसी तरह अगले सप्ताह निवेशकों की निवेश धारणा की भी बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। नवंबर में अबतक विदेशी संस्थागत निवेश्कों (एफआईआई) 46080.70 करोड़ रुपये लिवाली जबकि

39920.59 करोड़ रुपये की बिकवाली की है, जिससे उनका शुद्ध निवेश 6160.11 करोड़ रुपये रहा है। वहीं, इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा कमजोर रही है। उन्होंने बाजार में 22625.39 करोड़ रुपये का निवेश किया जबकि 26014.35 करोड़ रुपये निकाल लिए, जिससे वह 3388.96 करोड़ रुपये के बिकवाल रहे।

बीते सप्ताह बाजार तीन दिन तेजी और दो दिन गिरावट पर रहा। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 786.74 अंक की छलांग लगाकर डेढ़ माह बाद 60 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 60,746.59 अंक निफ्टी 225.40 अंक की उड़ान भरकर 18 हजार अंक के पार 18,012.20 अंक पर रहा। अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में एक बार फिर बढ़ोतरी करने की संभावना से वैश्विक बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत मंगलवार को सेंसेक्स 374.76 अंक की छलांग लगाकर साढ़े नौ माह के उच्चतम स्तर 61 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 61121.35 अंक और निफ्टी 133.20 अंक की उड़ान भरकर 18145.40 अंक पर रहा।

वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर दूरसंचार, आईटी, ऑटो, रियल्टी और टेक समेत 14 समूहों में हुई बिकवाली से बुधवार को शेयर बाजार की पिछले लगातार चार दिन की तेजी थम गई। सेंसेक्स 215.26 अंक गिरकर 61 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 60906.09 अंक और निफ्टी 62.55 अंक फिसलकर 18082.85 अंक पर आ गया। इसी तरह फेड रिजर्व के ब्याज दर में लगातार चौथी बार 0.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने से वैश्विक बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर आईटी, यूटिलिटीज, ऑटो, पावर और टेक समेत नौ समूहों में हुई बिकवाली के दबाव में गुरुवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स 69.68 अंक फिसलकर 60836.41 अंक और निफ्टी 30.15 अंक उतरकर 18052.70 अंक पर रहा।

वहीं, अमेरिका में अक्टूबर के रोजगार आंकड़े मजबूत रहने और चीन में कोविड नियमों में ढील दिये जाने की उम्मीद से वैश्विक बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर धातु, कमोडिटीज, ऊर्जा, इंडस्ट्रियल्स, सर्विसेज और तेल एवं गैस समेत 13 समूहों में हुई लिवाली की बदौलत शुक्रवार को शेयर बाजार पिछले लगातार दो दिन की गिरावट से उबरकर तेजी पर रहा। सेंसेक्स 113.95 अंक की छलांग लगाकर 60950.36 अंक और निफ्टी 76.75 अंक चढ़कर 18129.45 अंक पर रहा।

डिजिटल इंडिया अधिनियम की रूपरेखा 2023 की शुरुआत तक आएगी : आईटी राज्यमंत्री

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा है कि प्रस्तावित डिजिटल इंडिया अधिनियम पर काफी काम किया जा चुका है और भारत के लिए इस दशक को प्रौद्योगिकी-दशक (टेकेड) बनाने के लक्ष्य को समर्थन देने के लिए मसौदा विधायी रूपरेखा 2023 की शुरुआत में आने की उम्मीद है।

सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि गहन विचार-विमर्श से महत्वपूर्ण

कानून बनाए जाएंगे जो 'नए भारत' और इसकी डिजिटल वास्तुकला के लिए आवश्यक होंगे।

चंद्रशेखर ने आईटी अधिनियम का स्थान लेने वाले डिजिटल इंडिया अधिनियम की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''इस पर काफी काम हुआ है और हमें उम्मीद है कि वर्ष 2023 की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के 'टेकेड' के लिए एक विधायी रूपरेखा देश के समक्ष पेश की जाएगी।''

चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार अहम कानूनों पर विस्तार से विचार-विमर्श करना चाहती है। उन्होंने कहा, ''नए भारत के लिए सभी कानून आधुनिक होने चाहिए और उपभोक्ता, उद्योग, स्टार्टअप, वकीलों, न्यायाधीशों, नागरिकों...सभी से इन पर गहन विचार विमर्श होना चाहिए, उनकी बात इनमें आनी चाहिए। हम ठीक यही करेंगे।'' उन्होंने आगे कहा, ''हम काल्पनिक समयसीमा पर काम नहीं कर रहे।''

उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया कानून आईटी कानून 200 का स्थान लेगा क्योंकि यह दो दशक से अधिक पुराना हो चुका है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट से संबंधित कानून, नियम और न्याय-विधान बदलते रहेंगे।

डॉ. रेड्डीज क्षमता विस्तार पर करेगी 1,500 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय

नयी दिल्ली। दवा क्षेत्र की कंपनी डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज वित्त वर्ष 2022-23 में करीब 1 दवा कंपनी इस राशि का इस्तेमाल मौजूदा संयंत्रों में क्षमता बढ़ाने, शोध एवं विकास गतिविधियों को मजबूती देने और डिजिटलीकरण की परियोजनाओं में निवेश के लिए करेगी। अग्रवाल ने कहा, ''समूचे वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत व्यय करीब 1,500 करोड़ रुपये होगा जिसमें से बड़ा हिस्सा 'बायोसीमिलर कारोबार' और 'इंजेक्टेबल कारोबार' में क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाएगा। कंपनी के निवेशक संबंध प्रमुख अमित अग्रवाल ने कहा कि पूंजीगत व्यय सिर्फ नए संयंत्रों के निर्माण में न होकर कई मौजूदा संयंत्रों में क्षमता विस्तार पर भी किया जाएगा। इसके अलावा देखरेख, डिजिटलीकरण और शोध एवं विकास भी निवेश किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2022-23 में अब तक आधे से कम पूंजीगत व्यय: टाटा स्टील

नयी दिल्ली। इस्पात उत्पादक कंपनी टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी टीवी नरेंद्रन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष के लिए निर्धारित पूंजीगत खर्च का आधे से कम खर्च अब तक किया है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 12,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई थी। इसमें से लगभग 8,500 करोड़ रुपये भारत के लिए जबकि बाकी राशि यूरोप में अपने परिचलान के लिए निर्धारित की गई थी।

चालू वित्त वर्ष के सात महीने बीत जाने के बाद पूंजीगत व्यय योजना से संबंधित एक सवाल पर नरेंद्रन ने पीटीआई-भाषा से कहा, हमने अब

तक (नियोजित पूंजीगत व्यय का) 50 प्रतिशत से थोड़ा कम खर्च किया है।

चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में टाटा स्टील का एकीकृत शुद्ध लाभ 90 प्रतिशत घटकर 1,297 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 12,547.70 करोड़ रुपये था। नरेंद्रन ने यह भी कहा कि ब्रिटेन के कारोबार के संबंध में टाटा स्टील की भविष्य की कार्रवाई ब्रिटेन सरकार की प्रतिक्रिया पर आधारित होगी। कंपनी ने दरअसल ब्रिटेन में अपने कारोबार को बनाए रखने के लिए ब्रिटिश सरकार से वित्तीय सहायता मांगी है।

पंजाब में पराली जलाने की घटनाएं पांच नवंबर को 16 प्रतिशत बढ़ीं : आईसीएआर

नयी दिल्ली। पंजाब में धान की पराली जलाने की घटनाएं पांच नवंबर को चार नवंबर की तुलना में 16 प्रतिशत बढ़कर 2,817 हो गईं।

केंद्र सरकार की किसानों से फसल अवशेष प्रबंधन के लिए पूसा बायो-डीकंपोजर और अन्य मशीनों का उपयोग करने की अपील के बीच राज्य में पराली जलने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की तरफ से जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पांच नवंबर को मध्य प्रदेश में पराली जलाने के 319 मामले, राजस्थान में 91, हरियाणा में 90, उत्तर प्रदेश में 24 घटनाओं की सूचना थी जबकि दिल्ली में ऐसी कोई घटना नहीं हुई।

इस साल 15 सितंबर से 5 नवंबर के बीच अकेले पंजाब में पराली जलाने की कुल 29,400 घटनाओं का पता चला। इसके बाद हरियाणा में 2,530, मध्य प्रदेश में 2,246, उत्तर प्रदेश में 927, राजस्थान में 587 और दिल्ली में पराली जलाने की नौ घटनाएं दर्ज की गई। गौरतलब है कि पड़ोसी राज्यों में पराली जलने की घटनाएं दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण का बड़ा कारण बनी हुई है, विशेष रूप से राष्ट्रीय राजधानी समेत उत्तर भारत में।

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने पिछले सप्ताह पड़ोसी राज्य सरकारों और किसानों से धान की फसल के अवशेष यानी पराली के प्रबंधन के लिए उपलब्ध समाधानों का उपयोग करने की अपील की थी।

गेहूं और सरसों का रकबा पिछले साल से बेहतर

नई दिल्ली । दो मुख्य रबी फसलों गेहूं और सरसों की बोआई ने 6 नवंबर को समाप्त सप्ताह में और गति पकड़ी है। गेहूं का रकबा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 436 फीसदी बढ़ गया है। सरसों के मामले में, फसल आमतौर पर 64 लाख हेक्टेयर में बोई जाती है। इसमें से शुक्रवार तक करीब 46 लाख हेक्टेयर में बोआई की जा चुकी है। व्यापारियों ने कहा कि अगले 10-15 दिनों में सरसों की बोआई का अधिकांश काम पूरा जाना चाहिए जो कि एक बढ़िया संकेत है और अगर अगले कुछ महीने मौसम का साथ मिल जाता है तो बड़ी फसल सुनिश्चित होनी चाहिए।

विदेशों में मांग बढ़ने से बीते सप्ताह खाद्यतेल कीमतों में सुधार

नई दिल्ली । बीते सप्ताह दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में विदेशों में खाद्यतेलों की मांग बढ़ने तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने से सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, बिनौला, सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार आया। सर्दियां आने के साथ शादी-विवाह की मांग बढ़ने से भी इस कीमत वृद्धि को समर्थन मिला।

कारोबारी सूत्रों ने कहा कि पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष कपास (नरमा) के भाव कम हैं जिसकी वजह से किसान कम भाव पर नरमा बिक्री के लिए कम माल ला रहा है। कम आपूर्ति के बीच बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया है।

सूत्रों ने कहा कि किसान मंडियों में सरसों काफी कम बेच रहे हैं और जाड़े के साथ-साथ शादी विवाह के मौसम की मांग होने के कारण सरसों तेल तिलहन कीमतों में सुधार है। जाड़े में हल्के तेलों की मांग बढ़ने और वैश्विक स्तर पर खाद्यतेलों की कम आपूर्ति की वजह से मूंगफली, सोयाबीन तेल तिलहन कीमतों में भी सुधार आया।

सूत्रों के मुताबिक, रूस-यूक्रेन युद्ध को देखते हुए खाद्यतेलों की आपूर्ति कम होने से उत्पन्न कमी को कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल पूरा कर रहा है। इसी वजह से इन तेलों की वैश्विक मांग है। खाद्यतेलों की आपूर्ति कम होने से सीपीओ और पामोलीन तेल कीमतों में सुधार देखा गया। सूत्रों ने कहा कि सूरजमुखी और सोयाबीन खाद्य तेलों के शुल्क-मुक्त आयात की छूट का कोटा निर्धारित किये जाने से बाकी आयात लगभग रुक गया क्योंकि बाकी आयात के लिए आयातकों को आयात शुल्क का भुगतान करना होगा। इससे बाजार में कम आपूर्ति की स्थिति बन गई है और ये खाद्यतेल सस्ता होने की जगह और महंगा हो गये। पहले देश में सूरजमुखी की अच्छी खासी पैदावार थी लेकिन आज इस तेल की मांग को पूरा करने के लिए देश लगभग 98 प्रतिशत सूरजमुखी तेल का आयात करता है।

कारोबारी सूत्रों ने कहा कि सरकार को अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करते हुए या तो आयात पूरी तरह खोल देना चाहिये या पहले की तरह कम से कम 5.5 प्रतिशत का आयात शुल्क लगा देना चाहिये।

उन्होंने कहा कि इससे देश को राजस्व की प्राप्ति होगी। सूत्रों ने कहा कि तेल तिलहन कारोबार का परिदृश्य इतना अनिश्चित रहने के बीच इस समस्या का स्थायी और पुख्ता समाधान देश के किसानों को प्रोत्साहन और संरक्षण जारी कर तिलहन उत्पादन बढ़ाना ही हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, पिछले सप्ताहांत के शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 300 रुपये बढ़कर 7,425-7,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 600 रुपये बढ़कर 15,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमश: 75-75 रुपये बढ़कर क्रमश: 2,330-2,460 रुपये और 2,400-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुईं।

इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा 32 फीसदी बढ़ा

चेन्नई। इंडियन ओवरसीज बैंक का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 33.2 फीसद बढ़कर 501 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वर्ष की समान तिमाही में उसे 376 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था।। बैंक ने रविवार को यह जानकारी दी। सितंबर में खत्म छमाही में बैंक का शुद्ध लाभ बढ़कर 893 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 703 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 5,852.45 करोड़ रुपये हो गई। जून तिमाही में यह 5,028 करोड़ रुपये थी। बैंक का कुल कारोबार भी चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 4,23,589 करोड़ रुपये से बढ़कर 4,34,441 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं उसका जमा 2,60,045 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,61,728 करोड़ रुपये हो गया। बैंक का समीक्षाधीन तिमाही में गैर निष्पादित आस्तियों (एनपीए) का अनुपात पहले के 2.77 फीसदी से घटकर 2.56 फीसद हो गया। बैंक का सकल एनपीए 43 करोड़ रुपये रहा है। उसकी ब्याज आय आलोच्य तिमाही में 4,717.61 करोड़ रुपये रही है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 4,255 करोड़ रुपये थी।

भारत ने अक्टूबर में रूस से सबसे अधिक कच्चे तेल का आयात किया

नयी दिल्ली। रूस अक्टूबर में सऊदी अरब और इराक जैसे परंपरागत विक्रेताओं को पछाड़कर भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है। कच्चे तेल की आपूर्ति पर नजर रखने वाली वोर्टेक्स के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। अक्टूबर के दौरान रूस ने भारत को 935,556 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) कच्चे तेल की आपूर्ति की है। यह उसके द्वारा भारत को कच्चे तेल की अब तक की सर्वाधिक आपूर्ति है। वहीं, बीते वित्त वर्ष के दौरान भारत द्वारा आयात किए गए सभी तेल में रूस के तेल का सिर्फ 0.2 प्रतिशत हिस्सा था। यह अब भारत के कुल कच्चे तेल के आयात का 22 प्रतिशत हो गया है, जो इराक के 20.5 प्रतिशत और सऊदी अरब के 16 प्रतिशत से अधिक है। वोर्टेक्स के अनुसार, भारत ने दिसंबर 2021 में रूस से प्रति दिन केवल 36,255 बैरल कच्चे तेल का आयात किया, जबकि इराक से 10.5 लाख बैरल और सऊदी अरब से 952,625 बैरल प्रति दिन का आयात किया गया था।

मेदांता नोएडा में बना रहा एक हजार बिस्तरों वाला अस्पताल

मुंबई। प्रसिद्ध चिकित्सक नरेश त्रेहन की कंपनी ग्लोबल हैल्थ 350 करोड़ रुपये के निवेश से नोएडा में एक हजार बिस्तरों वाला अस्पताल बना रही है। कंपनी 'मेदांता' ब्रांड के तहत पांच सुपर-स्पेशलिटी अस्पतालों का संचालन करती है। कंपनी के आईपीओ को पेशकश के दूसरे शुक्रवार को 49 फीसद अभिदान मिला था। कंपनी की आईपीओ के जरिए 2,206 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है। ग्लोबल हैल्थ समूह के मुख्य कार्यकारी पंकज साहनी ने कहा, ''नोएडा का हमारा अस्पताल 2026-27 तक पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके बाद हमारे यहां बिस्तरों की संख्या मौजूदा 2,500 से बढ़कर 3,500 हो जाएगी। इस अस्पताल का स्वामित्व पूरी तरह से हमारे पास होगा क्योंकि संपत्ति को 99 वर्ष के लिए पट्टे पर लिया गया है।'' उन्होंने बताया कि यह अस्पताल आठ लाख वर्गफुट में बनाया जा रहा है और इसका पहला चरण 2024-25 तक पूरा हो जाएगा, पहले चरण में 300 बिस्तर होंगे। वहीं 2026-27 तक बिस्तरों की संख्या बढ़कर 1,000 हो जाएगी। हालांकि इसमें कितना निवेश होगा इसका विवरण साहनी ने नहीं दिया। विश्लेषकों के मुताबिक उद्योग की औसत लागत को देखते हुए लगभग 350 करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी।

विस्तारित पेंशन कवरेज को चार महीने के भीतर अपना सकते हैं पात्र कर्मचारी

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्मचारी पेंशन (संशोधन) योजना इस फैसले के बाद एक सितंबर 2014 तक ईपीएस के मौजूदा सदस्य रहे कर्मचारी अपने वास्तविक वेतन का 8.33 फीसदी तक योगदान दे सकते हैं। पहले वे पेंशन-योग्य वेतन का 8.33 फीसदी योगदान ही दे पाते थे और इसकी भी अधिकतम सीमा 15,000 रुपये प्रतिमाह तय थी। लेकिन अब कर्मचारी इस योजना में अधिक योगदान दे सकेंगे और अधिक लाभ भी पा सकेंगे। इसके साथ ही न्यायालय ने 2014 के संशोधनों में उन शर्त को शुक्रवार को निरस्त कर दिया जिसमें कर्मचारी के लिए 15,000 प्रतिमाह से अधिक के वेतन का 1.16 फीसदी योगदान अनिवार्य किया गया था। कर्मचारी संगठनों ने मांग की है कि सरकार पेंशन कोष ईपीएफओ के केंद्रीय बोर्ड के न्यासियों की असाधारण बैठक बनाए ताकि शीर्ष अदालत के आदेश को जल्द लागू किया जा सके। अगस्त 2014 में पेंशन योजना में संशोधन करते हुए पेंशनयोग्य वेतन की अधिकतम सीमा 15,000 रुपये प्रतिमाह कर दी गई थी जो पहले 6,500 रुपये प्रतिमाह थी। इससे सदस्य और उनके नियोक्ता के लिए वास्तविक वेतनों का 8.33 फीसदी योगदान संभव हो सका।

चंडीगढ़ हवाईअड्डे का नाम शहीद भगत सिंह के नाम पर रखने की अधिसूचना जारी

नयी दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का नाम बदलकर शहीद भगत सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 सितंबर को कहा था कि इस महान स्वतंत्रता सेनानी को श्रद्धांजलि के रूप में चंडीगढ़ हवाईअड्डे का नाम भगत सिंह के नाम पर रखा जाएगा। महान क्रांतिकारी भगत सिंह की 115वीं जयंती 28 सितंबर को मनाई गई थी। उसी दिन चंडीगढ़ हवाईअड्डे का नाम बदलकर भगत सिंह करने की घोषणा की गई थी। मंत्रालय ने दो नवंबर को जारी अधिसूचना में कहा, यह अधिसूचित किया गया है कि चंडीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम तत्काल प्रभाव से %शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा कर दिया गया है। हवाईअड्डों के नामकरण के लिए एक विस्तृत प्रक्रिया का पालन किया जाता है और अंतिम मंजूरी केंद्रीय मंत्रिमंडल की तरफ से दी जाती है। आम तौर पर हवाईअड्डों का नाम उनकी मौजूदगी वाले शहर के नाम पर रखा जाता है। कुछ मामलों में संबंधित राज्य विधानसभा एक प्रस्ताव पारित कर कोई खास नाम रखने का अनुरोध करती है।

ज़िम्बाब्वे को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा भारत, इंग्लैंड से होगा सामना

मेलबर्न। सूर्यकुमार यादव (61 नाबाद) के विस्फोटक अर्द्धशतक के बाद रविचंद्रन अश्विन (22/3) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को टी20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 मुकाबले में ज़िम्बाब्वे को 71 रन से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

भारत ने ग्रुप-2 के आखिरी मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ज़िम्बाब्वे को 187 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में ज़िम्बाब्वे 115 रन पर ऑलआउट हो गई।

सूर्यकुमार ने एक बार फिर अपनी 360 डिग्री बल्लेबाजी से विपक्षी टीम को पस्त किया। उन्होंने अपनी अर्द्धशतकीय पारी में 25 गेंदों पर छह चौकों और चार छक्कों की बदौलत 61 रन बनाये और भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

ज़िम्बाब्वे ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 36 रन पर ही अपनी आधी टीम गंवा दी। रायन बर्ल (35) और सिकंदर रज़ा (34) ने ज़िम्बाब्वे के लिये संघर्ष किया लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ।

भारत ने सुपर-12 के पांच मैचों में आठ पॉइंट हासिल करके अपने ग्रुप में पहला स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल में रोहित शर्मा की टीम का सामना इंग्लैंड से होगा। ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम पाकिस्तान को न्यूजीलैंड से मुकाबला करना है।

भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और कप्तान रोहित शर्मा (15) का विकेट जल्दी गंवाने के बावजूद पावरप्ले में 46 रन जोड़ लिये। राहुल और विराट कोहली ने दूसरे विकेट के लिये 60 रन की साझेदारी की। कोहली 25 गेंदों पर 26 रन ही बना सके, लेकिन राहुल ने टूर्नामेंट का अपना दूसरा अर्द्धशतक जड़ते हुए 35 गेंदों

पर तीन चौकों और तीन छक्कों की बदौलत 51 रन की पारी खेली। टी20 विश्व कप 2022 में अपना पहला मैच खेल रहे ऋषभ पंत तीन रन बनाकर रायन बर्ल के दर्शनीय कैच की भेंट चढ़ गये।

ज़िम्बाब्वे ने मध्य ओवरों में कोहली, राहुल और पंत का विकेट लेकर मैच में वापसी करनी चाही लेकिन सूर्यकुमार ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विपक्षी टीम को असहाय कर दिया। सूर्यकुमार ने एक और तेज अर्द्धशतक जमाते हुए 25 गेंदों पर छह चौकों और चार छक्कों की बदौलत नाबाद 61 रन बनाये। वह पाकिस्तान के मोहम्मद रिज़वान (2021) के बाद एक साल में 1000 से ज्यादा टी20 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए।

सूर्यकुमार की बदौलत भारत ने आखिरी पांच ओवरों में 79 रन जोड़े और 20 ओवरों में 186/5 का स्कोर खड़ा किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी ज़िम्बाब्वे की आधी टीम 36 रन पर ही पवेलियन लौट गयी। भुवनेश्वर कुमार ने पहला ओवर मेडेन फेंकते हुए वेस्ले माधेवेरे को आउट किया जबकि अर्शदीप सिंह ने रेजिस चकाब्वा को शून्य रन पर बोल्ड किया। हार्दिक पांड्या ने अपनी ही गेंद पर क्रेग इर्विन (13) का कैच पकड़ा जबकि मोहम्मद शमी ने शॉन विलियम्स और टेनी मुन्योंगा को आउट किया।

रज़ा और बर्ल ने हालांकि शेवरन्स के लिये संघर्ष किया और छठे विकेट के लिये 60 रन जोड़े। बर्ल ने 22 गेंदों पर पांच चौके और एक छक्का लगाकर 35 रन बनाये जबकि रज़ा ने 24 गेंदों पर तीन चौकों के साथ 34 रन की पारी खेली।

दोनों बल्लेबाजों ने ज़िम्बाब्वे की पारी को संभाल लिया था लेकिन बड़े लक्ष्य का दबाव बहुत ज्यादा था। अश्विन ने पारी के 14वें ओवर में बर्ल को आउट करने के बाद वेलिंगटन मसाकादज़ा और रिचर्ड नगारवा को पवेलियन भेज दिया।

विशाल लक्ष्य के दबाव में रज़ा भी हार्दिक पांड्या की गेंद पर छक्का लगाने के प्रयास में आउट हो गये। पारी के 18वें ओवर में टेंडाई चटारा का विकेट गिरने के साथ ज़िम्बाब्वे की पारी समाप्त हुई और भारत ने यह मैच 71 रन से जीत लिया।

इस जीत के साथ भारत ग्रुप-2 की अंक तालिका में शीर्ष पर रहा, जबकि दूसरे स्थान पर रहकर पाकिस्तान ने भी सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया।

शार्ट न्यूज

किदांबी की हार के साथ समाप्त हुआ भारत का हायलो ओपन अभियान

सारब्रकेन। विश्व के पूर्व नंबर एक शटलर किदांबी श्रीकांत को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के एंथनी गिनटिंग के हाथों मिली हार के साथ भारत का बीडब्ल्यूएफ हायलो ओपन अभियान समाप्त हो गया है। एंथनी ने यहां शनिवार को खेले गये सेमीफाइनल में किदांबी को 21-18, 21-15 के सीधे सेटों में मात दी। श्रीकांत 2022 में चौथी बार सेमीफाइनल मैच हारे हैं। इससे पहले किदांबी मार्च में स्विस ओपन, अप्रैल में कोरिया ओपन और अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों के सेमीफाइनल में हारे थे। इसी बीच, त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी को सेमीफाइनल में थाईलैंड की बेनयापा एमसार्ड और ननताकर्न एमसार्ड ने हराया। बेनयापा-ननताकर्न की जोड़ी ने भारतीय युगल को 21-17, 21-14, 21-18 से मात दी। गायत्री-त्रिशा पर थाई जोड़ी की यह पहली जीत है। मार्च में ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में गायत्री-त्रिशा ने राउंड ऑफ 32 में उन्हें हराया था।

टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान

एडिलेड। शाहीन शाह अफरीदी (22/4) की शानदार गेंदबाजी और मोहम्मद हारिस के विस्फोटक 31 रनों की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को टी20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 मुकाबले में बंगलादेश को छह विकेट से हराकर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई। बंगलादेश ने ग्रुप-2 के मैच में पाकिस्तान को 128 रन का लक्ष्य दिया, जिसे पाकिस्तान ने 11 गेंदें रहते हुए हासिल कर लिया। दिन के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को नीदरलैंड के हाथों मिली हार के बाद यह मैच मूल रूप से क्वार्टरफाइनल बन गया था और इसे जीतने वाली टीम का सेमीफाइनल में जाना तय था। शाहीन ने इस महत्वपूर्ण मैच में अपनी लय हासिल करते हुए केवल 22 रन देकर चार विकेट लिये और बंगलादेश को 127 रन पर रोक दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए जब हारिस बल्लेबाजी करने आए तो पाकिस्तान को 52 गेंदों पर 67 रनों की आवश्यकता थी। हारिस ने 18 गेंदों पर एक चौके और दो छक्कों के साथ 31 रन बनाकर अपनी टीम के लिये सेमीफाइनल में पहुंचने का रास्ता आसान कर दिया। पाकिस्तान इस जीत के साथ भारत के बाद सेमीफाइनल में पहुंचने वाली ग्रुप-2 की दूसरी टीम बन गई है। बंगलादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और लिटन दास (10) का विकेट जल्दी गंवाने के साथ पारी को सहजता के साथ आगे बढ़ाया। नजमुल हसन शान्तो और सौम्य सरकार ने दूसरे विकेट के लिये 52 रन की साझेदारी की।

नीदरलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को टी20 विश्व कप से बाहर किया

एडिलेड। कॉलिन ऐकरमैन (41 नाबाद) की विस्फोटक पारी और ब्रैंडन ग्लवर (9/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत नीदरलैंड ने रविवार को टी20 विश्व कप 2022 के सुपर-12 मैच में दक्षिण अफ्रीका को 13 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया। नीदरलैंड ने ग्रुप-2 के मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 159 रन का लक्ष्य दिया, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका 145 रन ही बना सकी। नीदरलैंड ने पहली बार किसी भी प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका को मात दी है। इस हार के साथ दक्षिण अफ्रीका टी20 विश्व कप से बाहर हो गई, जबकि भारत ग्रुप-2 से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है।

रोहित ने तोड़ा बाबर आजम का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारत की जिम्बाब्वे पर 71 रनों से धमाकेदार जीत के साथ कप्तान रोहित शर्मा ने इतिहास रच दिया है। रोहित शर्मा बाबर आजम का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए एक कैलेंडर इयर में सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने वाले कप्तान बन गए हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ रोहित शर्मा की यह इस साल क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 21वीं जीत थी, वहीं बाबर आजम ने पिछले साल 20 मुकाबले जीतकर यह रिकॉर्ड बनाया था। बाबज आजम की कप्तानी में पाकिस्तान ने साल 2021 में रिकॉर्ड 20 टी20 मैच जीते थे, मगर अब उनके इस रिकॉर्ड को भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने तोड़ दिया है। टी20 वर्ल्ड कप में 4 मैच जीतने के बाद रोहित शर्मा के नाम कुल 21 जीत हो गई है, इस टूर्नामेंट में वह 17 जीत के साथ आए थे। रोहित और बाबर के अलावा इस सूची में तीसरा नाम पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का है। धोनी की कप्तानी में भारत ने 2016 में 15 मैच जीते थे।

भुवनेश्वर ने तोड़ा बुमराह का वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2022 में भारत और जिम्बाब्वे के बीच खेले जा रहे आखिरी लीग मैच में भुवनेश्वर कुमार ने जसप्रीत बुमराह का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। भुवनेश्वर कुमार दुनिया के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल में 10 मेडन ओवर फेंके हैं। टी20 इंटरनेशनल करियर में सबसे ज्यादा मेडन ओवर फेंकने वाले गेंदबाज अब भुवनेश्वर कुमार बन गए हैं। जसप्रीत बुमराह ने 60 मैचों में 9 मेडन ओवर फेंके हैं, वहीं भुवी ने 84वें मैच में 10वां मेडन ओवर फेंका। भुवनेश्वर कुमार ने इस टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के लिए शानदार गेंदबाजी की है। भुवी ने जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत की ओर से पहला ओवर फेंका और इस ओवर में उन्होंने पहली ही गेंद पर विकेट निकाला। इसके बाद उन्होंने इस ओवर में कोई रन नहीं दिया। भारत सेमीफाइनल में पहुंच चुका है और जिम्बाब्वे के खिलाफ मजबूत स्थिति में है। भारत अगर यह मैच जीत जाता है तो सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 10 नवंबर को भिड़ेगा। यह मैच एडिलेड ओवल मैदान पर खेला जाना है। भारत के ग्रुप से पाकिस्तान ने भी सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

भगवा रंग ने पाकिस्तान पहुंचाया सेमीफाइनल में, वेंकटेश प्रसाद का ट्वीट वायरल

नई दिल्ली। बात वर्ल्ड कप की हो और भारत का मुकाबला पाकिस्तान से हो तो वेंकटेश प्रसाद का नाम जहन में ही आ ही जाता है। 1996 वर्ल्ड कप में वेंकटेश प्रसाद ने जिस तरह से आमिर सोहैल को आउट किया था वह कोई भी भारतीय क्रिकेट फैन भूल नहीं सकता है, लेकिन आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2022 में पाकिस्तान के सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद उन्होंने जो ट्वीट किया है, वह भी सालों तक कोई भारतीय क्रिकेट फैन नहीं भूल पाएगा। दक्षिण अफ्रीका को नीदरलैंड ने 13 रनों से हराया, जिसके बाद पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बांग्लादेश को हराना था। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को पांच विकेट से हराया और सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। इस पर वेंकटेश प्रसाद ने ट्वीट किया, तो भगवा ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में पहुंचाने में मदद की। इस ट्वीट के साथ वेंकटेश प्रसाद ने सभी पाकिस्तानी क्रिकेट फैन्स को चिढ़ाया है। दरअसल नीदरलैंड की जर्सी का रंग भगवा है और इसको लेकर ही वेंकटेश प्रसाद ने यह ट्वीट किया है। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2022 में ग्रुप-1 से न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, तो वहीं ग्रुप-2 से भारत और पाकिस्तान ने सेमीफाइनल का टिकट कटाया है। भारत अपना आखिरी लीग मैच जिम्बाब्वे के खिलाफ खेल रहा है और अगर जीत जाता है तो ग्रुप-2 में टॉप पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंचेगा और ऐसे में 10 नवंबर को उसका मुकाबला एडिलेड में इंग्लैंड से होगा।

भगत, मनीषा ने विश्व चैंपियनशिप में जीते स्वर्ण

टोक्यो। टोक्यो पैरा ओलंपिक 2020 के गोल्ड मेडलिस्ट प्रमोद भगत और मनीषा रामदास ने रविवार को यहां बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप में अपने-अपने फाइनल मुकाबले जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किये।

भगत ने 53 मिनट चले एसएल3 पुरुष एकल फाइनल में अपने हमवतन नितेश कुमार को 21-19, 21-19 से हराया।

दूसरी ओर, मनीषा रामदास ने आधे घंटे तक चले एसयू5 महिला एकल फाइनल में जापान की मामिको टोयोडा को 21-15, 21-15 से शिकस्त दी।

यह विश्व चैंपियनशिप में भगत का चौथा एकल स्वर्ण है। भगत अपने पुरुष युगल जोड़ीदार मनोज सरकार के साथ भी दो विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण जीत चुके हैं, हालांकि इस बार भारतीय

जोड़ी को रजत से संतोष करना पड़ा। हिकमत रामदानी और उकुन रुकेंदी की इंडोनेशियाई पुरुष युगल जोड़ी ने एसएल3-एसएल4 के स्वर्ण पदक मुकाबले में भगत-मनोज को 21-14, 18-21, 13-21 से हराया।

भगत ने एक स्वर्ण और एक रजत जीतने के बाद कहा, यह जीत मेरे लिये बहुमूल्य है क्योंकि मैंने इसके लिये काफी मेहनत की है।

अपने करियर की सातवीं विश्व चैंपियनशिप खेल रहे भगत ने अब तक एकल और युगल में कुल छह स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक जीते हैं।

जब जरूरत पड़ी तब हम प्रदर्शन नहीं कर सके : बावुमा

एडिलेड। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा ने नीदरलैंड के हाथों हारकर टी20 विश्व कप से बाहर होने के बाद रविवार को कहा कि सही समय पर प्रदर्शन न करना उनकी टीम के लिये भारी पड़ा।

बावुमा ने मैच के बाद कहा, एक टीम के रूप में सब कुछ हमारे हाथ में था। हमारे पास आत्मविश्वास था, हमें खुद पर यकीन था और हम सब अच्छी फॉर्म में भी थे, लेकिन जब जरूरत पड़ी तब हम प्रदर्शन नहीं कर पाए।

टी20 विश्व कप जीतने की प्रबल दावेदार दक्षिण अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिये नीदरलैंड को हराना था, लेकिन डच टीम ने 13 रन की जीत के साथ बड़ा उलटफेर किया। नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 158 रन बनाये जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका 145 रन तक ही पहुंच सकी।

बावुमा ने कहा, हम इस मैच से पहले अच्छा खेले। हम जानते थे कि यह करो या मरो मुकाबला है। जब जीतना मायने रखता था तब हम लड़खड़ा गए। खिलाड़ियों के लिये यह स्वीकार करना मुश्किल है।

उन्होंने कहा, जब आप इस तरह से हार जाते हैं तो आप बहुत सी गलतियां देख सकते हैं। पहले मैंने ही टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की और उन्हें 158 रन बनाने का अवसर दिया जो आदर्श नहीं था।

हमारे बल्लेबाज पाकिस्तान के खिलाफ हुए मैच की तरह ही फंस गए। हमने महत्वपूर्ण समय पर विकेट गंवाए। विकेट दूसरी पारी में शायद थोड़ा कठिन हो गया था, लेकिन उन्होंने मैदान के आयामों का हमारे मुकाबले काफी बेहतर इस्तेमाल किया।

यौन उत्पीड़न के आरोप में श्रीलंकाई क्रिकेटर गिरफ्तार

सिडनी। श्रीलंकाई बल्लेबाज दनुष्का गुनतिलका को ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स प्रांत की राजधानी सिडनी में एक 29 वर्षीय महिला के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने यहां जारी बयान में कहा कि गुनतिलका और महिला के बीच कई दिनों तक ऑनलाइन डेटिंग ऐप पर बातचीत के बाद दोनों की मुलाकात हुई थी। गुनतिलका पर आरोप है कि उन्होंने बुधवार दो नवंबर को रोज़ बे उपनगर के एक निवास में महिला का यौन उत्पीड़न किया।

बयान में कहा गया, विशेषज्ञ पुलिस ने इस मामले में कल रोज बे के एक निवास पर एक अपराध स्थल की पड़ताल की। पूछताछ के बाद गुनतिलका (31) को सिडनी के ससेक्स स्ट्रीट के एक होटल में देर रात एक बजे गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने कहा, उन्हें सिडनी सिटी पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उन पर सहमति के बिना यौन उत्पीड़न के चार मामले दर्ज किये गये।

इसी बीच, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने खबर सार्वजनिक होने के बाद रविवार सुबह जारी किये गये बयान में

कहा, श्रीलंका क्रिकेट पुष्टि करता है कि आईसीसी द्वारा सूचित किया गया था कि सिडनी में एक महिला के यौन उत्पीड़न के आरोप में खिलाड़ी दनुष्का गुनतिलका को गिरफ्तार कर लिया गया है, और उसे सात नवंबर को अदालत में पेश किया जायेगा।

बयान में कहा गया, एसएलसी अदालत में कार्यवाही की बारीकी से निगरानी करेगा और आईसीसी के परामर्श से मामले की पूरी तरह से जांच शुरू करेगा।

पत्नी के साथ आपत्तिजनक वीडियो

बोलते-बोलते रो पड़े इमरान के करीबी पाकिस्तानी सीनेटर आजम खान स्वाती

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सीनेटर आजम खान स्वाती ने एक सनसनीखेज दावा किया है। इस राजनेता के मुताबिक उनकी पत्नी के मोबाइल पर एक वीडियो आया है। इसमें दोनों कॉम्प्रोमाइजिंग पोजीशन में नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि 75 वर्षीय आजम खान स्वाती पूर्व प्रधानमंत्री और पीटीआई के चीफ इमरान खान के बेहद करीबी हैं। आजम को पिछले महीने एफआईए द्वारा उस वक्त गिरफ्तार किया गया था,

जब उन्होंने जनरल कमर जावेद बाजवा की एक ट्वीट में आलोचना की थी। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया था।

बोलते-बोलते रो पड़े

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते वक्त पत्नी की बात बताते हुए आजम स्वाती फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी ने बताया कि बीती रात किसी ने अनजान नंबर से उनके मोबाइल पर वीडियो भेजा था। उन्होंने कहा कि मेरे देश के बेटे-बेटियां मेरी बात सुन रहे हैं। मैं इसके आगे कुछ नहीं बोल पाऊंगा। इस दौरान आजम ने कहा कि यह वीडियो उस वक्त बनाया गया था, जब वह अपनी पत्नी के साथ क्वेटा गए हुए थे।

एफआईए ने कहा फेक है वीडियो

इस बीच एफआईए ने स्पष्ट किया है कि यह वीडियो फेक है। एफआईए के मुताबिक यह वीडियो फोटोशॉट किया गया है। एजेंसी के बयान में कहा गया है कि इस मामले की गहराई से जांच की जानी चाहिए। इसके लिए सीनेटर आजम को अप्लीकेशन फाइल करनी होगी। वहीं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने इस पूरे मामले की आलोचना की है। उन्होंने ट्वीट किया है कि मैं पाकिस्तान की तरफ से मिसेज स्वाती से माफी मांगता हूं। यह पूरा प्रकरण बहुत ज्यादा पीड़ा देने वाला है।

पाकिस्तान में सुरक्षित नहीं चीनी नागरिक, अब बुलेट प्रूफ कारों में घूमेंगे

इस्लामाबाद। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) परियोजनाओं पर काम कर रहे चीनी नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, पाकिस्तान और चीन चीनी श्रमिकों के आने-जाने के लिए बुलेट प्रूफ वाहनों के इस्तेमाल पर सहमत हुए। CPEC की 11वीं संयुक्त सहयोग समिति के ड्राफ्ट मिनट्स में कहा गया है, यह तय किया गया है कि परियोजनाओं पर काम करने वाले सभी चीनी नागरिकों के बाहर जाने के समय बुलेट प्रूफ गाड़ियों का इस्तेमाल किया जाएगा।

मालूम हो कि पाकिस्तान और चीन ने इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ की दो दिवसीय बीजिंग यात्रा के दौरान 11वें जेसीसी मिनट्स पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, जबकि पहले जेसीसी के तुरंत बाद मिनट्स पर हस्ताक्षर किए गए थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, योजना मंत्री अहसान इकबाल ने बैठक के बाद कहा था कि प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान मिनटों पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा, केवल 24 घंटों की बहुत छोटी यात्रा के कारण जेसीसी के मिनटों सहित कुछ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर नहीं किए जा सके। उन्होंने कहा, 24 घंटे की अवधि में लगभग 17 बैठकें हुईं, जिसमें कुछ अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए समय नहीं बचा।

उन्होंने कहा कि या तो एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही चीन जाएगा या उन पर वर्चुअली हस्ताक्षर किए जाएंगे। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों पक्ष कानून-प्रवर्तन एजेंसियों और जांचकर्ताओं की क्षमताओं को मजबूत करने पर भी सहमत हुए हैं। चीनी नागरिकों से जुड़े अपराधों की जांच में तेजी लाने के लिए, यह निर्णय लिया गया था कि राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान एजेंसी (एनएफएसए) को आधुनिक तर्ज पर बनाया जाएगा। पाकिस्तानी पक्ष ने इस्लामाबाद में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के पूर्ण उन्नयन के लिए चीनी समर्थन का अनुरोध किया। एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ड्राफ्ट मिनट्स के अनुसार, चीनी पक्ष ने इस उद्देश्य के लिए अपने पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

तंजानिया में बड़ा हादसा, लैंडिंग के समय विक्टोरिया झील में गिरा यात्री विमान

नई दिल्ली। तंजानिया में रविवार को एक बड़ा हादसा हुआ है। प्रेसिजन एयर का एक यात्री विमान तंजानिया के विक्टोरिया झील में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। तंजानिया ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन ने रविवार को बताया कि विमान के बुकोबा में एक एयरपोर्ट पर लैंड करने का प्रयास करते समय विमान विक्टोरिया झील में दुर्घनाग्रस्त हो गया है। हादसे को लेकर अभी तक पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। विमान में कितने लोग सवार थे और उनकी क्या स्थिति है इस बारे में जानकारी अभी आनी बाकी है। टीबीसी ने कहा कि अब तक 15 लोगों को बचाया गया है, लेकिन अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है कि कितने लोगों की मौत हुई है प्लेन में कितने लोग सवार थे। टीबीसी ने बताया कि विमान राजधानी दार एस सलाम से रवाना हुआ था और आज सुबह तूफान और भारी बारिश के कारण लैंडिंग के समय विक्टोरिया झील में जा गिरा। बुकोबा हवाई अड्डा अफ्रीका की सबसे बड़ी झील विक्टोरिया झील के किनारे पर है।

ईरान ने कैम-100 उपग्रह वाहक का परीक्षण किया

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स ने तीन चरण के ठोस ईंधन कैम-100 उपग्रह वाहक का परीक्षण किया है। ईरानी की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने यह जानकारी दी। आईआरएनए ने शनिवार को कहा कि कैम-100 के पहले चरण के इंजन ने जनवरी में अपना जमीनी परीक्षण पूरा किया, ने अपनी पहली उप-कक्षीय उड़ान भरी है। यह रॉकेट अस्सी किलो वजनी उपग्रहों को पृथ्वी की सतह से पांच सौ किलोमीटर की कक्षा में स्थापित करने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार परीक्षणों के बाद कैम-100 अब सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निर्मित नाहिद उपग्रह को कक्षा में भेजने के लिए तैयार है।

इंडोनेशिया में भूंकप के झटके

जकार्ता। मध्य इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने कहा कि उत्तरी सुलावेसी प्रांत में 6.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने कहा कि भूकंप सुबह सात बजकर 03 मिनट जकार्ता समय पर आया। भूकंप का केंद्र केपुलुआन सीतारो जिले से 69 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में और समुद्र तल के नीचे 255 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके पास के उत्तरी मालुकु प्रांत में भी महसूस किए गए। एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की है।

संरा ने मस्क से ट्विटर प्रबंधन में मानवाधिकार सुनिश्चित करने का आग्रह किया

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्क ने ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलोन मस्क को एक खुला पत्र जारी करते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करें कि ट्विटर प्रबंधन के लिए मानवाधिकार केन्द्रीय है। पत्र ने शुक्रवार को ट्विटर के कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी की रिपोर्ट का पालन किया। जिसमें इसकी मानवाधिकार टीम और नैतिक एआई टीम शामिल थी। तुर्क ने शनिवार को पत्र में कहा कि हमारे साझा मानवाधिकारों का सम्मान मंच के उपयोग और विकास के लिए रेलिंग सेट करना चाहिए। उन्होंने पत्र में ट्विटर से निजता के अधिकार के लिए खड़े होने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि ट्विटर की जिम्मेदारी है कि अन्य लोगों के अधिकारों को नुकसान नहीं पहुंचाए। एलोन मस्क ने सोशल नेटवर्क कंपनी का नियंत्रण हासिल करते हुए अक्टूबर में ट्विटर को 44 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदने का सौदा पूरा किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शुक्रवार को ट्विटर ने लागत कम करने की आक्रामक योजना के तहत हजारों कर्मचारियों की छंटनी की।

रुस यूक्रेन में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेगा : स्टोलटेनबर्ग

अंकारा। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने शनिवार को कहा कि रुस के यूक्रेन में परमाणु हथियारों का उपयोग करने की संभावना कम थी। हालांकि इस मुद्दे को गंभीरता से लिया जा रहा है। स्टोलटेनबर्ग ने तुर्की एनटीवी बॉडक्रॉस्टर से कहा कि रुस के यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की संभावना कम थी लेकिन गठबंधन इस पर बहुत गंभीर है। क्योंकि परमाणु हमले विनाशकारी होंगे। उन्होंने कहा कि नाटो यह स्पष्ट करना चाहता है कि परमाणु युद्ध में कोई नही जीतेगा। उन्होंने रुस के गैर जिम्मेदार और खतरनाक व्यवहार की निंदा की। इससे पहले सप्ताह में रुस के विदेश मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि रुस की परमाणु नीति युद्ध की अस्वीकार्यता के सिद्धांत पर आधारित है जिसमें कोई विजेता नहीं हो सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

कृष्ण के 80 पुत्रों का रहस्य

आर्यभट्ट के अनुसार महाभारत युद्ध 3137 ईपू में हुआ। इस युद्ध के 35 वर्ष पश्चात भगवान कृष्ण ने देह छोड़ दी थी तभी से कलियुग का आरंभ माना जाता है। पुराणों के अनुसार 8वें अवतार के रूप में विष्णु ने यह अवतार 8वें मनु वैवस्वत के मन्वंतर के 28वें द्वापर में श्रीकृष्ण के रूप में देवकी के गर्भ से 8वें पुत्र के रूप में मथुरा के कारागार में जन्म लिया था। उनका जन्म भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की रात्रि के 7 मुहूर्त निकलने के बाद 8वें मुहूर्त में हुआ। तब रोहिणी नक्षत्र तथा अष्टमी तिथि थी जिसके संयोग से जयंती नामक योग में लगभग 3112 ईसा पूर्व (अर्थात आज से 5125 वर्ष पूर्व) को जन्म हुआ।

ज्योतिषियों के अनुसार रात 12 बजे उस वक्त शून्य काल था। भगवान श्रीकष्ण ने आठ महिलाओं से विधिवत विवाह किया था। इन आठ महिलाओं से उनको 80 पुत्र मिले थे। इन आठ महिलाओं को अष्टा भार्या कहा जाता था। इनके नाम हैं : अष्ट भार्या : कृष्ण की 8 ही पत्नियां थीं यथा- रुक्मणि, जाम्बवन्ती, सत्यभामा, कालिन्दी, मित्रबिन्दा, सत्या, भद्रा और लक्ष्मणा।

- श्रीकृष्ण-रुक्मिणी के पुत्र - प्रद्युम्न, चारुदेष्ण, सुदेष्ण, चारुदेह, सुचारू, चरुगुप्त, भद्रचारू, चारुचंद्र, विचारू और चारू।
- जाम्बवती-कृष्ण के पुत्र - साम्ब, सुमित्र, पुरुजित, शतजित, सहस्त्रजित, विजय, चित्रकेतु, वसुमान, द्रविड़ और क्रतु।
- सत्यभामा-कृष्ण के पुत्र - भानु, सुभानु, स्वरभानु, प्रभानु, भानुमान, चंद्रभानु, वृहद्भानु, अतिभानु, श्रीभानु और प्रतिभानु।
- कालिंदी-कृष्ण के पुत्र- श्रुत, कवि, वृष, वीर, सुबाहु, भद्र, शांति, दर्श, पूर्णमास और सोमक।
- मित्रविन्दा-श्रीकृष्ण के पुत्र- वृक, हर्ष, अनिल, गृध्र, वर्धन, अन्नाद, महांस, पावन, वह्नि और क्षुधि।
- लक्ष्मणा-श्रीकृष्ण के पुत्र- प्रघोष, गात्रवान, सिंह, बल, प्रबल, ऊर्ध्वग, महाशक्ति, सह, ओज और अपराजित।
- सत्या-श्रीकृष्ण के पुत्र- वीर, चन्द्र, अश्वसेन, चित्रगुप्त, वेगवान, वृष, आम, शंकु, वसु और कुंति।
- भद्रा-श्रीकृष्ण के पुत्र-संग्रामजित, वृहत्सेन, शूर, प्रहरण, अरिजित, जय, सुभद्र, वाम, आयु और सत्यक।

कृष्ण कुल का नाश

गांधारी के शाप के चलते भगवान श्री कृष्ण के कुल का नाश हो गया था। उल्लेखनीय है कि गांधारी ने यदुकुल या यदुवंश के नाश का शाप नहीं दिया था। मथुरा अंधक संघ की राजधानी थी और द्वारिका वृष्णियों की। ये दोनों ही यदुवंश की शाखाएं थीं। यदुवंश में अंधक, वृष्णि, माधव, यादव आदि वंश चला। श्रीकृष्ण ने मथुरा से जाकर द्वारिका में अपना स्थान बनाया था। श्रीकृष्ण ने द्वारिका का फिर से निर्माण कराया था, क्योंकि उनकी चीन यात्रा के दौरान शिशुपाल ने द्वारिका को नष्ट कर दिया था। श्रीकृष्ण वृष्णि वंश से थे। वृष्णि ही 'वार्ष्णेय' कहलाए, जो बाद में वैष्णव हो गए।

महाभारत युद्ध के बाद जब 36वां वर्ष प्रारंभ हुआ तो राजा युधिष्ठिर को तरह-तरह के अपशकुन दिखाई देने लगे। विश्वामित्र, असित, दुर्वासा, कश्यप, वशिष्ठ और नारद आदि बड़े-बड़े ऋषि द्वारका के पास पिंडारक क्षेत्र में निवास कर रहे थे। एक दिन सारण आदि किशोर जाम्बवती नंदन साम्ब को स्त्री वेश में सजाकर उनके पास ले गए और बोले- ऋषियों, यह कजरारे नैनों वाली बभ्रु की पत्नी है और गर्भवती है। यह कुछ पूछना चाहती है लेकिन सकुचाती है। इसका प्रसव समय निकट है, आप सर्वज्ञ हैं। बताइए, यह कन्या जनेगी या पुत्र। ऋषियों से मजाक करने पर उन्हें क्रोध आ गया और वे बोले, 'श्रीकृष्ण का पुत्र साम्ब वृष्णि और अर्धकवंशी पुरुषों का नाश करने के लिए लोहे का एक विशाल मूसल उत्पन्न करेगा। केवल बलराम और श्रीकृष्ण पर उसका वश नहीं चलेगा। बलरामजी स्वयं ही अपने शरीर का परित्याग करके समुद्र में प्रवेश कर जाएंगे और श्रीकृष्ण जब भूमि पर शयन कर रहे होंगे, उस समय जरा नामक व्याध उन्हें अपने बाणों से बींध देगा।' मुनियों की यह बात सुनकर वे सभी किशोर बहुत डर गए। उन्होंने तुरंत साम्ब का पेट (जो गर्भवती दिखने के लिए बनाया गया था) खोलकर देखा तो उसमें एक मूसल मिला। वे सब बहुत घबरा गए और मूसल लेकर अपने आवास पर चले गए। उन्होंने भरी सभा में वह मूसल ले जाकर रख दिया। उन्होंने राजा उग्रसेन सहित सभी को यह घटना बता दी। उन्होंने उस मूसल का चूरा-चूरा कर डाला तथा उस चूरे व लोहे के छोटे टुकड़े को समुद्र में फिंकवा दिया जिससे कि ऋषियों की भविष्यवाणी सही न हो। लेकिन उस टुकड़े को एक मछली निगल गई और चूरा लहरों के साथ समुद्र के किनारे आ गया और कुछ दिन बाद एरक (एक प्रकार की घास) के रूप में उग आया। मछुआरों ने उस मछली को पकड़ लिया। उसके पेट में जो लोहे का टुकडा था उसे जरा नामक ब्याध ने अपने बाण की नोंक पर लगा लिया। मुनियों के शाप की बात श्रीकृष्ण को भी बताई गई थी। उन्होंने कहा- ऋषियों की यह बात अवश्य सच होगी। एकाएक उन्हें गांधारी के शाप की बात याद आ गई। वृष्णिवंशियों को दो शाप- एक गांधारी का और दूसरा ऋषियों का। श्रीकृष्ण सब कुछ जानते थे लेकिन शाप पलटने में उनकी रुचि नहीं थी।

36वां वर्ष चल रहा था। उन्होंने यदुंवशियों को तीर्थयात्रा पर चलने की आज्ञा दी। वे सभी प्रभास में उत्सव के लिए इकट्ठे हुए और किसी बात पर आपस में झगड़ने लगे। झगड़ा इतना बढ़ा कि वे वहां उग आई घास को उखाड़कर उसी से एक-दूसरे को मारने लगे। उसी 'एरका' घास से यदुवंशियों का नाश हो गया। हाथ में आते ही वह घास एक विशाल मूसल का रूप धारण कर लेती। श्रीकृष्ण के देखते-देखते साम्ब, चारुदेष्ण, प्रद्युम्न और अनिरुद्ध की मृत्यु हो गई।

मौसुल युद्ध

इस आपसी झगड़े को मौसुल युद्ध कहा जाता है। इस युद्ध के कई रहस्य हैं। झगड़े की शुरुआत कृतवर्मा के अपमान से हुई। सात्यकि ने मदिरा के आवेश में उनका उपहास उड़ाते हुए कहा कि अपने को क्षत्रिय मानने वाला ऐसा कौन वीर होगा, जो रात में मुर्दे की तरह सोए मनुष्यों की हत्या करेगा। तूने जो अपराध किया है, यदुवंशी उसे कभी माफ नहीं कर सकते। उसके ऐसा कहने पर प्रद्युम्न ने भी कृतवर्मा का अपमान करते हुएउनकी बात का समर्थन किया। कृतवर्मा ने महाभारत का युद्ध लड़ा था और वे युद्ध में जीवित बचे 18 योद्धाओं में से एक थे। कृतवर्मा यदुवंश के अंतर्गत भोजराज हृदिक का पुत्र और वृष्णि वंश के 7 सेनानायकों में से एक था। महाभारत युद्ध में इसने एक अक्षौहिणी सेना के साथ दुर्योधन की सहायता की थी। कृतवर्मा कौरव पक्ष का अतिरथी योद्धा था। कृतवर्मा को बड़ा क्रोध आया और उन्होंने एक हाथ उठाकर सात्यकि का तिरस्कार करते हुए कहा, 'भूरिश्रवा की बांह कट गई थी और वे मरणांत उपवास का निर्णय कर युद्ध भूमि में बैठ गए थे, उस अवस्था में भी तुमने वीर कहलाकर भी उनकी नृशंसतापूर्वक हत्या क्यों कर दी थी। यह तो नपुंसकों जैसा कृत्य था। इस बात पर सात्यकि को क्रोध आ गया। उन्होंने तलवार से कृतवर्मा का सिर धड़ से अलग कर दिया। बात बढ़ती चली गई और सब काल-कवलित हो गए। मूसल के प्रहार से उन सबने एक-दूसरे की जान ले ली।

ऐसे सपने बताते हैं घर में आने वाली हैं खुशियां

सपने सभी को दिखाई देते हैं। उनमें से कुछ सपने अच्छे भविष्य की ओर संकेत करते हैं, जबकि कुछ भविष्य में आने वाली परेशानियों से आगाह करते हैं। स्वप्न ज्योतिष के अनुसार, सपनों का संबंध कहीं न कहीं आपके मन और आपकी चाहतों से होता है। प्राचीन काल से चली आ रही मान्ताओं के अनुसार सपने आने वाले शुभ और अशुभ फलों के बारे में बताते हैं। कुछ सपने ऐसे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इनके दिखने का मतलब है घर में आने वाली है बड़ी खुशी। आइए जानते है कुछ ऐसे ही सपनों के बारे में जो ये संकेत देते हैं।

अनार का फल देखना

अनार का फल देखने का मतलब है धन लाभ भी और संतान प्राप्ति का संकेत देता हैं।

आम का पेड़ देखना

अगर सपने में आप आम से लदे हुए पेड़ को देखते हैं तो यह संकेत है कि आपके घर में खुश खबरी आने वाली है।

सपने में सांप को देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार अगर आपको सपने में सांप दिखने लगे तो इसका मतलब है कि आपके घर में नए मेहमान का आगमन हो सकता है यानी आपके घर में संतान का जन्म हो सकता है। यह सपना धन लाभ का भी सचक माना जाता है।

छोटे बच्चो को खेलते हुए देखना

छोटे बच्चे को खेलते हुए देखने का मतलब है आपके दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी और संतान प्राप्ति का योग बनेगा।

सेब खाते हुए देखना

महिलाओं का सेब खाते हुए देखने का मतलब है कि खुशखबरी आने वाली है। वह मां बन सकती हैं। गोद में और फलों की टोकरी देखने का मतलब भी संतान प्राप्ति माना गया है।

इमली खाते हुए देखना

सपने में ईमली खाते हुए देखने का मतलब है आपके घर में बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

दर्पण देखना

सपने में दर्पण देखने का मतलब है कि आपको जल्दी ही संतान सुख मिलेगा।

हरा-भरा खेत देखना

सपने में हरा भरा खेत दिखना मतलब जीवन में हरयिाली यानी धन और सुख का समय आने वाला है। यह सपना संतान प्राप्ति का भी सूचक माना जाता है।

लाल फूल का दिखना

सपने में लाल फूल का दखिना अच्छा शगुन माना जाता है। इसका मतलब है कि आपको संतान सुख मिलेगा।

नाखून का बढ़ा हुआ देखना

अपने नाखून का बढ़ा हुआ देखना अच्छा शगुन माना जाता है। यह स्वप्न बताता है कि आपको कहीं से धन लाभ मिलेगा। यह स्वप्न नि:संतान दंपत्ति को संतान सुख का संकेत देता है।

इस श्राप के कारण शिवजी ने काटा था गणेशजी का सिर

पौराणिक कथाओं में कहा जाता है कि एक बार शिवजी ने अपने पुत्र गणेश का सिर त्रिशूल से काट दिया था। मगर, क्या आप जानते हैं कि ऐसा करने की स्थिति क्यों बनी थी। वह क्या श्राप था, जिसकी वजह से भोलेनाथ को भी पीड़ा उठानी पड़ी।

गणेशजी के जन्म की कहानी

एक बार शिवजी के गण नंदी ने देवी पार्वती की आज्ञा पालन में त्रुटि कर दी थी। इससे नाराज देवी ने अपने शरीर के उबटन से एक बालक का निर्माण कर उसमें प्राण डाल दिए और कहा कि तुम मेरे पुत्र हो। तुम मेरी ही आज्ञा का पालन करना किसी और की नहीं। देवी पार्वती ने यह भी कहा कि मैं स्नान के लिए जा रही हूं। ध्यान रखना कोई भी अंदर न आने पाए। थोड़ी देर बाद वहां भगवान शंकर आए और देवी पार्वती के भवन में जाने लगे। यह देखकर उस बालक ने विनयपूर्वक उन्हें रोकने का प्रयास किया। बालक का हठ देखकर भगवान शंकर क्रोधित हो गए और उन्होंने अपने त्रिशूल से उस बालक का सिर काट दिया। देवी पार्वती ने जब यह देखा तो वे बहुत क्रोधित हो गई। उनकी क्रोध की अग्नि से सृष्टि में हाहाकार मच गया। तब सभी देवताओं ने मिलकर उनकी स्तुति की और बालक को पुनर्जीवित करने के लिए कहा। तब भगवान शंकर के कहने पर विष्णुजी एक हाथी का सिर काटकर लाए और वह सिर उन्होंने उस बालक के धड़ पर रखकर उसे जीवित कर दिया। तब भगवान शंकर व अन्य देवताओं ने उस गजमुख बालक को अनेक आशीर्वाद दिए। देवताओं ने गणेश, गणपति, विनायक, विघ्नहरता, प्रथम पूज्य आदि कई नामों से उस बालक की स्तुति की।

यह था शिवजी को श्राप

एक समय में माली और सुमाली दो राक्षस थे जो शिव को समर्पित थे। सूर्य देव उन राक्षसों को उनके पापों के लिए मारने वाले थे। राक्षसों ने शिव से प्रार्थना की और शिव ने उनकी रक्षा के लिए हस्तक्षेप किया। उन्होंने सूर्य को अपने त्रिशूल से मार दिया और इससे सारी दुनिया अंधेरे में डूब गयी। त्रिशूल की चोट से सूर्य की चेतना नष्ट हो गई और वह तुरंत रथ से नीचे गिर पड़े। जब कश्यपजी ने देखा कि उनका पुत्र मरणासन्न अवस्था में हैं, तो वे उसे छाती से लगाकर फूट-फूटकर विलाप करने लगे। सारे देवताओं में हाहाकार मच गया। सभी भयभीत होकर रोने लगे। तब ब्रह्मा के पौत्र तपस्वी कश्यप जी ने शिवजी को शाप दिया, वे बोले जैसा आज तुम्हारे प्रहार के कारण मेरे पुत्र का हाल हो रहा है। ठीक वैसे ही तुम्हारे पुत्र पर भी होगा। तुम स्वयं अपने ही पुत्र का मस्तक काट दोगे। इसी श्राप के कारण ऐसे संयोग बने कि महादेव को गणेश जी का सर काटना पड़ा।

विदेशों में भी मानते हैं मोर पंखों को शुभ

मोर, मयूर, पिकॉक कितने खूबसूरत नाम है इस सुंदर से पक्षी के। जितना खूबसूरत यह दिखता है उतने ही खूबसूरत फायदे इसके पंखों के भी हैं। हमारे देवी -दवताओं को भी यह अत्यंत प्रिय हैं। मां सरस्वती, श्रीकृष्ण, मां लक्ष्मी, इन्द्र देव, कार्तिकेय, श्री गणेश सभी को मोर पंख किसी न किसी रूप में प्रिय हैं। पौराणिक काल में महर्षियों द्वारा इसी मोरपंख की कलम बनाकर बड़े-बड़े ग्रंथ लिखे गए हैं। मोर के विषय में माना जाता है कि यह पक्षी किसी भी स्थान को बुरी शक्तियों और प्रतिकूल चीजों के प्रभाव से बचाकर रखता है। यही वजह है कि अधिकांश लोग अपने घरों में मोर के खूबसूरत पंखों को लगाते हैं।

- मोर पंख की जितनी महत्ता भारत के लोगों के लिए है शायद ही किसी अन्य देश के लोगों के लिए हो। हमारे यहां माना जाता है कि मोर नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सबसे प्रभावशाली है।
- हालांकि 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पश्चिमी देशों के लोग मोरपंख को दुर्भाग्य का सूचक मानते थे। लेकिन मोर पंख की शुभता का अनुभव होने के बाद उसे शुभ चिन्ह के रूप में स्वीकार कर लिया गया।
- ग्रीक पौराणिक कथाओं के अनुसार मोर को 'हेरा' के साथ संबंधित किया जाता है। मान्यता के अनुसार आर्गस, जिसकी सौ आंखें थीं, उसके द्वारा हेरा ने मोर की रचना की।
- यही वजह है कि ग्रीक लोग मोर के पंखों को स्वर्ग और सितारों की निगाहों के साथ जोड़ते हैं।
- हिंदू धर्म में मोर को धन की देवी लक्ष्मी और विद्या की देवी सरस्वती के साथ जोड़कर देखा जाता है।
- लक्ष्मी सौभाग्य, खुशहाली और धन धान्य व संपन्नता के लिए पूजी जाती हैं। मोर के पंखों का प्रयोग लक्ष्मी की इन्हीं विशेषताओं को हासिल करने के लिए किया जाता है। मोर पंख को बांसुरी के साथ घर में रखने से रिश्तों में प्रेम रस घुल जाता है।
- एशिया के बहुत से देशों में मोर के पंखों को अध्यात्म के साथ संबंधित किया जाता है। क्वान-यिन जो कि अध्यात्म का प्रतीक है का मोर से खास रिश्ता माना गया है। क्वान यिन : क्वान-यिन प्रेम, प्रतिष्ठा, धीरज और स्नेह का सूचक है। इसलिए संबंधित देशों के लोगों के अनुसार मोर पंख से नजदीकी अर्थात क्वान-यिन से समीपता मानी गई है।
- बौद्ध धर्म के अनुसार मोर अपनी अपने सारे पंखों को खोल देता है, इसलिए उसके पंख विचारों और मान्यताओं में खुलेपन का ही प्रतीक माने जाते हैं।
- ईसाई धर्म में मोर के पंख, अमरता, पुनर्जीवन और अध्यात्मिक शिक्षा से संबंध रखते हैं।
- इस्लाम धर्म में मोर के खूबसूरत पंख जन्नत के दरवाजे के बाहर अद्भुत शाही बगीचे का प्रतीक माने जाते हैं।

यह भी विशेष गौर करने लायक तथ्य है कि घरों में मोरपंख रखने से कीड़े-मकोड़े घर में दाखिल नहीं होते।